राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

• बोकारो, मंगलवार, 25 अगस्त 2026 • वर्ष : 10 • अंक : 99 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु.• RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

जेपीएससी परीक्षा में गड़बड़ी पर सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

झारखंड पुलिस की कार्रवाई में 150 करोड़ फ्रीज, 41 करोड़ की ड्रग्स जब्त

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड पुलिस मुख्यालय ने जनवरी से जुलाई 2026 तक अपराध नियंत्रण, नक्सल विरोधी अभियान, साइबर अपराध, संगठित अपराध, मादक पदार्थों की तस्करी, मानव तस्करी और अन्य गंभीर मामलों में की गई कार्रवाई के आंकड़े जारी किए हैं। नक्सल अभियान के आंकड़े 15 अगस्त 2026 तक के हैं। आंकड़ों के अनुसार, नक्सल संगठनों के खिलाफ अभियान में बड़ी संख्या में नक्सलियों की गिरफ्तारी और आत्मसमर्पण कराया गया। वहीं साइबर अपराध के मामलों में 150 करोड़ रुपये की संदिग्ध रकम फ्रीज कराई गई। मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई में करीब 41 करोड़ रुपये मूल्य के ड्रग्स जब्त किए गए। जनवरी से 15 अगस्त 2026 तक झारखंड में 113 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया। इनमें 49 माओवादी, 30 पीएलएफआई, 23 टीएसपीसी, 10 जेजेएमपी और एक एसजेएमएम से जुड़े नक्सली शामिल हैं। गिरफ्तार प्रमुख इनामी नक्सलियों में एक करोड़ रुपये का इनामी मिसिर बेसरा शामिल है। इसके अलावा अजय महतो पर 25 लाख, रविंद्र गंझू, मेहतन उर्फ मोछू और मदन महतो उर्फ शंकर महतो पर 15-15 लाख, मृत्युंजय भुइयां पर 10 लाख तथा रवि सरदार पर पांच लाख रुपये का इनाम घोषित था। इसी अवधि में 50 नक्सलियों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया। इनमें 46 माओवादी, एक पीएलएफआई और तीन जेजेएमपी से जुड़े नक्सली हैं। आत्मसमर्पण करने वालों में 15 लाख के इनामी संतोष उर्फ बासुदेव, 10 लाख के इनामी चंदन लोहरा, पांच लाख के इनामी सुरेंद्र लोहरा, सागेन अंगरिया और गुलशन शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, 43 नक्सलियों ने 28 हथियार और 4,549 गोलियों के साथ झारखंड पुलिस मुख्यालय में आत्मसमर्पण किया। इसके अलावा पुलिस के अभियानों के प्रभाव से पड़ोसी राज्यों में भी नक्सलियों के आत्मसमर्पण की स्थिति सामने आई। छत्तीसगढ़ में आठ, पश्चिम बंगाल में दो और तेलंगाना में दो नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। मुठभेड़ में 22 नक्सली मारे गए जनवरी से 15 अगस्त तक पुलिस और उग्रवादियों के बीच हुई मुठभेड़ों में 22 माओवादी नक्सली मारे गए। इनमें एक करोड़ के इनामी अनल उर्फ पतिराम मांझी, 25 लाख के इनामी अनमोल उर्फ सुशांत, 15 लाख के इनामी अमित मुंडा और सहजदेव महतो उर्फ अनुज शामिल हैं। नक्सल विरोधी अभियान के दौरान जनवरी से 15 अगस्त तक नक्सलियों से कुल 111 हथियार बरामद किए गए। इनमें 81 प्रतिबंधित पुलिस हथियार, दो रेगुलर हथियार और 28 देसी हथियार शामिल हैं। इसके अलावा 9,904 कारतूस, 11 किलोग्राम विस्फोटक और छह लाख रुपये की लेवी बरामद की गई। नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी भी बरामद कर निष्क्रिय किए गए। पुलिस के अनुसार, लगातार अभियान के परिणामस्वरूप राज्य के कई प्रमुख नक्सल प्रभावित क्षेत्र अब नक्सल गतिविधियों से मुक्त हो चुके हैं। इनमें सारंडा, टोंटो, गोइलकेरा, पोड़ाहाट, कोलेश्वरी, पारसनाथ, लुगु पहाड़, झुमरा पहाड़, चैनपुर-बिशुनपुर और कई सीमावर्ती पहाड़ी एवं जंगल क्षेत्र शामिल हैं। जनवरी से जून 2026 तक साइबर अपराध से जुड़े 658 मामलों में 486 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने 17.78 लाख रुपये नकद, 679 सिम कार्ड, 651 मोबाइल फोन, 74 एटीएम कार्ड, 21 दोपहिया वाहन, पांच चारपहिया वाहन, आठ लैपटॉप, 57 बैंक पासबुक, 19 बैंक चेकबुक और दो स्वाइप मशीन बरामद कीं। प्रतिबिंब ऐप के माध्यम से जनवरी से जुलाई तक की गई कार्रवाई में 121 मामलों में 336 गिरफ्तारियां हुईं। इस दौरान 545 मोबाइल फोन और 655 सिम कार्ड बरामद किए गए।

फरार आरोपित को ट्रांजिट रिमांड पर लेने धनबाद जेल पहुंची आजमगढ़ पुलिस

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले की पुलिस एक फरार आरोपी को ट्रांजिट रिमांड पर लेने के लिए धनबाद पहुंची है। यूपी पुलिस का वज्र वाहन धनबाद मंडल कारा पहुंचा, जहां आरोपी फिलहाल एक अन्य मामले में बंद है। बताया जा रहा है कि आरोपी आजमगढ़ जिले के एक पुराने मामले में लंबे समय से फरार चल रहा था। आजमगढ़ पुलिस धनबाद मंडल कारा पहुंचकर आरोपी को अपने कब्जे में लेने की कानूनी प्रक्रिया पूरी करने में जुटी है। इसके लिए आवश्यक कागजी कार्रवाई और अन्य औपचारिकताएं की जा रही हैं। प्रक्रिया पूरी होने के बाद आरोपी को ट्रांजिट रिमांड पर उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ ले जाया जाएगा। पुलिस के मुताबिक, पुराने मामले में फरार चल रहे आरोपी की गिरफ्तारी के बाद आजमगढ़ पुलिस उससे पूछताछ करेगी। पूछताछ के जरिए मामले से जुड़े अन्य पहलुओं और संभावित संलिप्तता की जानकारी जुटाई जाएगी। फिलहाल धनबाद मंडल कारा में आरोपी को ट्रांजिट रिमांड पर सौंपने की कानूनी प्रक्रिया जारी है। आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद यूपी पुलिस आरोपी को लेकर आजमगढ़ के लिए रवाना होगी।

बैद्यनाथ धाम : सावन की आखिरी सोमवारी पर उमड़ा आस्था का सैलाब

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

देवघर। सावन की आखिरी सोमवारी के मौके पर देवघर के बाबा बैद्यनाथ धाम में आस्था का सैलाब उमड़ा पड़ा। सुबह से ही मंदिर परिसर और आसपास के इलाकों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। बाबा बैद्यनाथ के दर्शन और जलाभिषेक के लिए श्रद्धालु लंबी कतारों में अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड में दिखी। आखिरी सोमवारी को लेकर भगवान बैद्यनाथ मंदिर का पट सुबह 4:30 बजे खोला गया। पट खुलते ही हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा बैद्यनाथ के शिवलिंग पर जलार्पण शुरू कर दिया। श्रद्धालुओं की भीड़ को व्यवस्थित तरीके से मंदिर तक पहुंचाने के लिए प्रशासन की ओर से विशेष व्यवस्था की गई थी। मंदिर के सरदार पंडा गुलाब नंद झा ने कहा कि सावन का महीना भगवान भोलेनाथ के लिए बेहद खास माना जाता है और सावन की सोमवारी का अपना विशेष धार्मिक महत्व है। उन्होंने कहा कि भगवान भोलेनाथ के लिए बेलपत्र, जल

और सच्ची आस्था सबसे महत्वपूर्ण है। सोमवार के दिन बाबा पर जलाभिषेक करने से श्रद्धालुओं की मनोकामना पूरी होती है, इसी आस्था के साथ बड़ी संख्या में भक्त बाबा धाम पहुंच रहे हैं। देवघर के उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया ने बताया कि पिछली सोमवारी की तुलना में इस बार श्रद्धालुओं की भीड़ अधिक है। हालांकि जिला प्रशासन की ओर से सभी महत्वपूर्ण स्थानों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए हैं। वहीं देवघर के एसपी प्रवीण पुष्कर ने बताया कि श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। रात से ही पुलिसकर्मी और पदाधिकारी श्रद्धालुओं को कतारबद्ध तरीके से मंदिर में प्रवेश कराने में जुटे हुए हैं। भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था पर लगातार नजर रखी जा रही है। आखिरी सोमवारी के मौके पर आम श्रद्धालुओं के साथ कई गणमान्य लोग भी बाबा बैद्यनाथ मंदिर पहुंचे। राज्य की डीजीपी तदाशा मिश्रा भी देवघर पहुंची और बाबा बैद्यनाथ की पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने मंदिर परिसर की सुरक्षा व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। सुबह से उमड़ी भीड़ को देखते हुए अनुमान लगाया जा रहा है कि सावन की आखिरी सोमवारी पर देर रात तक करीब साढ़े तीन लाख श्रद्धालु बाबा बैद्यनाथ पर जलार्पण कर सकते हैं। प्रशासन की ओर से भीड़ को नियंत्रित करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। लंबी कतार में अपनी बारी का इंतजार कर रहे श्रद्धालुओं का कहना है कि सावन की आखिरी सोमवारी उनके लिए बेहद खास है। इसी आस्था के साथ वे बाबा बैद्यनाथ के दरबार पहुंचे हैं और जल चढ़ाकर पूजा-अर्चना कर रहे हैं।

जेवर दुकान में चोरी का खुलासा, दो आरोपित गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जमशेदपुर। बागबेड़ा थाना क्षेत्र के लाल बिल्डिंग स्थित गोल्डेन ज्वेलरी दुकान में हुई चोरी का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की निशानदेही पर करीब डेढ़ किलो चांदी के आभूषण, दो वजन मशीन, मोबाइल फोन और चोरी में इस्तेमाल किए गए औजार बरामद किए गए हैं। जानकारी के अनुसार, 19 अगस्त की देर रात करीब दो से तीन बजे के बीच चोरों ने दुकान के शटर का ताला तोड़कर चांदी के गहने और वजन मशीन चोरी कर ली थी। घटना के बाद बागबेड़ा थाना में मामला दर्ज किया गया। वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष छापामारी दल का गठन कर जांच शुरू की गई। मानवीय सूचना और तकनीकी शाखा की मदद से पुलिस ने गाराबासा इलाके में छापेमारी कर दो आरोपियों को

गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गोपीनाथ मुंडा उर्फ बुलेट और श्रीमंतो गोप उर्फ सुगली के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 36 चांदी के लॉकेट, 134 अंगूठियां, छह मंगलसूत्र, पायल, चांदी की चेन, राखियां, सिक्के, बाजूबंद, कान के टॉप्स और लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियां सहित करीब डेढ़ किलो चांदी बरामद की है। इसके अलावा दो वजन मशीन, वीवो मोबाइल, एक बड़ा बोल्ट कटर और लोहे का सब्बल भी बरामद हुआ है। पुलिस के मुताबिक, दुकान का ताला तोड़ने में बोल्ट कटर और सब्बल का इस्तेमाल किया गया था। फिलहाल दोनों आरोपियों से पूछताछ जारी है और मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

होटल मालिक की गोली मारकर हत्या

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जमशेदपुर। शहर के कदमा थाना क्षेत्र निवासी 35 वर्षीय होटल मालिक निखर सबलोक की चांडिल थाना क्षेत्र में अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। घटना सरायकेला-खरसावां जिले में हाईवे स्थित '10th माइलस्टोन' होटल में हुई। निखर सबलोक दोस्तों के साथ होटल गए थे। इसी दौरान अज्ञात हमलावर वहां पहुंचे और अंधाधुंध फायरिंग कर दी। गोली लगने से निखर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर चांडिल पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें जमशेदपुर के बिष्टुपुर स्थित टीएमएच ले जाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घटना की जानकारी मिलते ही निखर सबलोक के बड़ी संख्या में समर्थक टीएमएच पहुंच गए। इनमें कई उद्यमी और व्यवसायी शामिल थे।

बाढ़ प्रभावित इलाकों का मुख्यमंत्री ने किया हवाई सर्वेक्षण, फरक्का बराज के सभी गेट खुले

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

भागलपुर। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को जिले के नवगछिया अनुमंडल के बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों और क्षतिग्रस्त काजीकोरैया-राघोपुर तटबंध का हवाई सर्वेक्षण किया। इसके बाद हवाई अड्डे पर आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में उन्होंने अधिकारियों को राहत एवं बचाव कार्यों में तत्परता बरतने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभावित लोगों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। आपात स्थिति से निपटने और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की पूरी तैयारी रखी जाए। उन्होंने दियारा क्षेत्रों में संवेदनशीलता के साथ राहत कार्य चलाने और एसओपी के तहत मदद पहुंचाने पर जोर दिया।

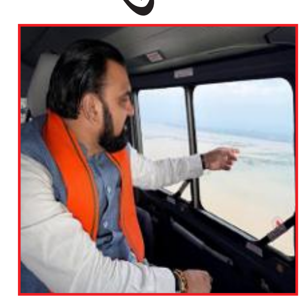

श्री चौधरी ने क्षतिग्रस्त तटबंधों की तत्काल मरम्मत और संवेदनशील स्थलों की निरंतर निगरानी के निर्देश जल संसाधन विभाग को दिए। उन्होंने प्रशासनिक व तकनीकी विभागों को आपसी समन्वय से जलस्तर के उतार-चढ़ाव पर नजर बनाए रखने को कहा। मुख्यमंत्री ने बताया कि पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री से वार्ता के बाद फरक्का बराज के सभी गेट खोल दिए गए हैं। इससे भागलपुर समेत अन्य जिलों में जलस्तर का दबाव कम हो रहा है और जल्द ही स्थिति सामान्य होने की उम्मीद है। बैठक में उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, ऊर्जा मंत्री शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, पुलिस महानिदेशक (अभियान) कुंदन कृष्णन, जल संसाधन सचिव डॉ. चन्द्रशेखर सिंह, प्रमंडलीय आयुक्त प्रेम सिंह मीणा, पुलिस महानिरीक्षक विवेक कुमार, जिलाधिकारी अलंकृता पाण्डेय और वरीय पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार यादव सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

जलबोझी के दौरान नदी में डूबे दो युवक, मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मुजफ्फरपुर। मुशहरी थाना क्षेत्र स्थित आथर घाट पर सोमवार की सुबह जलबोझी के दौरान नदी में डूबने से दो युवकों की मौत हो गई। दोनों अंतिम सावन की सोमवारी पर जलबोझी के लिए आथर घाट से पवित्र गंगाजल लेने पहुंचे थे। ग्रामीणों के अनुसार, जलबोझी के दौरान एक युवक का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चला गया। उसे डूबता देख वहां मौजूद दूसरा युवक बचाने के लिए नदी में आगे बढ़ा, लेकिन तेज धारा में दोनों बह गए। देखते ही देखते दोनों काफी दूर निकल गए। घटना की सूचना मिलने पर मुशहरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों, मछुआरों

व गोताखोरों की मदद से दोनों की तलाश शुरू कराई। तलाश अभियान के दौरान एक युवक को अधमरी हालत में नदी से बाहर निकाला गया। पुलिस उसे मुशहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंची, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। युवक की सांस चलती देख पुलिस उसे एसकेएमसीएच लेकर गई, लेकिन वहां डॉक्टरों ने भी उसकी मौत की पुष्टि कर दी। कुछ देर बाद गोताखोरों ने दूसरे युवक का शव भी नदी से बरामद कर लिया। मृतकों की पहचान मनियारी थाना क्षेत्र के मनियारी भगवानपुर टोला निवासी राम स्वरूप के 17 वर्षीय पुत्र कृष्णा कुमार और राकेश चौधरी के 14 वर्षीय पुत्र नीतीश कुमार के रूप में हुई है। दोनों बाबा दूधनाथ धाम मंदिर में जलाभिषेक के लिए आथर घाट से पवित्र गंगाजल लेने गए थे। देवव्रत कुमार सहनी ने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि हर वर्ष बड़ी संख्या में कांवरिया और श्रद्धालु आथर घाट से जलबोझी करते हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए जाते हैं। उनका कहना है कि घाट पर सुरक्षा और निगरानी की व्यवस्था होती तो हादसा रोका जा सकता था। थानाध्यक्ष सुबोध कुमार मेहता ने बताया कि सूचना मिलने के बाद पुलिस बल तुरंत मौके पर पहुंचा। मछुआरों और गोताखोरों के सहयोग से दोनों युवकों की तलाश की गई। एक युवक को अधमरी हालत में और दूसरे का शव बरामद किया गया। सामाजिक कार्यकर्ता विकास पाठक ने डीएम, एसएसपी और अनुमंडल पदाधिकारी को आवेदन देकर युवकों की डूबने से हुई मौत को प्रशासनिक लापरवाही बताते हुए जिम्मेदार पदाधिकारी पर कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि घटना से पहले कई बार घाट पर बैरिकेडिंग और एसडीआरएफ टीम की तैनाती की मांग की गई थी, लेकिन इस पर कोई संज्ञान नहीं लिया गया।

विकास पाठक के अनुसार, अगर घाट पर बैरिकेडिंग और एसडीआरएफ की टीम तैनात होती तो दोनों युवकों की जान बचाई जा सकती थी।

सड़क हादसे में चार की मौत, दो घायल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

छपरा। सारण जिले के भेल्दी थाना क्षेत्र में रविवार देर रात सड़क हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सोमवार को इलाज के दौरान एक अन्य की मौत हो गई। हादसे में दो लोग घायल हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, अमनौर थाना क्षेत्र के सुल्तानगंज गांव निवासी फारूक मियां परिजनों को चिकित्सक से दिखाकर गड़खा थाना क्षेत्र से ई-रिक्शा से लौट रहे थे। सोनहो टोल प्लाजा के पास तेज रफ्तार अनियंत्रित 18 चक्का ट्रक ने ई-रिक्शा में टक्कर मार दी। हादसे में फारूक मियां, शहीदा खातून और शना खातून की मौके पर मौत हो गई। वहीं, इलाज के दौरान सोमवार को अर्श आलम

ने दम तोड़ दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। ट्रक चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ट्रक के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच कर रही है।

दिल्ली से पटना आ रही फ्लाइट में बर्ड हिट, सभी 164 यात्री सेफ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। दिल्ली से पटना आ रही एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 1741 सोमवार सुबह बर्ड हिट की घटना का शिकार हो गई। पटना के जय प्रकाश नारायण एयरपोर्ट पर लैंडिंग से ठीक पहले विमान के इंजन के पास पक्षी के टकराने की सूचना पायलट ने दी। विमान में कुल 164 यात्री सवार थे। हालांकि, विमान ने करीब 7:43-7:44 बजे सुरक्षित लैंडिंग की और सभी यात्री सुरक्षित हैं।

लैंडिंग से पहले पायलट ने दी बर्ड हिट की सूचना

जानकारी के मुताबिक, दिल्ली से पटना आ रही एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 1741 जब पटना एयरपोर्ट पर उतर रही थी, उसी दौरान विमान के इंजन के पास पक्षी से टक्कर हुई। पायलट ने इसकी जानकारी एयर ट्रैफिक कंट्रोल को दी। घटना की गंभीरता को देखते

हुए एहतियात के तौर पर एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग प्रोटोकॉल लागू किया गया। फायर सर्विस की टीम को भी मौके पर तैनात कर दिया गया, ताकि किसी भी आपात स्थिति से निपटा जा सके। विमान के सुरक्षित लैंड करने के बाद तकनीकी टीम ने इसकी जांच की। जांच में बर्ड स्ट्राइक की पुष्टि हुई, हालांकि राहत की बात यह रही कि विमान के इंजन को किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ। जरूरी तकनीकी जांच और प्रक्रिया पूरी होने के बाद विमान को दोबारा दिल्ली लौटने की अनुमति दे दी गई। फ्लाइट एआई 1852 करीब 79 मिनट की देरी से दिल्ली के लिए रवाना हुई।

पटना एयरपोर्ट पर दिल्ली-पटना रूट की एयर इंडिया फ्लाइट के साथ सात दिनों के भीतर यह दूसरी बर्ड हिट की घटना है। इससे पहले 17 अगस्त को भी इसी रूट की फ्लाइट बर्ड स्ट्राइक का शिकार हुई थी। उस घटना के बाद विमान को करीब दो दिनों तक ग्राउंडेड रखा गया था। लगातार सामने आ रही इन घटनाओं के बाद पटना एयरपोर्ट पर पक्षियों की गतिविधियों को लेकर चिंता बढ़ गई है।

पटना के जय प्रकाश नारायण एयरपोर्ट पर पक्षियों और दूसरे जानवरों की गतिविधियों को लेकर पहले भी सवाल उठते रहे हैं। रविवार को एयरपोर्ट के रनवे पर करीब 1.5 किलो वजन वाले बड़े चमगादड़ के अवशेष मिलने की जानकारी सामने आई थी। सोमवार को एयर इंडिया की फ्लाइट के साथ हुई बर्ड हिट की घटना ने एक बार फिर एयरपोर्ट के आसपास पक्षियों और वन्यजीवों की गतिविधियों को नियंत्रित करने की चुनौती को सामने ला दिया है। फिलहाल सभी 164 यात्री सुरक्षित हैं और बर्ड हिट की इस घटना से एयरपोर्ट पर उड़ानों के संचालन पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ा है।

एफआरओ-एसीएफ नियुक्ति रद्दीकरण पर रोक लगाने से हाई कोर्ट का इनकार

रांची/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झारखंड हाई कोर्ट से फॉरेस्ट रेंज ऑफिसर और असिस्टेंट कंजर्वेटर ऑफ फॉरेस्ट के अभ्यर्थियों को फिलहाल राहत नहीं मिली है। जस्टिस दीपक रोशन की अदालत ने नियुक्ति प्रक्रिया रद्द करने के राज्य सरकार के फैसले पर अंतरिम रोक लगाने से इनकार करते हुए सरकार से जवाब तलब किया है। मामले की अगली सुनवाई 24 सितंबर को होगी। सोमवार को सुनवाई के दौरान प्रार्थियों ने आशंका जताई कि प्रक्रिया रद्द होने के बाद सरकार नए सिरे से विज्ञापन जारी कर सकती है, इसलिए फैसले पर तत्काल रोक लगाई जाए। इस पर अदालत ने स्पष्ट किया कि अगली सुनवाई तक यदि नियुक्ति को लेकर कोई नया घटनाक्रम होता है, तो संबंधित पक्ष हस्तक्षेप याचिका (आईए) दाखिल कर सकता है। सुनवाई में राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता रोहिताश्य रॉय ने पक्ष रखा। यह मामला एफआरओ (विज्ञापन संख्या 04/2024) और एसीएफ (विज्ञापन संख्या 03/2024) से संबंधित है, जिसे लेकर नागेंद्र कुमार यादव, अनूप कुमार और अन्य ने अलग-अलग याचिकाएं दाखिल की हैं। गौरतलब है कि जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म मंच के बैनर तले अभ्यर्थियों ने परीक्षाओं में कथित गड़बड़ी की जांच और सुधार की मांग को लेकर रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में 26 दिनों तक आंदोलन किया था। इसके बाद कैबिनेट की आपात बैठक में लिए गए निर्णय के तहत कार्मिक विभाग ने 18 अगस्त की देर रात अधिसूचना जारी कर 22 परीक्षा परिणाम रद्द कर दिए थे और 23 परीक्षाओं की सीआईडी जांच का आदेश दिया था।

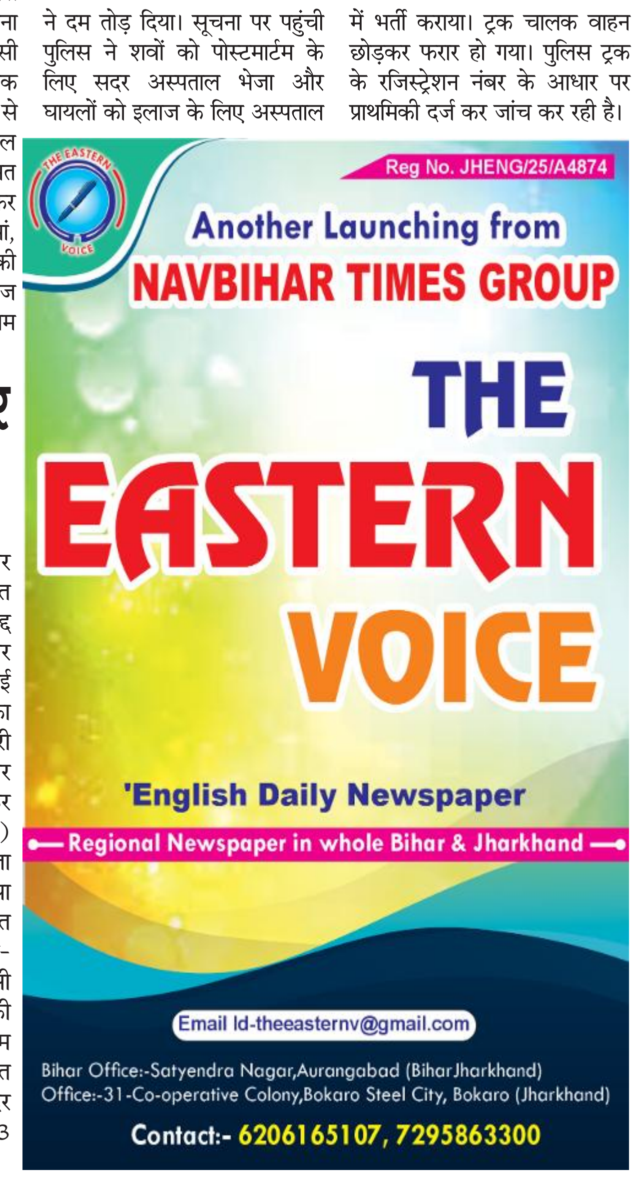

अवैध खनन पर जीरो टॉलरेंस, संवेदनशील क्षेत्रों में बढ़ेगी निगरानी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । जिले में अवैध खनन, खनिजों के अवैध परिवहन और भंडारण पर प्रशासन ने सख्ती बढ़ाने का फैसला लिया है। सोमवार को उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी रामनिवास यादव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला खनन टास्क फोर्स और जिला पर्यावरण समिति की अलग-अलग समीक्षा बैठक की। इस दौरान खनिज संपदा की सुरक्षा, सरकारी राजस्व और पर्यावरण संरक्षण को लेकर अधिकारियों को कई आवश्यक निर्देश दिए गए।उपायुक्त ने कहा कि अवैध खनन और खनिजों के अवैध परिवहन के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी। खनन, पुलिस और वन विभाग को संयुक्त रूप से नियमित जांच व छापेमारी अभियान चलाने का निर्देश दिया गया। संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी के साथ चेक पोस्ट और पिकेट पर खनिज लदे वाहनों की सघन जांच करने को कहा गया। बिना वैध चालान, ओवरलोडिंग या अवैध तरीके से खनिज परिवहन करते पाए जाने वाले वाहनों पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए। सभी एसडीओ, एसडीपीओ और अंचल अधिकारियों को अपने क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण कर अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर त्वरित कार्रवाई करने को कहा गया क पर्यावरणीय मानकों के उल्लंघन पर होगी कार्रवाई जिला पर्यावरण समिति की बैठक में वायु और जल प्रदूषण, औद्योगिक इकाइयों के पर्यावरणीय मानकों के अनुपालन और अपशिष्ट प्रबंधन की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने स्टोन माइंस, क्रशर, औद्योगिक क्षेत्रों और अवैध डंपिंग स्थलों की नियमित जांच के निर्देश दिए क औद्योगिक इकाइयों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग , ईटीपी एसटीपी के प्रभावी संचालन और औद्योगिक कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण पर जोर दिया गया। दूषित जल को उपचार के बाद ही नदी या अन्य जलस्रोतों में छोड़ने तथा औद्योगिक धुएं और प्रदूषक उत्सर्जन की नियमित निगरानी के निर्देश दिए गए। नर्सिंग होम और स्वास्थ्य संस्थानों समेत होटल व अन्य संस्थानों में पर्यावरणीय मानकों की जांच करने तथा आवश्यक कंसट टू ऑपरेट (सीटीओ) के बिना संचालित संस्थानों पर नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा गया। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि जिले में विकास और औद्योगिक गतिविधियां पर्यावरणीय नियमों के अनुरूप ही संचालित होंगी। प्राकृतिक संसाधनों, जल, वायु और भूमि की सुरक्षा के लिए प्रशासन की निगरानी और कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

कृषि योजनाओं का लाभ किसानों तक पहुंचाने पर डीसी का जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। उपायुक्त रामनिवास यादव ने सोमवार को कार्यालय प्रकोष्ठ में कृषि विभाग की समीक्षा बैठक कर विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को कृषि योजनाओं का प्रभावी और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए प्रति जागरूक करने के लिए तैयार तकनीकी लिफलेट और बुकलेट का व्यापक वितरण सुनिश्चित करने को कहा। इनमें जीवामृत, बीजामृत, जैविक खेती, कीटनाशक प्रबंधन और नीम आधारित कीटनाशक से संबंधित जानकारी शामिल है।समीक्षा के दौरान सात प्रखंडों में आयोजित कृषक गोष्ठियों,

इसका सीधा लाभ किसानों तक पहुंचाने का निर्देश दिया। बैठक में आत्मा के माध्यम से किसानों के लिए आयोजित प्रशिक्षण, कृषि मेला, एक्सपोजर विजिट और प्रत्यक्षण कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। बताया गया कि वर्ष 2025-26 में किसानों को आईसीएआर एनआरआरआई , कटक समेत अन्य कृषि संस्थानों का भ्रमण कराकर उन्नत कृषि तकनीकों की जानकारी दी गई। डीसी ने ऐसे कार्यक्रमों को अधिक उपयोगी और परिणामपरक बनाने पर जोर दिया। उन्होंने किसानों को जैविक एवं कम लागत वाली खेती के हाइब्रिड मूंग के प्रत्यक्षण और सब्जी प्रत्यक्षण कार्यक्रमों की भी जानकारी ली गई। डीसी ने सफल कृषि तकनीकों को अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाने और योजनाओं की नियमित निगरानी का निर्देश दिया।उपायुक्त ने कहा कि कृषि योजनाओं की सफलता तभी मानी जाएगी, जब किसानों को योजनाओं और आधुनिक तकनीक का वास्तविक लाभ मिले। बैठक में उप विकास आयुक्त स्मृता कुमारी, जिला कृषि पदाधिकारी समेत कृषि विभाग एवं आत्मा के पदाधिकारी व कर्मी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

लातेहार में दो सड़क हादसे, पांच घायल; दो की हालत गंभीर

लातेहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। जिले में दो अलग-अलग सड़क हादसों में पांच लोग घायल हो गए। इनमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद एमएमसीएच, मेदिनीनगर रेफर किया गया। छिपादोहर थाना क्षेत्र के रेलवे क्रॉसिंग के पास कार और बाइक की सीधी टक्कर में सचिन कुमार विश्वकर्मा और उनका साथी घायल हो गए। पुलिस ने दोनों को बरवाडीह अस्पताल पहुंचाया, जहां गंभीर स्थिति में सचिन को मेदिनीनगर रेफर किया गया। वहीं, बरवाडीह के धड़धड़ी नदी पुल के पास बाइक और मोपेड की भिड़ंत में कमलेश उरांव, संतोष उरांव और अमित उरांव घायल हुए। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल कमलेश को एमएमसीएच रेफर कर दिया गया।

काढ़ागोला घाट पर पुलिसकर्मियों से मारपीट शराब के नशे में तीन युवक गिरफ्तार

बरारी/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। श्रावणी सोमवारी के दौरान काढ़ागोला गंगा घाट पर ड्यूटी कर रहे पुलिसकर्मियों से मारपीट करने और सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने के आरोप में बरारी पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। तीनों युवक कोढ़ा थाना क्षेत्र के नवाबगंज के रहने वाले बताए गए हैं। पुलिस ने उनकी अपाची बाइक भी जब्त कर ली है।पुअनि शिवम कुमार चौधरी ने बताया कि सोमवार तड़के करीब 3:35 बजे तीन युवक बाइक से काढ़ागोला घाट पहुंचे। उस समय श्रद्धालुओं की भारी भीड़ थी। ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने उन्हें सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए बाइक निर्धारित पार्किंग स्थल पर लगाने के लिए कहा। इसी बात पर विवाद शुरू हो गया।

महान आध्यात्मिक चिंतक और दार्शविद कवि थे हृदय नारायण

पटना (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। भारतीय-चेतना के यशस्वी कवि हृदय नारायण एक महान आध्यात्मिक-चिंतक और दर्शन के कवि थे। वे हिन्दी-साहित्य के विनम्र साधु-पुरुष थे। लेखन की दृष्टि से भी और आचरण-व्यवहार और व्यक्तित्व से भी। उनकी आध्यात्मिक और साहित्यिक साधना साथ-साथ चली। संसार में रहते हुए भी उन्होंने एक संत की भाँति तपस्या की और सिद्धि भी प्राप्त की। वे भारतीय दर्शन के सिद्ध व्याख्याता भी थे। यह बातें शनिवार को साहित्य सम्मेलन में, कल्याणोदय, पटना के सौजन्य से आयोजित जयंती-

सह-स्मृति सम्मान समारोह और कवि-सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए, सम्मेलन अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने कही। उन्होंने कहा कि हजारों वर्ष के तप पर आधारित चिंतन के गर्भ से भारतीय-दर्शन का प्रस्फुटन हुआ। हमारा चिंतन 'सादा-जीवन और उच्च विचार' का है। हमारे महान ऋषियों के मुख से निकला हमारा दर्शन मानव जीवन को विलासिता-पूर्ण नहीं, अपितु 'आनंद-पूर्ण' और 'आनन्द-प्रद'बनाने की शिक्षा देता है। पुण्य-श्लोक हृदय जी ने अपने साहित्य में इन्हीं विचारों को अभिव्यक्ति दी है। उनकी ४० से अधिक पुस्तकों में उनका व्यापक दार्शनिक-चिंतन प्रकट हुआ है। 'गीता', 'गांधी' और'विवेकानंद' पर उनके विशेष कार्य आज भी प्रेरणा देते हैं। उन्होंने अपने साहित्य और आचरण से सिखाया कि हमें निरन्तर कर्म करना चाहिए। समारोह का उद्घाटन करते हुए, 'पद्मभूषण' से अलंकृत चिकित्सक और पूर्व केंद्रीयमंत्री डा सी पी ठाकुर ने कहा कि हृदय नारायण जी पर महात्मा गाँधी का गहरा प्रभाव था। वे जीवन पर्यंत गीता और गाँधी का अनुसरण करते रहे। उन्होंने राष्ट्रीय आंदोलनों में भी भाग लिया। स्वर्गीय हृदय नारायण के चिकित्सक पुत्रों डा निगम प्रकाश नारायण, डा निर्मल प्रकाश नारायण, डा निकुंज प्रकाश नारायण, पुत्रवधु डा संगीता नारायण , सतीश चंद्र प्रसाद तथा डा शाहिद जमील ने भी अपने विचार व्यक्त किए। डा निगम ने कहा कि पिताजी यह मानते थे कि साहित्य केवल ऋंगार नहीं, सत्य की साधना है। साहित्य केवल विचारों में ही नहीं आचरण में भी लक्षित होनी चाहिए।

नशे के खिलाफ नकॉर्ड की बैठक में उपायुक्त ने दिए कड़े निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिले में मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध खेती और नशीली दवाओं के दुरुपयोग पर रोक लगाने को लेकर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी रामनिवास यादव ने सोमवार को अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में जिला स्तरीय नारकोटिक्स कोऑर्डिनेशन कमेटी (नकॉर्ड) की बैठक की। बैठक में नशे के अवैध कारोबार पर प्रभावी कार्रवाई और संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय को लेकर समीक्षा की गई। उपायुक्त ने संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने, अवैध मादक फसलों की खेती की सूचना पर तत्काल कार्रवाई करने और इसमें संलिप्त लोगों को चिन्हित कर नियमानुसार कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि नशा उन्मूलन के लिए कार्रवाई के साथ-साथ जनजागरूकता भी जरूरी है। उन्होंने पुलिस, स्वास्थ्य, शिक्षा और औषधि नियंत्रण विभाग को संयुक्त रणनीति के तहत काम करने तथा युवाओं और आम लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने का निर्देश दिया।बैठक में औषधि निरीक्षक को नशीली दवाओं के भंडारण और बिक्री की नियमित जांच करने, बिना चिकित्सकीय पर्ची दवा बेचने पर रोक लगाने तथा दवा दुकानों के अभिलेखों की जांच करने का निर्देश दिया गया। वहीं, अवैध रूप से चिकित्सकीय गतिविधियां संचालित करने वाले झोलाछाप चिकित्सकों पर भी नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा गया। बैठक में पुलिस अधीक्षक, पश्चिमी वन प्रमंडल पदाधिकारी, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा समेत वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, अंचलाधिकारी और संबंधित विभागों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

छात्र-छात्राओं की समस्याओं को लेकर मंत्री से हस्तक्षेप की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। छात्र-छात्राओं से जुड़े एक महत्वपूर्ण मुद्दे को लेकरमंटू मुर्मू ने वीडियो जारी कर सरकार और संबंधित मंत्री से हस्तक्षेप की मांग की है। वीडियो में उन्होंने छात्र-छात्राओं की समस्याओं और उनकी मांगों को गंभीरता से लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि छात्रों के हित से जुड़े मामले को लेकर लगातार आवाज उठाई जा रही है। वीडियो में उन्होंने झारखंड के नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू से भी इस मामले में पहल करने और छात्र छात्राओं की समस्याओं का समाधान कराने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि छात्रों के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर सरकार को संवेदनशीलता के साथ विचार करना चाहिए, ताकि उन्हें किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने उम्मीद जताई कि मंत्री मामले को संज्ञान में लेकर उचित कार्रवाई करेंगे।

तेज रफ्तार ट्रक से कुचल बाइक सवार महिला की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। बेंगाबादः छोटकी खरगडीहा-नवडीह मुख्य मार्ग पर सोमवार दोपहर देवाटांड़ के पास तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार 50 वर्षीय महिला शहीदन खातून की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में उनके पति वसीर अंसारी मामूली रूप से घायल हुए, जबकि बहू और तीन वर्षीय पोता बाल-बाल बच गए। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर शव को सड़क पर रखकर मुख्य मार्ग जाम कर दिया। करीब घंटों तक आवागमन बाधित रहा और सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। सूचना मिलते ही मुखिया प्रतिनिधि महेंद्र प्रसाद वर्मा, बेंगाबाद थाना प्रभारी अमन कुमार सिंह, एसआई विजय मंडल और एएसआई अशोक कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने जाम हटाने और शव को कब्जे में लेने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण मुआवजे की मांग पर अड़े रहे। मामले की जानकारी मिलने पर बेंगाबाद बीडीओ सुनील कुमार मुर्मू ने तत्काल 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई। साथ ही सरकारी प्रावधान के तहत मिलने वाली सहायता दिलाने का आश्वासन दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने जाम समाप्त कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गिरिडीह सदर अस्पताल भेज दिया। मैयत में शामिल होने जा रहे थे परिवार के लोग बताया गया कि धोथो गांव निवासी वसीर अंसारी अपनी पत्नी शहीदन खातून, बहू और तीन वर्षीय पोते के साथ बाइक से झबदाटांड़ गांव स्थित रिश्तेदार के यहां मैयत में शामिल होने जा रहे थे। दोपहर करीब सवा 12 बजे देवाटांड़ के पास छोटकी खरगडीहा की ओर से नवडीह की तरफ जा रहे प्लास्टिक पाइप लदे ट्रक ने उनकी बाइक को चपेट में ले लिया। हादसे में शहीदन खातून की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन लेकर भागने लगा। स्थानीय लोगों ने पीछा कर नवडीह के पास ट्रक को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया।

झारखंड के खनिज संसाधनों पर हक की लड़ाई, 27 को जिला मुख्यालयों पर धरना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। झारखंड की स्थापना इस उम्मीद के साथ हुई थी कि राज्य के खनिज एवं प्राकृतिक संसाधनों का लाभ यहां की जनता को मिलेगा। लेकिन आज केंद्र सरकार राज्य की प्राकृतिक संपदा का लाभ छीन रही है। यह बात कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष सह प्रदेश सचिव धनंजय कुमार सिंह ने कही। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य के बीच संस्थाओं से संबंधित किसी भी नई व्यवस्था में झारखंड के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित होनी चाहिए। खनिज से मिलने वाली अतिरिक्त राशि केवल बजट का हिस्सा नहीं है, बल्कि इसका उपयोग विभिन्न सरकारी योजनाओं, विस्थापित परिवारों तथा आदिवासी-मूलवासी समुदायों के विकास में किया जाता है। धनंजय कुमार सिंह ने कहा कि राज्य सरकार के अनुसार खनिज विकास एवं नियम संशोधन विधेयक 2026 में आवश्यक संशोधन नहीं किए गए तो इस वर्ष झारखंड को करीब 14 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो सकता है।उन्होंने बताया कि कांग्रेस पार्टी इसी मुद्दे को लेकर 27 अगस्त को राज्य के सभी जिला मुख्यालयों पर धरना-प्रदर्शन करेगी। वहीं 7 सितंबर को प्रदेश स्तरीय धरना-प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस झारखंड के खनिज संसाधनों पर राज्य और यहां की जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखेगी।

तेलोडीह पंचायत सचिवालय में प्रमाणपत्र निर्माण को लेकर विशेष शिविर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। ग्रामीणों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सोमवार को तेलोडीह पंचायत सचिवालय में जाति, आवासीय एवं जन्म प्रमाणपत्र बनाने को लेकर विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे, जहां सीएससी संचालकों ने प्रमाणपत्र से संबंधित आवेदन ऑनलाइन अपलोड किए। शिविर के माध्यम से ग्रामीणों को पंचायत स्तर पर ही प्रमाणपत्र बनवाने की सुविधा मिली, जिससे उन्हें प्रखंड कार्यालय का चक्कर लगाने से राहत मिली। शिविर को लेकर ग्रामीणों में उत्साह देखा गया। इस दौरान स्थानीय मुखिया शब्बीर आलम, सभी वार्ड प्रतिनिधि, पंचायत समिति सदस्य सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

खेतों में उतरे जिला कृषि पदाधिकारी खुद किया डिजिटल क्रॉप सर्वे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। किसान हित में संचालित फार्मर रजिस्ट्री एवं डिजिटल क्रॉप सर्वे योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर जिला कृषि पदाधिकारी राजीव कुमार ने प्राणपुर, कटिहार, बरारी समेत विभिन्न प्रखंडों का क्षेत्र भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने खेतों में पहुंचकर स्वयं करीब 30 खेतों का डिजिटल क्रॉप सर्वे किया और करीब 25 किसानों की फार्मर आइडी जेनरेट की।उन्होंने किसानों को फार्मर रजिस्ट्री के महत्व की जानकारी देते हुए बताया कि इससे भूमि एवं कृषि संबंधी विवरण डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध रहेगा। नई जमाबंदी होने पर संबंधित खेत का क्षेत्रफल भी पूर्व से जारी फार्मर आइडी में जुड़ जाएगा। इसलिए किसानों को भूमि एवं जमाबंदी का विवरण अद्यतन रखने की सलाह दी गई।प्राणपुर बीज उत्पादन प्रक्षेत्र में संकर धान और उरद की फसल का निरीक्षण किया गया। उडद में भुआ कीट का प्रकोप मिलने पर अनुशंसित कीटनाशी के छिड़काव का निर्देश दिया गया। संकर धान की फसल की स्थिति संतोषजनक मिली। संभावित सुंडी कीट के प्रकोप को देखते हुए बर्ड पर्च और रस्सी चलाने जैसी समेकित एवं यांत्रिक कीट प्रबंधन विधियां अपनाने को कहा गया। जिला कृषि पदाधिकारी ने बताया कि रविवार को जिले में कुल 400 किसानों की फार्मर आइडी जेनरेट की गई। उन्होंने अधिकारियों-कर्मियों को किसानों के बीच जागरूकता बढ़ाकर लक्ष्य समय पर पूरा करने का निर्देश दिया।

किसानों का हल्ला बोल, मंत्री के नाम 7 सूत्री मांगों का ज्ञापन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। संयुक्त किसान सभा के देशव्यापी आह्वान के तहत सोमवार को अखिल भारतीय किसान महासभा के प्रदेश नेता पूरन महतो और मजदूर नेता राजेश सिन्हा ने झारखंड के नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के नाम झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिलाध्यक्ष संजय सिंह को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में किसानों और मजदूरों से जुड़ी सात प्रमुख मांगों के साथ गिरिडीह की स्थानीय समस्याओं को भी उठाया गया। किसान नेता पूरन महतो ने कहा कि केंद्र सरकार किसानों से किए वादों को पूरा नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि 9 दिसंबर 2021 को किसान आंदोलन के बाद एमएसपी की कानूनी गारंटी, कर्ज माफी, बिजली निजीकरण रोकने और मुकदमे वापस लेने सहित कई आश्वासन दिए गए थे, लेकिन अब तक उन पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि किसान अब अपने अधिकारों के लिए निर्णायक संघर्ष करेगा। मजदूर नेता राजेश सिन्हा ने कहा कि किसान और मजदूर अपने अधिकारों के लिए एकजुट हैं। उन्होंने केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ आंदोलन तेज करने की चेतावनी देते हुए कहा कि 2029 में किसान मजदूर सरकार की नीतियों का जवाब देंगे।ज्ञापन की प्रमुख मांगों में सभी फसलों पर सी2+50 प्रतिशत के आधार पर कानूनी एमएसपी और खरीद की गारंटी, किसानों की संपूर्ण कर्जमाफी, किसान आत्महत्या से प्रभावित परिवारों को ₹25 लाख मुआवजा, चार श्रम संहिताओं को रद्द कर ₹31 हजार न्यूनतम मजदूरी लागू करना, मनरेगा में 200 दिन काम और ₹700 दैनिक मजदूरी देना शामिल है। इसके अलावा भारत अमेरिका एफटीए समेत मुक्त व्यापार समझौतों को रद्द करने, बिजली निजीकरण विधेयक 2025, बीज विधेयक और खाद्य सुरक्षा संशोधन वापस लेने तथा जबरन भूमि अधिग्रहण रोकने की मांग की गई। प्रतिनिधियों ने एलएआरआर 2013, एफआरए 2006 और पेशा 1996 को प्रभावी रूप से लागू करने की भी मांग उठाई। गिरिडीह की स्थानीय समस्याओं को लेकर आदिवासियों को तत्काल वनपट्टा देने, गैरमजरुआ जमीन की रसीद काटने की गारंटी, औद्योगिक क्षेत्र में बर्बाद फसलों का मुआवजा, हाथियों से बर्बाद फसल पर दोगुना मुआवजा और हाथी हमले में मौत होने पर ₹25 लाख मुआवजा देने की मांग की गई। औद्योगिक क्षेत्रों में प्रदूषण पर नियंत्रण की भी मांग उठाई गई। किसान महासभा ने चेतावनी दी कि मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं हुई तो 26 नवंबर 2026 से किसान एक बार फिर बड़े आंदोलन की शुरूआत करेंगे।

आखिरी सोमवारी को दिखा आस्था का सैलाब

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। श्रावणी मेला अब अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच गया है। सावन की चौथी और अंतिम सोमवारी पर बाबा बैद्यनाथ धाम में एक बार फिर आस्था का बड़ा सैलाब उमड़ने की संभावना है। प्रशासन के अनुमान के मुताबिक, करीब तीन से सवा तीन लाख श्रद्धालु बाबा बैद्यनाथ का जलाभिषेक कर सकते हैं। पिछली सोमवारी की तुलना में श्रद्धालुओं की संख्या कुछ कम रहने का अनुमान है, लेकिन तीन लाख से अधिक लोगों के बाबाधाम पहुंचने से प्रशासन के सामने सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण की बड़ी चुनौती होगी। इसे देखते हुए देवघर जिला प्रशासन और पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड में है। पहली, दूसरी और तीसरी सोमवारी के दौरान उमड़ी भारी भीड़ से मिले अनुभवों के आधार पर प्रशासन ने अंतिम सोमवारी के लिए सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण की व्यवस्था को और मजबूत किया है। संवेदनशील स्थानों पर दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी और जवानों की तैनाती की गई है। श्रद्धालुओं को कतारबद्ध तरीके से मंदिर तक पहुंचाने के साथ ही

धार्मिक मान्यताओं से जुड़ी है चौथी सोमवारी

का दबाव कम करने के लिए रूट व्यवस्था भी सक्रिय रखी गई है। कांवड़ियों की कतार को नंदन पहाड़ की ओर से घुमाकर मंदिर परिसर तक पहुंचाया जा रहा है, ताकि भीड़ को एक जगह जमा होने से रोका जा सके।

बाबा बैद्यनाथ मंदिर और उसके आसपास के रास्तों की क्षमता सीमित है। ऐसे में तीन लाख से अधिक श्रद्धालुओं का पहुंचना प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती माना जा रहा है। प्रशासन की नजर मुख्य रूप से सुरक्षा, यातायात, कतार व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधाओं पर है। अधिकारियों को लगातार स्थिति की निगरानी करने और भीड़ बढ़ने या किसी तरह की समस्या सामने आने पर तत्काल निर्णय लेने के निर्देश दिए गए हैं।

सावन की चौथी और अंतिम सोमवारी को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष आस्था है। धार्मिक मान्यताओं में समुद्र मंथन और भगवान शिव की आराधना का विशेष महत्व बताया गया है। इसी आस्था के चलते अंतिम सोमवारी पर देश के अलग-अलग हिस्सों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबाधाम पहुंच रहे हैं। श्रद्धालुओं के लिए सावन की अंतिम सोमवारी बाबा बैद्यनाथ के दर्शन और जलाभिषेक का विशेष अवसर है। यही वजह है कि अंतिम सोमवारी पर मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान लगाया जा रहा है।

मंदिर परिसर से लेकर कांवड़िया पथ और शहर के प्रमुख हिस्सों तक सुरक्षा व्यवस्था सक्रिय रखी गई है। प्रशासन का प्रयास है कि श्रद्धालुओं को लंबी कतार में लगने के बावजूद कम से कम परेशानी हो और वे सुरक्षित व व्यवस्थित तरीके से बाबा बैद्यनाथ का जलार्पण कर सकें। भीड़ को नियंत्रित करने के साथ श्रद्धालुओं की आवाजाही को सुचारू रखने के लिए पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को लगातार निगरानी की जिम्मेदारी दी गई है।

ये भी पढ़ें

जन्माष्टमी की तैयारी को लेकर मंदिर का निरीक्षण

पाकुड़। जन्माष्टमी पर्व को लेकर पाकुड़ नगर परिषद क्षेत्र में तैयारियों का जायजा लेने के उद्देश्य से नगर परिषद उपाध्यक्ष राणा ओझा ने सोमवार को पाकुड़ नगर स्थित इस्कॉन मंदिर परिसर कालीभसान का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मंदिर परिसर में साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और पेयजल की उपलब्धता का जायजा लिया।

इस दौरान इस्कॉन मंदिर के अध्यक्ष सत्यवाम प्रभु ने जन्माष्टमी को लेकर मंदिर परिसर में आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में नगर परिषद उपाध्यक्ष के समक्ष अपनी मांगें रखीं। उन्होंने परिसर की साफ-सफाई, पर्याप्त लाइट की व्यवस्था तथा पानी के टैंकर उपलब्ध कराने की मांग की।

नगर परिषद उपाध्यक्ष राणा ओझा ने मौके पर मौजूद नगर परिषद के सिटी मैनेजर मनीष कुमार, जेई सुमन कुमार सहित अन्य कर्मियों को मंदिर परिसर में विशेष साफ-सफाई कराने, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनि■त करने तथा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पानी की टंकी/टैंकर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि जन्माष्टमी के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के मंदिर पहुंचने की संभावना है।

जटाधारी मंदिर में चोरी, दानपेटी ले उड़े चोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। नगर थाना क्षेत्र के राजापाड़ा स्थित प्रसिद्ध जटाधारी मंदिर में चोरी की घटना सामने आई है।..मंदिर के पुजारी जब सुबह मंदिर खोलने पहुंचे तो उन्होंने ताला टूटा हुआ पाया। चोरी की जानकारी मिलते ही आसपास के भक्त बड़ी संख्या में मौके पर जमा हो गए और नगर थाने को सूचना दी। सूचना मिलते ही नगर थाना प्रभारी अनिल गुप्ता पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की छानबीन शुरू की। चोरों ने मंदिर के अंदर रखे दो दानपात्रों में से एक को गायब कर दिया, जबकि दूसरे का ताला तोड़कर उसमें रखी दान की राशि चुरा ली। इसके अलावा, मंदिर में स्थापित शिवलिंग के चारों ओर लगा पीतल का बेदी भी पूरी तरह से उखाड़ दिया गया है। यह मंदिर पर्यटन विभाग की डी श्रेणी में आता है।

पुलिस को मंदिर के पीछे खाली पड़ा हुआ एक छोटा दानपात्र मिला। सोमवार को हुई इस चोरी की घटना को लेकर भक्तों में आक्रोश देखा गया।मंदिर के सहायक पुजारी गौरव कुमार चौबे ने बताया कि सोमवार सुबह जब वह मंदिर खोलने पहुंचे तो ताला टूटा हुआ था। अंदर जाकर देखा तो एक बड़ा दानपात्र टूटा हुआ था और एक छोटा दानपात्र गायब था। शिवलिंग वेदी में लगा पीतल का फ्रेम भी क्षतिग्रस्त होकर खुला हुआ था। उन्होंने बताया कि मंदिर में पूर्व में भी 5 से 6 बार चोरी हो चुकी है लेकिन इस बार चोरों के द्वारा ज्यादा नुकसान किया गया है। उन्होंने चोरी की सूचना आसपास के भक्तों को दी। वहीं मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन प्रारंभ किया छानबीन के क्रम में मंदिर से गायब एक दान पात्र मंदिर के पीछे स्थित झाड़ी में पड़ा मिला वहीं दान पात्र से राशि गायब थी। मौके पर मौजूद लोगों ने कहा कि नगर थाना की पुलिस मामले की जांच करते हुए चोरी की घटना का उद्बेदन करें। वही सावन माह का सोमवार भक्तों के लिए काफी भक्ति भरा दिन होता है ऐसे में चोरी होने से भक्तों में काफी नाराजगी देखी गई।

कांवरियों की सेवा को मिला सम्मान

पथ प्रदर्शक परिवार को किया गया सम्मानित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। औरंगाबाद की चर्चित स्वयंसेवी संस्था पथ प्रदर्शक द्वारा बाबा बैद्यनाथ धाम में लगातार की जा रही कांवरियों की सेवा के लिए संस्था के सदस्यों को सम्मानित किया गया। देवघर की समाजसेविका अंजली सिंह एवं उनके पति एचडीएफसी बैंक के प्रबंधक कमलेश कुमार सिंह ने पथ प्रदर्शक परिवार के सदस्यों को अंगवस्त्र, मोमेंटो एवं भोले बाबा की तस्वीर देकर सम्मानित किया।

समाजसेविका अंजली सिंह ने कहा कि पथ प्रदर्शक की टीम जिस समर्पण और सेवाभाव से कांवरियों की सेवा कर रही है, वह प्रेरणादायक है। इसी सेवा भावना को प्रोत्साहित करने के लिए टीम को सम्मानित किया गया है। उन्होंने कहा कि कांवरिया पथ पर जितने भी सेवा शिविर लगाए जाएं, वे शिवभक्तों की सुविधा के लिए कम ही हैं।

पथ प्रदर्शक के संस्थापक सह सचिव बमेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि संस्था लगातार 26वें दिन भी शिवभक्तों की सेवा में जुटी हुई है। जख्म, दर्द और फोड़े से परेशान कांवरियों की सेवा कर उन्हें काफी आत्मसंतुष्टि मिलती है।

उन्होंने बताया कि पूरे देश में रक्तदान जागरूकता, रक्तदान शिविर आयोजन एवं जरूरतमंदों को रक्त उपलब्ध कराने के लिए कार्यरत संस्था पथ प्रदर्शक ने इस वर्ष पहली बार बाबा बैद्यनाथ धाम में एक माह के लिए निःशुल्क कांवरिया सेवा शिविर लगाया है।

शिविर में पैदल यात्रा के दौरान घायल कांवरियों को बैंडेज-प■ी की सुविधा, थके हुए श्रद्धालुओं को मालिश एवं पैरों की मसाज, साथ ही श्रद्धालुओं को शुद्ध पेयजल और नींबू शरबत उपलब्ध कराया जा रहा है।

शिवभक्तों की सेवा में उत्कृष्ट योगदान के लिए पथ प्रदर्शक के संस्थापक सह सचिव बमेंद्र कुमार सिंह सहित सत्यम कुमार सिंह उर्फ चुन्नू,साबिया परवीन, पूजा कुमारी एवं पूनम देवी को सम्मानित किया गया।

बेल-बराही पथ चपरी में उभरे गड्ढों से बढ़ी परेशानी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। ओबरा-बेल रोड से बराही जाने वाली सड़क की स्थिति बद से बदतर हो गई है। यह स्थिति ओबरा प्रखंड के चपरी देवी के पास की है। जहां पर घरों की पानी जमा होने से गड्ढों में तब्दील हो गई है। बरसात के दिनों में तो युक्त जगहों पर मौत का कुआं बन जाता है।

गड्ढों में पानी जमा रहने से आम लोगों की परेशानियां हो रही है। विद्यालय में बच्चों को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। इसी मार्ग से ज्ञान गंगा लक्ष्मी पब्लिक स्कूल पड़ता है। इसी मार्ग से विद्यालय के बच्चे बस पर जाते है। सैंकड़ों वाहनो का आवागमन है। वैसी स्थिति में जलजमाव का खतरा बढ़ गई है।

ग्रामीणों का कहना है कि कई घरों का पानी नाली का निर्माण नहीं होने से सड़को पर जमा हो जाता है और बरसात के दिन में मौत का कुंआ बन जाता है। जिससे राहगीरों को वाहन तो दूर पैदल जाने पर भी काफी परेशानियां हो रही हैं। बरसात के दिनों में स्थिति इतने गंभीर हो जाती है कि सड़कों पर गड्ढें दिखाई देते है। वाहन चालक फिसलकर गिर जाते है।

रक्षाबंधन पर सड़क सुरक्षा का अनोखा संदेश

बच्चों ने चालकों को राखी बांधकर दिलाया सुरक्षा का संकल्प

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर धनबाद जिला प्रशासन ने सड़क सुरक्षा को लेकर एक अनोखी और भावनात्मक पहल की शुरूआत की है। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निदेर्शानुसार जिले में तीन दिवसीय वृहद सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान का आगाज हुआ। जिला प्रशासन, यातायात पुलिस एवं शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में अभियान के पहले दिन शहर के 5 प्रमुख चौक-चौराहों पर व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। अभियान का सबसे खास और भावुक पल तब देखने को मिला जब स्कूली बच्चों ने सड़क पर उतरकर वाहन चालकों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा और उनसे जीवन की रक्षा का वचन लिया।

बच्चों ने दोपहिया और चारपहिया चालकों को रोककर न सिर्फ राखी बांधी, बल्कि हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, ओवरस्पीडिंग न करने और यातायात नियमों का शत-प्रतिशत पालन करने का संकल्प भी दिलाया। बच्चों के इस अनोखे अंदाज ने वाहन चालकों का दिल जीत लिया।

उपायुक्त ने कहा - घर पर कोई इंतजार कर रहा है- अभियान के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए उपायुक्त आदित्य रंजन ने कहा, ®रक्षाबंधन का मूल संदेश ही जीवन की रक्षा करना है। जब स्कूली बच्चे चालकों को राखी बांधकर सुरक्षा का वचन मांगते हैं, तो वह भावनात्मक संदेश सीधे दिल पर असर करता है। हमारा प्रयास है कि लोग डर या जुमार्ने से नहीं, बल्कि जिम्मेदारी समझकर नियमों का पालन करें। उन्हें यह अहसास होना चाहिए कि घर पर कोई उनका इंतजार कर रहा है।

एसएसपी ने कहा - हेलमेट-सीट बेल्ट जीवन रक्षक हैं- वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने कहा, सड़क दुर्घटनाओं में कमी के लिए केवल जुमार्ना नहीं, जन-जागरूकता भी जरूरी है। हेलमेट और सीट बेल्ट सिर्फ नियम नहीं, बल्कि जीवन रक्षक साधन हैं। सुरक्षित यात्रा से ही अपनों की खुशियां सुरक्षित रहेंगी।

सात बच्चों को निःशुल्क ऑपरेशन के लिए भेजा गया रांची

क्लेफ्ट लिप से पीड़ित हैं बच्चे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद । उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निदेर्शानुसार सदर अस्पताल में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के अंतर्गत आयोजित विशेष शिविर में क्लेफ्ट लिप से पीड़ित 7 बच्चों को सफल सर्जरी के लिए आज रांची भेजा गया। 5 महीने से 13 वर्ष तक की आयु के इन बच्चों को विशेष वाहन से रांची स्थित 'देव कमल अस्पताल' रवाना किया गया है। रांची रवाना होने से पहले बच्चों और उनके अभिभावकों को अल्पाहार दिया गया।

सिविल सर्जन डॉ आलोक विश्वकर्मा ने बताया कि उपायुक्त का मुख्य उद्देश्य इन बच्चों को जन्मजात विकृति से मुक्त कर एक सामान्य और आत्मविश्वास से भरा जीवन प्रदान करना है। इस क्रम में आज जामडीह टुंडी के एक 5 माह, मुकुंदा के 8 माह, बरमसिया के 13 माह, नेतवारी आंगनबाड़ी के 2 वर्ष, पुलिस लाइन व हरमाडीह के 9 वर्ष तथा बांसजोरा के 10 वर्षीय सहित सात बच्चों को रांची भेजा गया।

उन्होंने बताया कि निजी अस्पतालों में इस सर्जरी पर लाखों रुपये का खर्च आता है, जिसे जिला प्रशासन के सहयोग से पूरी तरह निःशुल्क कराया जा रहा है। बच्चों के साथ उनके अभिभावकों के अलावा आरबीएसके चिकित्सक और शिविर के नोडल पदाधिकारी भी रांची गए हैं, ताकि बच्चों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने बताया कि सभी बच्चों का हेल्थ कार्ड तैयार किया गया है और सर्जरी के बाद भी उनके स्वास्थ्य की लगातार निगरानी की जाएगी। बताया कि तकनीकी कारणों से इस बार यह ऑपरेशन सदर अस्पताल में संभव नहीं हो सका, किंतु अगले दो महीनों के भीतर सदर अस्पताल में ही क्लेफ्ट लिप सर्जरी की स्थायी व्यवस्था शुरू कर दी जाएगी।

मौके पर उपाधीक्षक डॉ संजीव कुमार प्रसाद, जिला आरसीएच पदाधिकारी डॉ रोहित गौतम, डीपीएम प्रतिमा कुमारी व अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

संरक्षा पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

61 कर्मचारियों को किया गया सम्मानित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। पूर्व मध्य रेलवे के धनबाद मंडल में संरक्षा पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया।

मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, धनबाद में आयोजित इस समारोह में मंडल रेल प्रबंधक अखिलेश मिश्र ने मंडल के 61 कर्मचारियों को संरक्षा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। यह पुरस्कार कर्मचारियों को अप्रैल 2026 एवं मई 2026 माह में उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य के लिए दिया गया।

सम्मानित होने वाले सभी कर्मचारियों ने धनबाद मंडल के विभिन्न खंडों में ड्यूटी के दौरान रेल फ्रै■र, हॉट एक्सल तथा अन्य संरक्षा संबंधी खामियों का समय रहते पता लगाया। कर्मचारियों की सजगता और तत्परता से रेल परिचालन में आने वाली बड़ी समस्याओं और संभावित दुर्घटनाओं / असामान्यताओं को टाला जा सका।

इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक अखिलेश मिश्र ने सभी पुरस्कृत कर्मचारियों के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि रेलवे में संरक्षा सर्वोपरि है और आप सभी की सजगता से ही सुरक्षित रेल परिचालन संभव हो पाता है। उन्होंने सभी कर्मचारियों से भविष्य में भी इसी निष्ठा के साथ कार्य करने का आ■ान किया।

समारोह में वरिष्ठ अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण भी उपस्थित थे।

अभ्यर्थियों का डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन संपन्न

धनबाद। सोमवार को होमगार्ड बहाली के अंतर्गत शहरी गैर तकनीकी धनबाद व चिरकुंडा से चयनित होमगार्ड अभ्यर्थियों का मेडिकल व डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन किया गया। इसकी जानकारी देते हुए उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने बताया कि आज शहरी गैर तकनीकी धनबाद व चिरकुंडा के अभ्यर्थियों का मेडिकल और डोक्युमेंट वेरिफिकेशन किया गया। उन्होंने बताया कि मंगलवार 25 अगस्त को शहरी गैर-तकनिकी धनबाद (मेधा सूची क्रमांक 01 से 100) के पुरुष अभ्यर्थी, 27 अगस्त को शहरी गैर तकनिकी (धनबाद) मेघा सूची क्रमांक 101 से 200 तक के पुरुष अभ्यर्थी, 29 अगस्त को शहरी तकनिकी (धनबाद) मेघा सूची क्रमांक 1 से 115 तक के पुरुष अभ्यर्थी, 31 अगस्त को शहरी तकनीकी (धनबाद) मेघा सूची क्रमांक 1 से 24 तक की महिला अभ्यर्थी एवं मेघा सूची क्रमांक 116 से 201 तक के पुरुष अभ्यर्थी का मेडिकल व डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन किया जाएगा। जबकि छुटे हुए अभ्यर्थियों को 01 सितंबर 2026 को मेडिकल व डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन कराने का अंतिम अवसर दिया जाएगा। उन्होंने सभी चयनित अभ्यर्थियों को किसी भी बिचौलिए के झांसे में नहीं आने का अनुरोध किया। यदि कोई भी बिचौलिया राशि लेकर उनका काम कराने का प्रलोभन देता है तो अभ्यर्थी सीधे होमगार्ड डीएसपी के मोबाइल नंबर 6299226344 पर संपर्क करें।

पूर्व मध्य रेल

ई–निविदा सूचना

सं. एस.जी. 664–12–संकेत–2026–27

भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्य हेतु ईः निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्रम सं० 1, कार्य का नाम : विवरण: धनबाद मंडल में DSTE/DHN, DSTE/KQR, ASTE/DHN और ASTE/GMO सेक्शन के लिए एस्पिरेशन–टाइप ऑटोमैटिक फायर डिटेक्शन और अलार्म सिस्टम (AFDAS) की व्यवस्था हेतु।, **2. कार्य का आकलित मुल्य:** रू 7,62,26,879.06 (लगभग), **3. कार्य का अग्रधन राशि:** रू 15,24,500.00, **4. निविदा बंद होने की तिथि एवं समय:** 08.09.2026 (12:30 बजे)।, **5.** ऐसी ईः निविदाओं के तहत डाक/कुरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नही किया जायेगा, भले ही यह फर्म के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई निविदा के ई निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : **http//www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्यः– प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की अंतिम तिथि से कम से कम दस दिन पहले वेबसाइट : **http//www.ireps.gov.in** का अवलोकन करे।

वरीय मंडल संकेत एवं दूर संचार अभियन्ता
पूर्व मध्य रेल, धनबाद

पीआर/0783/डीएचएन/एसएण्डटी/टी/26–27/36

सावन के अंतिम सोमवार को शिव मंदिरों में उमड़ी भीड़

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। सावन माह के अंतिम सोमवार को जिले भर के शिव मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। सुबह से ही शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के बाजारों में फल और पूजा सामग्री खरीदने के लिए लोगों की भीड़ देखी गई। भक्तों ने स्नान कर अपने नजदीकी शिव मंदिरों में मंत्रोच्चार के साथ पूजा की।

सावन के अंतिम सोमवार को लेकर भक्तों में विशेष उत्साह देखा गया। रविवार देर शाम बड़ी संख्या में श्रद्धालु देवघर जाने के लिए सुल्तानगंज रवाना हुए। वे सुल्तानगंज में गंगा स्नान कर जल लेकर 108 किलोमीटर पैदल चलकर देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ को जल अर्पित करेंगे।

सोमवार सुबह से ही कई भक्त शिवगादी, मोती झरना और कंचनगढ़ गुफा स्थित शिव मंदिरों की ओर प्रस्थान करते दिखे। कुछ श्रद्धालुओं ने प■म बंगाल के धूलियान और जंगीपुर से गंगाजल लाकर अपने नजदीकी शिवालयों में चढ़ाया।

शहर के शिव शीतला मंदिर, महाकाल मंदिर, रेलवे कॉलोनी मंदिर, दूधनाथ मंदिर, भगत पाड़ा शिव मंदिर, नगर थाना परिसर स्थित शिव मंदिर, ठाकुरबारी मंदिर, बूढ़ा शिव मंदिर, जटाधारी मंदिर, ततीपाड़ा और कलिकापुर स्थित शिव मंदिरों सहित सदर प्रखंड के कई शिवालयों में भक्तों की भारी भीड़ रही। सभी मंदिरों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था।

रुद्राभिषेक का भी हुआ आयोजन

हिरणपुर स्थित धरनी पहाड़ के शिव मंदिर में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। आदिम जनजाति के लोगों ने भी भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना की।

सावन के तीसरे सोमवार को मंदिरों में उमड़ी भीड़ के मद्देनजर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। शाम को शिव मंदिरों में संध्या आरती हुई और भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया।

सावन माह की अंतिम सोमवारी पर जिला मुख्यालय के माइनिंग कार्यालय परिसर स्थित शिव मंदिर में रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में भक्त मौजूद रहे। रुद्राभिषेक के बाद प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर जिला खनन पदाधिकारी राजेश कुमार, माइनिंग इंस्पेक्टर सुबोध कुमार, नवीन कुजुर सहित कई पत्थर व्यवसायी और प्रशासनिक पदाधिकारी उपस्थित थे।बताया गया कि परिसर में मौजूद शिव मंदिर को लेकर भक्तों के बीच काफी आस्था है और हर वर्ष सावन माह के सोमवारी और महाशिवरात्रि में मंदिर में विशेष पुजा अर्चना करवाया जाता है. वही सावन माह के अंतिम सोमवारी को लेकर मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था और कई तरह के विद्युत साज सज्जा किया गया था।

गांधीवादी चिंतक श्याम किशोर पांडेय का निधन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। नवादा जिले के सिंघना गांव निवासी श्याम किशोर पांडेय का मुंबई के एक निजी अस्पताल में रविवार की रात्रि निधन हो गया। वे करीब 80 वर्ष के थे। वे किशोरावस्था से लोकनायक जयप्रकाश नारायण की संस्था ग्राम निर्माण मंडल में सेवारत रहे। इसके साथ ही कई वर्षो तक खादी ग्रामोद्योग समिति गया जिला के मंत्री रहे। वे बड़े ही मृदुल स्वभाव के व्यक्ति थे। वे कई शिक्षण संस्थाओं द्वारा गांधी विचारक के रूप में सम्मानित किया गया। आज उनके निधन से खादी जगत में एक अपूरणीय क्षति हुई है। उनके निधन की खबर सुनते ही खादी जगत में सन्नाटा छा गया। उनके निधन पर संवेदना व्यक्त करने वालों में ग्राम निर्माण मंडल व प्रदेश गांधी निधि के अध्यक्ष प्रभाकर कुमार, प्रधानमंत्री अरविंद कुमार, खादी समिति के मंत्री सुनील कुमार, जेपी सेनानी सह जिला खादी समिति के पूर्व अध्यक्ष अजय कुमार श्रीवास्तव, गांधी विचारक गिरिजा सतीश सर्वोदय मंडल के अध्यक्ष चंद्रभूषण, खादी प्रेमी सहदेव प्रजापति, नागेंद्र पांडेय, दिलीप कुमार मंडल, डा. भारत भूषण, दिनेश मंडल, व्यवस्थापक अनिल कुमार सिंह, सहित कई अन्य मौजूद थे।

पूर्व रेलवे

ई–नीलामी सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, मालदा (नीलामी संचालन अधिकारी), मालदा टाउन ऑफिस बिल्डिंग, डाकघरः झलझलिया, जिला मालदा, पिनः732102 (पश्चिम बंगाल) द्वारा मालदा मंडल के तहत विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर विज्ञापन बोर्ड (आरडीएन–डिजिटल एवं नॉन डिजिटल), आईपीआईएस, स्लीपिंग पॉड्स, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट बैटरी ऑपरेटेड कार्ट, इमर्जेंसी मेडिकल रूम, सैलून, मोबाइल स्टोर, रिटेल स्टोर, ऑन डिमांड बेड रोल सर्विस के लिए ई–नीलामी आमंत्रित की जाती है, जिसके लिए ई–नीलामी कैटलॉग **www.ireps.gov.in** पर प्रकाशित किया गया है।

● **(क) ऑक्शन कैटलॉग नं. एडीवीटी–एमएलडीटी–08, नीलामी शुरू होने की तिथि और समय :** 31.08.2026 को 11.00 बजे।

मालदा मंडल के तहत भागलपुर (बीजीपी) रेलवे स्टेशन पर विज्ञापन (आरडीएन–नॉन–डिजिटल) क्रम सं., लॉट सं./कैटेगरी, स्टेशन निम्नानुसार हैं: (1) **एए/1, एडीवीटी–एमएलडीटी–बीजीपी–ओएसएन–236–26–1,** भागलपुर। (2) **एए/2, एडीवीटी–एमएलडीटी–बीजीपी–ओएसएन–234–26–1,** भागलपुर। (3) **एए/3, एडीवीटी–एमएलडीटी–बीजीपी–ओएसएन–233–26–1,** भागलपुर। (4) **एए/4, एडीवीटी–एमएलडीटी–बीजीपी–ओएसएन–232–26–1,** भागलपुर। (5) **एए/5, एडीवीटी–एमएलडीटी–बीजीपी–ओएसएन–237–26–1,** भागलपुर।

● **(ख) ऑक्शन कैटलॉग सं.: एमआईएससी–एमएलडीटी–23, नीलामी शुरू होने की तिथि और समयः** 07.09.2026 को 11.00 बजे।

मालदा मंडल के तहत एमआईएससी–स्टैटिक कैटेगरी की परिसंपत्तियाँ

क्रम सं., लॉट सं., कैटेगरी और स्टेशन निम्नानुसार हैं: (1) **एए/1, एमएसएस–एमएलडीटी–जेएमपी–एसएलपॉड–98–26–2,** स्लीपिंग पॉड, जमालपुर। (2) **एबी/1, एमएसएस–एमएलडीटी–एमएलडीटी–डब्ल्यूएसटीएमजीटी–89–26–1,** सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, मालदा टाउन। (3) **एसी/1, एमएसएस–एमएलडीटी–एनएफके–बीसीए–88–26–1,** बैटरी ऑपरेटेड कार्ट, न्यू फरक्का। (4) **एडी/1, एमएसएस–एमएलडीटी–एमएलडीटी–एमडीईएसटीएन–82–26–1,** इमर्जेंसी मेडिकल रूम, मालदा टाउन। (5) **एई/1, एमएसएस–एमएलडीटी–केटीजे–एसएस–59–25–1,** सैलून कियोस्क, खालतीपुर। (6) **एएफ/1, एमएसएस–एमएलडीटी–केटीजे–मोबस्टोर–58–25–1,** मोबाइल और एक्सेसरीज कियोस्क, खालतीपुर। (7) **एजी/1, एमएसएस–एमएलडीटी–एमएलडीटी–एसटीजीईएन–76–26–2,** रिटेल स्टोर, मालदा टाउन।

● **(ग) ऑक्शन कैटलॉग नं.: एमआईएससी–एमओबी–एमएलडीटी–2, नीलामी शुरू होने की तिथि और समयः** 07.09.2026 को 11.00 बजे।

मालदा मंडल के तहत मालदा टाउन स्टेशन में ऑन डिमांड बेड रोल सर्विस

क्रम सं.: एए/1, लॉट नं.: एमएमएस–मोबजेन–287447–1–26–1, कैटेगरीः ऑन डिमांड बेड रोल सर्विस, **स्टेशनः** मालदा टाउन।

● **(घ) ऑक्शन कैटलॉग नं.: एडीवीटी–एमएलडीटी–23, नीलामी शुरू होने की तिथि और समय** : 07.09.2026 को 11.00 बजे।

मालदा टाउन में विज्ञापन (आरडीएन–डिजिटल एवं नॉन–डिजिटल, आईपीआईएस)

क्रम सं., लॉट सं./कैटेगरी, स्टेशन निम्नानुसार हैं: **एए/1, एडीवीटी–एमएलडीटी–एमएलडीटी–ओएसडी–226–26–1,** मालदा टाउन। **एबी/1, एडीवीटी–एमएलडीटी–एसबीजी–ओएसएन–238–26–2,** साहिबगंज। **एबी/2, एडीवीटी–एमएलडीटी–एमएलडीटी–ओएसएन–194–23–1,** मालदा टाउन।

प्रत्याशित बोलीदाताओं से अनुरोध है कि विस्तृत जानकारी के लिए आईआरईपीएस ई–ऑक्शन मॉड्यूल देखें।

MLD-172/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना संख्या : ईएल/एचडब्ल्यूएच/25/21 (सूचना)/775, दिनांक 21.08.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, नई डीआरएम बिल्डिंग, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा–711101 द्वारा निम्नलिखित विद्युत कार्य के लिए ओपन ई–टेंडर आमंत्रित किए जाते हैं : **क्रम संख्या 1, टेंडर नंबरः ईएल–एचडब्ल्यूएच–25–21–3376–आर, काम का नाम :** हरिणसिंह से संबंधित विद्युत (सामान्य) कार्य – लाइन नंबर 2 (मेन लाइन) की सीएएल/सीएसआर बढ़ाने के लिए दुमका छोर पर एक्स–ओवर पॉइंट नंबर 53ए/बी का स्थानांतरण एवं एक्स–ओवर पॉइंट नंबर 54ए/बी के आगे पुनःस्थापित करना। **टेंडर का मूल्य :** रु. 7,98,473/–, **बोली सुरक्षा (बयाना राशि):** रु. 16,000/–, **पूरा होने की अवधिः** 180 दिन । **क्रम संख्या 2, टेंडर नंबरः ईएल–एचडब्ल्यूएच–25–21–3369–आर3, काम का नाम :** 1) एईएन/बैण्डेल के अंतर्गत बैण्डेल (03 अदद), मेमारी (01 अदद) तथा बैंची (01 अदद) में 50000 गैलन क्षमता के आरसीसी ओ.एच. टैंक द्वारा स्टील ओ.एच. टैंक को बदलने के साथ–साथ पाइपलाइन तथा अन्य सहायक कार्य के संबंध में विद्युत (सामान्य) कार्य। 2) एईएन/बर्द्धमान के अंतर्गत बर्द्धमान (04 अदद) में 50000 गैलन क्षमता के आरसीसी ओ.एच. टैंक द्वारा स्टील ओ.एच. टैंक को बदलने के साथ–साथ पाइपलाइन तथा अन्य सहायक कार्य के संबंध में विद्युत (सामान्य) कार्य। 3) डीईएन/1/हावड़ा के अंतर्गत लिलुआ (02 अदद), सेवड़ाफुली (01 अदद) तथा तारकेश्वर (01 अदद) में 50000 गैलन क्षमता के आरसीसी ओ.एच. टैंक द्वारा स्टील ओ.एच. टैंक को बदलने के साथ–साथ पाइपलाइन तथा अन्य सहायक कार्य के संबंध में विद्युत (सामान्य) कार्य। **टेंडर का मूल्य :** रु. 30,65,655/–, **बोली सुरक्षा (बयाना राशि):** रु. 61,300/–, **पूरा होने की अवधिः** 180 दिन। **क्रम संख्या 3, टेंडर नंबरः ईएल–एचडब्ल्यूएच–25–21–3680, काम का नाम :** हावड़ा मंडल के अलग–अलग स्टेशनों के लिए 69 एटीवीएम और 67 एसएमसी टर्मिनल के क्रय के संबंध में विद्युत (सामान्य) कार्य। **टेंडर का मूल्य :** रु. 19,28,537/–, **बोली सुरक्षा (बयाना राशि):** रु. 38,600/–, **पूरा होने की अवधिः** 180 दिन। **क्रम संख्या 4, टेंडर नंबरः ईएल–एचडब्ल्यूएच–25–21–3671 , काम का नाम :** हावड़ा स्टेशन में अतिरिक्त सीसीटीवी की स्थापना के संबंध में विद्युत (सामान्य) कार्य। **टेंडर का मूल्य :** रु. 26,50,181/–, **बोली सुरक्षा (बयाना राशि):** रु. 53,000/–, **पूरा होने की अवधिः** 180 दिन। **क्रम संख्या 5, टेंडर नंबरः ईएल–एचडब्ल्यूएच–25–21–3300–आर3, काम का नाम :** "एईएन/बर्द्धमान के अधीन खाना और शक्तिगढ़ स्टेशन पर स्टैंडबाय बोरिंग के साथ क्लोरिनेशन प्लांट सहित कामनारा, खेतिया, चामारदिघी, कर्जना ग्राम, आमारुन में गहरे ट्यूबवेल (200 मिमी X 150 मिमी) के प्रावधान के कार्य के संबंध में पंप–मोटर सेट की स्थापना। **टेंडर का मूल्य :** रु. 24,88,991/–, **बोली सुरक्षा (बयाना राशि):** रु. 49,800/–, **पूरा होने की अवधिः** 180 दिन। **क्रम संख्या 6, टेंडर नंबरः ईएल–एचडब्ल्यूएच–25–21–3681, काम का नाम :** एईएन/आजिमगंज के अधिकार क्षेत्र के तहत मियांग्राम, बाजारसौ, काजीपाड़ा, चौरीगाछा, कांठालिया रोड, कर्णसुबर्ण, जीबंती, खागड़ाघाट रोड, नियालिश पाड़ा, लालबाग कोर्ट रोड, डाहापाड़ा धाम, आजिमगंज जंक्शन, आजिमगंज सिटी, गोसाईंग्राम, बराला, सागरदिघी, मोरग्राम, लोहापुर और तकीपुर स्टेशनों पर दिव्यांगजन सुविधाओं के प्रावधान के संबंध में विद्युत (सामान्य) कार्य । **टेंडर का मूल्य :** रु. 31,25,639/–, **बोली सुरक्षा (बयाना राशि):** रु. 62,500/–, **पूरा होने की अवधिः** 180 दिन। **समापन तिथि एवं समयः** दिनांक 10.09.2026 को 15.00 बजे क्रम सं. 1 से 6 के लिए। यदि किसी कारणवश उपर्युक्त समापन तिथि को अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा जमा करने की तिथि में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा, क्योंकि आईआरईपीएस वेबसाइट पर समापन तिथि और समय के बाद कोई निविदा जमा नहीं की जा सकती। हालांकि, निविदाओं का ऑनलाइन उद्घाटन समापन तिथि के बाद किसी भी सुविधाजनक दिन किया जा सकता है। निविदा का पूर्ण विवरण वेबसाइट **www.ireps. gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध है कि उपरोक्त वेबसाइट पर अपनी निविदा ऑनलाइन प्रस्तुत करें।

HWH-295/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @ easternrailwayheadquarter

जनसुनवाई में 14 परिवादों का ऑन द स्पॉट निष्पादन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। बिहार सरकार के सात निश्चय-3 के सातवें निश्चय "सबका सम्मान-जीवन आसान" का मुख्य उद्देश्य राज्य के सभी नागरिकों के दैनिक जीवन में आने वाली कठिनाइयों को कम कर उनके जीवन को अधिक सरल, सहज एवं सम्मानजनक बनाना है। इस निश्चय के अंतर्गत आमजनों को सरकारी कार्यालयों से संबंधित कार्यों के निष्पादन में किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े, इसके लिए प्रत्येक सप्ताह सोमवार एवं शुक्रवार को जिले के सभी सरकारी कार्यालयों में जनसुनवाई आयोजित किए जाने की व्यवस्था की गई है। जिलाधिकारी रवि प्रकाश के निर्देश के आलोक में जिला स्तर पर जनसुनवाई का आयोजन अपर समाहर्ता, नवादा मनोज कुमार की अध्यक्षता में किया गया। जनसुनवाई के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए आमजनों द्वारा कुल 14 शिकायतें दर्ज कराई गईं। अपर समाहर्ता द्वारा परिवादियों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए कई मामलों का ऑन द स्पॉट निष्पादन किया गया, जबकि शेष मामलों को संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को जांचोपरांत आवश्यक कार्रवाई हेतु अग्रसारित किया गया। जनसुनवाई के दौरान थाना वारिसलीगंज, ग्राम हैवतपुर के सुनील रविदास द्वारा नाली निर्माण, थाना कौआकोल, ग्राम जोगाचक के जयप्रकाश यादव द्वारा ट्रांसफार्मर स्थापित करने, थाना रोह, ग्राम मरुई टोला के अर्जुन यादव द्वारा भूमि विवाद तथा थाना मुफस्सिल, ग्राम माधो बिगहा की माधुरी देवी द्वारा जमीन की राशि के भुगतान से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किया गया। इसके अतिरिक्त अन्य परिवादियों द्वारा भी विभिन्न प्रकार की शिकायतें एवं समस्याएं प्रस्तुत की गईं। अपर समाहर्ता द्वारा संबंधित पदाधिकारियों को प्राप्त सभी मामलों का समयबद्ध, पारदर्शी एवं नियमानुसार निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

मुख्यमंत्री ने की 'बिहार विद्या साथी' इंटरैक्टिव लर्निंग प्लेटफॉर्म की शुरूआत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आज लोक सेवक आवास स्थित 'संकल्प' सभागार से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य के 38 जिलों के 700 सरस्वती विद्या निकेतन मॉडल विद्यालयों में 24x7, 1:1 इंटरैक्टिव लर्निंग प्लेटफॉर्म 'बिहार विद्या साथी' का शुभारंभ किया। उक्त कार्यक्रम का लाइव प्रसारण समाहरणालय सभाकक्ष, नवादा में प्रभारी जिला पदाधिकारी नीलिमा साहू, जिला स्तरीय पदाधिकारियों एवं प्रोजेक्ट कन्या इंटर स्कूल की छात्राओं की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 'बिहार विद्या साथी' के माध्यम से बच्चों की पढ़ाई और अधिक आसान एवं सुगम होगी। विद्यार्थियों के लिए 24x7 ऑनलाइन शिक्षक उपलब्ध रहेंगे। कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों को निःशुल्क लाइव शिक्षा के साथ अपनी पसंद के शिक्षक से पढ़ने की सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस पहल से राज्य के 700 मॉडल विद्यालयों में अध्ययनरत करीब 3 लाख विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। 24x7 वन-टू-वन लाइव ट्यूटर सपोर्ट के लिए करीब 75 हजार शिक्षक उपलब्ध रहेंगे। पढ़ाई के दौरान पाठ से संबंधित किसी भी समस्या का निःशुल्क एवं त्वरित समाधान, अनलिमिटेड पढ़ाई तथा AI टूल्स के माध्यम से कॉन्सेप्ट लर्निंग की सुविधा भी विद्यार्थियों को मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'बिहार विद्या साथी' के माध्यम से बिहार बोर्ड की पढ़ाई के साथ-साथ विद्यार्थियों को जेईई एवं नीट की तैयारी तथा एआई आधारित डिजिटल अध्ययन सामग्री की सुविधा भी उपलब्ध होगी। इससे विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं बेहतर शैक्षणिक संसाधनों तक सहज पहुंच सुनिश्चित होगी। समाहरणालय सभाकक्ष में उपस्थित छात्राओं को संबोधित करते हुए प्रभारी जिला पदाधिकारी नीलिमा साहू ने कहा कि सरकार द्वारा शुरू की गई इस महत्वपूर्ण पहल का सभी विद्यार्थी भरपूर लाभ उठाएं। उन्होंने छात्राओं को 'बिहार विद्या साथी' के माध्यम से उपलब्ध शैक्षणिक सुविधाओं का नियमित उपयोग करते हुए अपनी पढ़ाई को और बेहतर बनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर जिला स्तरीय पदाधिकारी, संबंधित विभागों के पदाधिकारी, शिक्षकगण एवं प्रोजेक्ट कन्या इंटर स्कूल की छात्राएं उपस्थित थी।

एक नजर

पीओएसबी खाता खोलो अभियान में दक्षिण अनुमंडल का जलवा, शीर्ष तीन पर नवादा और राजौली के एसपीएम

नवादा। डाक विभाग द्वारा दिनांक 17 से 22 अगस्त 2026 तक चलाए गए विशेष पीओएसबी अकाउंट ओपेनिंग ड्राइव में दक्षिण अनुमंडल ने शानदार प्रदर्शन किया है। वित्तीय समावेशन को घर-घर तक पहुँचाने के उद्देश्य से चलाए गए इस अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले टॉपर राजेश्वर कुमार समेत टॉप -3 रैन्कर्स को विभाग की ओर से सम्मानित किया गया है। इस अभियान में सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों की सूची में प्रथम स्थान पर राजेश्वर कुमार एसपीएम पार नवादा एसओ, दक्षिण अनुमंडल कुल 1183 पीओएसबी खाते खोलकर इन्होंने पूरे ड्राइव में पहला स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर संतोष कुमार एसपीएम, राजौली एसओ, दक्षिण अनुमंडल 1060 खाते खोलकर इन्होंने दूसरा स्थान हासिल किया एवं तृतीय स्थान पर राजेश कुमार एसपीएम, नेमदारगंज एसओ, दक्षिण अनुमंडल 915 खाते खोलकर रहे। विभागीय अधिकारियों ने तीनों विजेताओं को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि "आपकी मेहनत, हमारी पहचान है।" उन्होंने कहा कि इन कर्मचारियों ने जिस जोश और समर्पण के साथ काम किया है, वह अन्य सभी के लिए प्रेरणास्रोत है।

राज आर्यन को मॉडर्न शैक्षणिक समूह के चेयरमैन डॉ अनुज सिंह ने किया सम्मानित

नवादा/पटना। नवादा जिले के नेशनल बैडमिंटन खिलाड़ी राज आर्यन ने राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी मजबूत पहचान बनाई है। हाल ही में पटना में आयोजित सीनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट में उन्होंने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। बिहार बैडमिंटन एसोसिएशन के तत्वावधान में 5 से 9 अगस्त 2026 के बीच पटना में आयोजित इस प्रतियोगिता के मेंस डबल्स वर्ग में राज आर्यन और अमृत की जोड़ी ने शानदार जीत दर्ज कर बिहार विजेता का खिताब अपने नाम किया। इससे पूर्व भी राज आर्यन ईस्ट जोन नेशनल बैडमिंटन टूर्नामेंट सहित कई अन्य प्रतिस्पर्धाओं में पदक व ट्रॉफियां जीतकर बिहार और नवादा जिले का नाम देश भर में रोशन कर चुके हैं। उनकी इस उपलब्धि पर मॉडर्न इंग्लिश स्कूल के निदेशक अनुज सिंह ने उन्हें अपने स्तर से हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया है। साथ ही, उन्होंने राज आर्यन के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उम्मीद जताई कि वह आने वाले समय में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ओलंपिक पदक जीतकर नवादा का गौरव बढ़ाएंगे।

'विद्यार्थी सहयोग शिविर' आज

नवादा। जिलाधिकारी रवि प्रकाश के निर्देशानुसार दिनांक 25 अगस्त 2026, मंगलवार को नवादा जिले के सभी राजकीय एवं अंगीभूत शिक्षण संस्थानों एवं छात्रावासों में 'विद्यार्थी सहयोग शिविर' का आयोजन किया जाएगा। विद्यार्थी सहयोग शिविर के माध्यम से विद्यार्थियों की शिक्षा एवं छात्रहित से संबंधित विभिन्न समस्याओं, शिकायतों एवं आवश्यकताओं को प्राप्त कर उनके नियमानुसार एवं समयबद्ध समाधान की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को अपनी समस्याओं के समाधान हेतु उनके शिक्षण संस्थान एवं छात्रावास स्तर पर ही आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराना है। शिविर में विद्यार्थियों को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न विद्यार्थी हितकारी योजनाओं, छात्रवृत्ति, प्रमाण-पत्र, शैक्षणिक सुविधाओं एवं अन्य आवश्यक सेवाओं से संबंधित जानकारी भी उपलब्ध कराई जाएगी। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों, शिक्षण संस्थानों के प्रधानाचार्य/प्रभारी पदाधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देश दिया है कि वे शिविर का सुव्यवस्थित आयोजन सुनिश्चित करें तथा विद्यार्थियों की समस्याओं को संवेदनशीलता, पारदर्शिता एवं जवाबदेही के साथ सुनते हुए उनके समाधान की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करें। जिला प्रशासन द्वारा विद्यार्थियों से अपील की गई है कि वे कल आयोजित होने वाले 'विद्यार्थी सहयोग शिविर' में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर अपनी शिक्षा एवं छात्रहित से संबंधित समस्याओं एवं शिकायतों को संबंधित पदाधिकारियों के समक्ष रखें।

सावन की अंतिम सोमवारी पर शिवालयों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कौआकोल। सावन की चौथी एवं अंतिम सोमवारी के अवसर पर प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही शिव मंदिरों में भक्तों का तांता लगा रहा। श्रद्धालुओं ने व्रत रखकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया और बेलपत्र, फूल आदि अर्पित कर सुख-समृद्धि की कामना की। प्रखंड के रानीबाजार स्थित शिव पर्वत मंदिर में सैकड़ों शिवभक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया। इस अवसर पर शिव-पार्वती मंदिर कमिटी की ओर से श्रद्धालुओं के बीच खीर का महाप्रसाद वितरित किया गया। कमिटी के अध्यक्ष अंकित सिंह के नेतृत्व में सदस्य बिपिन चौरसिया, संजीव साव, शैलेन्द्र कुमार, सिंटू चौरसिया सहित अन्य सदस्यों ने व्यवस्था में सहयोग किया। वहीं महादेव मठ भोरमबाग, एकदण्ड महादेव सोखोदेवरा, बम्बेश्वरनाथ मंदिर सहित प्रखंड के अन्य प्रमुख शिवालयों में भी श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर जलाभिषेक किया। सोमवारी को लेकर मंदिरों की विशेष साफ-सफाई के साथ आकर्षक साज-सज्जा भी की गई थी। मंदिर परिसर में पूरे दिन भक्ति एवं उत्साह का माहौल बना रहा।

मामलों के निपटारे को लेकर बीपीआरओ ने की न्याय सचिवों एवं न्यायमित्रों के साथ बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कौआकोल। प्रखण्ड पंचायती राज पदाधिकारी शमा बानो ने सोमवार को अपने कार्यालय कक्ष में ग्राम कचहरी के सभी न्याय सचिवों एवं न्यायमित्रों के साथ बैठक की। बैठक में ग्राम कचहरी के माध्यम से संचालित न्यायिक कार्यों की समीक्षा करने के साथ-साथ आगामी लोक अदालत में निपटाए जाने वाले मामलों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान न्याय सचिवों एवं न्यायमित्रों से ग्राम कचहरी में लंबित मामलों की जानकारी ली गई तथा लोक अदालत के माध्यम से अधिक से अधिक मामलों का आपसी सहमति एवं सुलह-समझौते के आधार पर निष्पादन कराने पर जोर दिया गया। संबंधित मामलों के पक्षकारों को लोक अदालत के लाभ एवं प्रक्रिया की जानकारी देने को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। प्रखण्ड पंचायती राज पदाधिकारी शमा बानो ने कहा कि लोक अदालत के माध्यम से छोटे-छोटे विवादों का त्वरित एवं सरल तरीके से समाधान संभव है। इससे लोगों को अनावश्यक रूप से न्यायालय का चक्कर लगाने से राहत मिलती है और आपसी सौहार्द भी कायम रहता है। बैठक में ग्राम कचहरियों के नियमित संचालन, लंबित मामलों के निष्पादन, अभिलेखों के संधारण, न्यायिक कार्यों में पारदर्शिता तथा आम लोगों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने सहित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर भी चर्चा की गई। उन्होंने सभी न्याय सचिवों एवं न्यायमित्रों को अपने-अपने दायित्वों का बेहतर तरीके से निर्वहन करने तथा ग्राम कचहरी से संबंधित कार्यों को समय पर पूरा करने का निर्देश दिया।

मेंहदी प्रतियोगिता में बच्चों ने अपने-अपने हाथों में उकेरी कलाकृतियां

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। प्रखंड के कुम्हरावां गांव स्थित रेड रोज पब्लिक स्कूल के प्रांगण में मेहदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्कूली बच्चों ने अपने अपने हाथों में तरह तरह के आकर्षक तस्वीर बनाया, जिसे देखकर निर्णायक मंडल भी मंत्रमुग्ध हो गए। यूं कहिए तो बच्चों ने मेंहदी प्रतियोगिता के माध्यम से अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा लिया। प्रतियोगिता में 20 से अधिक प्रतिभागी लड़कियों ने हिस्सा लिया। सभी विजयी प्रतिभागियों को समारोह आयोजित कर पुरस्कृत किया जाएगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि अविनाश निराला ने बताया कि पढ़ाई के साथ-साथ सामाजिक, सांस्कृतिक व पारिवारिक ज्ञान बच्चों को देना जरूरी ही नहीं अनिवार्य है। इसी क्रम में मेहंदी प्रतियोगिता बच्चों के कौशल विकास के लिए एक अहम और महत्वपूर्ण कदम है। इस मौके पर विद्यालय के प्राचार्य निवोदिता सिन्हा, रजनीश कुमार, अनीता देवी, प्रताप कुमार, पिंटू कुमार, रवि कुमार सिंह, विकास कुमार, लक्ष्मी कुमारी, शायमा खातून, रेहाना खातून, संजना भारती, नंदनी कुमारी आदि उपस्थित थे।

नालंदा

भोभी में पांच एकड़ जमीन पर डिग्री कॉलेज बनाने की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नगरनौसा। नगरनौसा प्रखंड में डिग्री कॉलेज के स्थायी भवन निर्माण को लेकर भोभी गांव के ग्रामीणों एवं क्षेत्रवासियों ने मुख्यमंत्री सम्राट चैधरी को आवेदन भेजा है। आवेदन के माध्यम से भोभी में उपलब्ध करीब पांच एकड़ भूमि पर नगरनौसा डिग्री कॉलेज का स्थायी भवन बनाने की मांग की गई है।ग्रामीणों ने बताया कि भोभी में कॉलेज निर्माण के लिए उपलब्ध भूमि का नगरनौसा अंचलाधिकारी द्वारा स्थल निरीक्षण किया जा चुका है। सरकारी स्तर पर भूमि का सत्यापन कर उसकी उपयोगिता से संबंधित रिपोर्ट भी वरीय अधिकारियों को भेजी गई है। ग्रामीणों का कहना है कि उपलब्ध पांच एकड़ भूमि कॉलेज के स्थायी भवन निर्माण के लिए उपयुक्त है। ग्रामीणों के अनुसार, भोभी में डिग्री कॉलेज बनने से नगरनौसा प्रखंड की पांच पंचायतों के अलावा हिलसा प्रखंड की चार, थरथरी की दो तथा करायपरसुराय प्रखंड की एक पंचायत के हजारों छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा का लाभ मिलेगा। भोभी की भौगोलिक स्थिति और बेहतर सड़क संपर्क को भी ग्रामीणों ने कॉलेज निर्माण के पक्ष में महत्वपूर्ण बताया है। यह क्षेत्र पटना-बिहारशरीफ, पटना-हिलसा तथा नूरसराय-हिलसा मुख्य मार्ग से जुड़ा हुआ है।ग्रामीणों ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में डिग्री कॉलेज खुलने से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए दूर-दराज के शहरों में जाने की मजबूरी कम होगी। इससे शिक्षा के साथ रोजगार, सामाजिक जागरूकता और क्षेत्र के समग्र विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री से संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देकर भूमि का स्थल निरीक्षण एवं अन्य प्रक्रियाएं पूरी कर भोभी में कॉलेज के स्थायी भवन निर्माण की कार्रवाई शीघ्र शुरू कराने की मांग की है।

फलाहारी कांवरियों के बीच समाजसेवियों ने बांटे फल, रातभर की सेवा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। सावन माह की अंतिम सोमवारी के पूर्व रविवार को नालंदा के समाजसेवियों ने कांवरियों की सेवा कर मिसाल कायम की। बांका जिले के कटोरिया में निःशुल्क नालंदा जिला कांवरिया सेवा शिविर के माध्यम से सुल्तानगंज से जल लेकर पैदल देवघर जा रहे कांवरियों और डाक बम की सेवा की गई। शाम होते ही शिविर में कांवरियों को चाय, पानी, छोला, पूड़ी-बुंदिया सहित भोजन कराया गया। फलाहार करने वाले श्रद्धालुओं के बीच केला, सेब और अनार सहित विभिन्न फल वितरित किए गए। इसके अलावा ड्राई फ्रूट, एनर्जी ड्रिंक और अन्य जरूरी सामग्री भी उपलब्ध कराई गई। थकान से परेशान कांवरियों के पैरों में दर्द निवारक स्प्रे लगाने के साथ समाजसेवियों ने हाथ-पैर दबाकर राहत पहुंचाई। सिर पर शीतल तेल से मसाज भी किया गया। चलने में असमर्थ कांवरियों को कंधे का सहारा देकर दो से तीन किलोमीटर तक आगे पहुंचाया गया। परविंदर इंटरप्राइजेज के निदेशक सह समाजसेवी अरविंद कुमार सिन्हा ने कहा कि कांवरियों की सेवा उनके लिए सामाजिक जिम्मेदारी के साथ भगवान भोलेनाथ की भक्ति का भी एक रूप है। समाजसेवी प्रदीप कुमार और गुड़िया देवी ने कहा कि शिवभक्तों की यात्रा आसान बनाना और उनके चेहरे पर मुस्कान लाना ही सेवा का उद्देश्य है। मौके पर पल्लवी कुमारी, सौरभ कुमार, विजय प्रसाद, अमृता कुमारी, नीरज सिंह, सुनीता देवी, चिक्कू सिंह, कमलेश प्रसाद, पीयूष आनंद,मंटू कुमार, बिकास कुमार, लवकुश, टिंकू कुमार, गुरमीत पासवान, रविरंजन, पिंटू कुमार,बखोरी, लल्लू, दुर्गेश कुमार सहित अन्य मौजूद रहे।

न स्टैंड मिला, न चार्जिंग प्वाइंट, फिर भी टोटो-टेंपो से रोजाना वसूली

बिहारशरीफ। शहर में टोटो-टेंपो की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन चालकों के लिए स्थायी पार्किंग स्टैंड और चार्जिंग प्वाइंट की व्यवस्था अब तक पूरी नहीं हो सकी है। शहर में पांच हजार से अधिक टोटो-टेंपो के संचालन का दावा किया जा रहा है। चालकों का आरोप है कि पर्याप्त स्टैंड की सुविधा नहीं मिलने के बावजूद उनसे प्रतिदिन 10 से 15 रुपये तक पार्किंग शुल्क वसूला जाता है। मजबूरी में चालक सड़क किनारे वाहन खड़ा करते हैं, जिससे प्रमुख चौक-चौराहों पर जाम की समस्या बढ़ रही है।सोहसराय, कारगिल चैक, देवीसराय, रामचंद्रपुर बस स्टैंड, अंबेर चैक और खंदकपर समेत कई स्थानों पर टोटो-टेंपो स्टैंड और चार्जिंग प्वाइंट विकसित करने की योजना बनी थी। जमीन चिह्नित करने की बात भी सामने आई थी, लेकिन वर्षों बाद भी योजना धरातल पर नहीं उतर सकी।अस्पताल मोड़, देवीसराय सहित कई व्यस्त इलाकों में सड़क किनारे टोटो की कतार लगी रहती है। चालक रमेश कुमार, अवधेश कुमार, मोहम्मद फिरोज, जहांगीर आलम और अमन कुमार ने बताया कि स्टैंड नहीं होने के कारण सड़क किनारे वाहन खड़ा करना मजबूरी है। उनका कहना है कि जब पार्किंग की व्यवस्थित सुविधा नहीं है तो शुल्क किस सुविधा के एवज में लिया जा रहा है, यह समझ से परे है।नगर निगम की ओर से अतिक्रमण हटाने और जुर्माना वसूली की कार्रवाई की जाती है, लेकिन स्थायी व्यवस्था नहीं होने से समस्या दोबारा उत्पन्न हो जाती है। वहीं, चार्जिंग प्वाइंट नहीं होने के कारण चालक निजी स्थानों या सड़क किनारे वाहन चार्ज करने को मजबूर हैं।नगर आयुक्त कृत्यानंद रंजन ने कहा कि स्टैंड और चार्जिंग प्वाइंट की पूर्व योजना की जांच कराई जाएगी। साथ ही टोटो-टेंपो के लिए व्यवस्थित व्यवस्था विकसित करने का प्रयास किया जाएगा।

नालंदा विश्वविद्यालय में मानवाधिकार शिक्षा और संस्थागत सर्वोत्तम प्रथाओं पर संवाद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

राजगीर। नालंदा विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के स्पेशल मॉनिटर प्रोफेसर कन्हैया त्रिपाठी के आधिकारिक दौरे के दौरान मानवाधिकार शिक्षा, संस्थागत कार्यप्रणाली और समुदाय से विश्वविद्यालय के जुड़ाव को लेकर विस्तृत संवाद हुआ। विश्वविद्यालय पहुंचने पर कुलसचिव ने उनका स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने संकायाध्यक्षों, शिक्षकों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, सतत विकास की पहल, सहभागिता कार्यक्रम तथा विभिन्न देशों से आए विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध शिकायत निवारण व्यवस्था की जानकारी दी गई। विश्वविद्यालय की ओर से अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिए समावेशी, सुरक्षित और संवेदनशील वातावरण विकसित करने के प्रयासों को भी साझा किया गया। प्रोफेसर त्रिपाठी ने विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली, अंतरराष्ट्रीय स्वरूप और विद्यार्थियों की सुरक्षा, समानता एवं कल्याण के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि मानवाधिकार शिक्षा के क्षेत्र में नालंदा विश्वविद्यालय संस्थागत अच्छी कार्यप्रणालियों को साझा करने के लिए मॉडल की भूमिका निभा सकता है। उन्होंने विश्वविद्यालय में 'ह्यूमन राइट्स क्लब' शुरू करने तथा मानवाधिकार साक्षरता पर नियमित कार्यशालाएं और संगोष्ठियां आयोजित करने का सुझाव दिया। जेंडर इक्विटी, साइबर सुरक्षा एवं निजता, साइबर अपराध, डिजिटल अरेस्ट, जलवायु परिवर्तन और जल के अधिकार जैसे विषयों पर विशेष कार्यक्रम आयोजित करने पर भी जोर दिया।संवाद में मानवाधिकार विषय पर शोध पत्रिका शुरू करने, विशेष कार्यशाला आयोजित करने तथा मानवाधिकार एवं समावेशन के क्षेत्र में योगदान के लिए तीन नए पुरस्कार शुरू करने के प्रस्तावों पर भी चर्चा हुई।

ब्रिलिएंट ग्रुप में नशा मुक्ति अभियान के तहत दिलाई गई शपथ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। स्थानीय भैंसासुर स्थित ब्रिलिएंट ग्रुप के विशाल सभागार में ब्रह्माकुमारीज बिहारशरीफ क्षेत्र के तत्वावधान में नशा मुक्ति अभियान के तहत प्रतिज्ञा शपथ कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने नशामुक्त समाज और विकसित भारत के निर्माण का संकल्प लिया।कार्यशाला में ब्रह्माकुमारीज पूनम दीदी के तत्वावधान में ब्रह्माकुमारी ज्योतिका दीदी, रिमझिम दीदी, राकेश भैया एवं रंजीत भैया ने विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने तथा समाज में जागरूकता फैलाने की शपथ दिलाई।मुख्य वक्ता ब्रह्माकुमारी ज्योतिका दीदी ने कहा कि नशे की समस्या से मुक्ति के लिए केवल बाहरी उपचार ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि आंतरिक आत्मबल और राजयोग के माध्यम से मन को मजबूत करना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि नशा केवल शारीरिक आदत नहीं, बल्कि मन की बेचैनी, खालीपन और आत्मिक कमजोरी का भी लक्षण है। उन्होंने मूल्य आधारित जीवनशैली अपनाने, नशे से दूरी रखने, शारीरिक ऊर्जा का सदुपयोग करने और विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। प्राचार्या डॉ. पुष्प लता विद्यार्थी ने कहा कि नशा व्यक्ति के साथ-साथ पूरे परिवार, समाज और देश को प्रभावित करता है। उन्होंने कहा, आओ मिलकर अलख जगाएं, इस धरती को नशामुक्त बनाएं।वरिष्ठ शिक्षक रंजय सिंह ने कहा कि नशा शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बर्बाद कर देता है। शिक्षक पवन कुमार ने योग, खेलकूद और सकारात्मक गतिविधियों को नशे से दूर रहने का प्रभावी माध्यम बताया। इस अवसर पर विजय कुमार, किशोर कुमार पांडेय, राजकुमार सिंह, नाजिम राजा, सतीश कुमार पांडेय, नाजिया खान सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रही।

अनियंत्रित ऑटो ने बाइक में मारी टक्कर, युवक जख्मी

इस्लामपुर। खुदागंज-राजगीर मुख्य सड़क मार्ग पर खुदागंज थाना क्षेत्र के सैफाबाद गांव के समीप सोमवार को ऑटो और बाइक की सीधी टक्कर में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को इलाज के लिए सरबहदा स्थित निजी चिकित्सक के यहां ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी चिंताजनक स्थिति को देखते हुए चिकित्सक ने बेहतर इलाज के लिए गया रेफर कर दिया।घायल युवक की पहचान गया जिले के खिजरसराय थाना क्षेत्र के खैरा गांव निवासी अकलु प्रसाद के पुत्र बिट्टू कुमार के रूप में हुई है। बताया जाता है कि बिट्टू कुमार बाइक से राजगीर की ओर से आ रहा था। इसी दौरान सैफाबाद गांव के समीप एक अनियंत्रित ऑटो चालक ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवार युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से जख्मी हो गया। घटना के बाद ऑटो चालक मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने घायल को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया।

ट्रेन की चपेट में आने से आंगनबाड़ी सुपरवाइजर गंभीर, पटना रेफर

हिलसा। डियावां में सोमवार को करीब 11 बजे रेलवे लाइन पार करने के दौरान बिजली मरम्मत करने वाले रेल वाहन की चपेट में आने से आंगनबाड़ी सुपरवाइजर ज्योति वर्मा गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे के बाद उन्हें प्राथमिक उपचार के लिए स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अरुण कुमार सिन्हा ने उनकी हालत नाजुक बताते हुए बेहतर इलाज के लिए पटना हाई सेंटर रेफर कर दिया।बताया गया कि ज्योति वर्मा डियावां आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण करने जा रही थीं। इसी दौरान खुले रेलवे फाटक से रेलवे लाइन पार करते समय वह बिजली मरम्मत करने वाले रेल वाहन की चपेट में आ गईं। घटना में उन्हें गंभीर चोटें आई। आंगनबाड़ी केंद्र की सुपरवाइजर स्वाति कुमारी ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि ज्योति वर्मा निरीक्षण के लिए डियावां आंगनबाड़ी केंद्र जा रही थीं। हादसे की सूचना मिलते ही विभागीय कर्मियों और पदाधिकारियों में चिंता का माहौल है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

मोहल्लेवासियों के सहयोग से बनेगा बाबा नीलकंठेश्वर महादेव का भव्य मंदिर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। बिहारशरीफ नगर के वार्ड नंबर 23 स्थित न्यू मगध कॉलोनी में बाबा नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर के पुनर्निर्माण कार्य का विधिवत भूमि पूजन किया गया। इस अवसर पर मोहल्ले के लोगों के साथ बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने मंदिर निर्माण में सहयोग देने का संकल्प लिया।मंदिर समिति के सचिव सतीश कुमार ने बताया कि बाबा नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर काफी पुराना है। मंदिर की स्थिति को देखते हुए मोहल्लेवासियों ने सामूहिक रूप से इसके पुनर्निर्माण का निर्णय लिया। भूमि पूजन के साथ निर्माण कार्य की शुरुआत कर दी गई है। उन्होंने बताया कि लोगों के सहयोग से करीब 75 फीट लंबे भव्य मंदिर का निर्माण कराया जाएगा। समिति के अध्यक्ष रणजीत सिंह ने बताया कि मंदिर में करीब 75 फीट ऊंचा गुंबद सहित अन्य आकर्षक संरचनाओं का निर्माण कराया जाएगा। मंदिर निर्माण को लेकर मोहल्ले के लोगों में काफी उत्साह है और सभी अपनी क्षमता के अनुसार सहयोग कर रहे हैं। वार्ड पार्षद प्रतिनिधि दिलीप कुमार ने कहा कि मंदिर का निर्माण जनसहयोग से कराया जा रहा है। उन्होंने निर्माण कार्य में हरसंभव सहयोग देने का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर पुजारी टिंकू कुमार सिंह, वंदना सिंह, पंडित मोनू शास्त्री अरुण पांडे, उपाध्यक्ष टिंकू सिंह, कोषाध्यक्ष नित्यानंद सिंह सहित अनिल कुमार चौधरी, शंभू कुमार, रंजीत कुमार, भोला जी, पवन कुमार, मुन्ना कुमार, पंकज कुमार समेत समिति के सदस्य एवं कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

नामजद आरोपित गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

इसलामपुर। इसलामपुर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर रामा बिगहा गांव में छापेमारी कर हत्या के असफल प्रयास मामले में फरार चल रहे नामजद आरोपी धनराज कुमार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी घटना के बाद से पुलिस को चकमा देकर फरार चल रहा था।गुप्त सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने रामा बिगहा गांव में छापेमारी की, जहां से आरोपी धनराज कुमार को गिरफ्तार किया गया।

जीविका दीदियों की पहल से इलाज सुलभ

45 स्वास्थ्य सहायता केंद्रों के जरिए गरीब परिवारों को मिल रहा बड़ा संबल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। सरकारी अस्पतालों में इलाज के लिए आने वाले मरीजों को जानकारी के अभाव में अक्सर इधर-उधर भटकना पड़ता है। उनकी इस समस्या का समाधान बनकर स्वयं सहायता समूहों से जुड़ीं जीविका दीदियां सामने आई हैं। राज्य सरकार और जीविका (बिहार ग्रामीण जीविका प्रोत्साहन समिति) के साझा प्रयासों से अस्पतालों में संचालित कुल 45 जीविका स्वास्थ्य सहायता केंद्र (हेल्प डेस्क) पर तैनात स्वास्थ्य मित्र के रूप में ये दीदियां लोगों को न सिर्फ बीमारी से संबंधित डॉक्टर बल्कि जांच और दवा केंद्र तक पहुंचने में बखूबी मदद कर रही हैं। जीविका के पहले स्वास्थ्य सहायता केंद्र की स्थापना 5 सितंबर 2022 को भागलपुर के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल (जेएलएनएमसीएच) में की गई थी। यहां अलग-अलग शिफ्टों में तैनात स्वास्थ्य मित्र के रूप में प्रशिक्षित यह दीदियां शिफ्ट के अनुसार लोगों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने में मदद करती हैं। ग्रामीण और सुदूरवर्ती क्षेत्रों से पहुंचने वाले लोगों को यह दीदियां बिना किसी भटकाव सीधे डॉक्टर का चेंबर और जांच, दवा केंद्र तक पहुंचाने में मदद करती हैं। इस पहल की सफलता को देखते हुए इसका राज्य भर में तेजी से विस्तार किया गया। वर्तमान आंकड़ों के मुताबिक राज्य में स्थापित 45 केंद्रों में से 35 सहायता केंद्र राज्य के बड़े सरकारी/जिला अस्पतालों में और 10 सहायता केंद्र प्रमुख चिकित्सा महाविद्यालयों (मेडिकल कॉलेजों) एवं अस्पतालों में क्रियान्वित हैं। सरकारी अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेजों में संचालित सहायता केंद्रों के सुचारू संचालन के लिए स्थानीय जीविका महिला संकुल स्तरीय संघ (क्लस्टर लेवल फेडरेशन) द्वारा स्वास्थ्य मित्रों का चयन किया जाता है। प्रशिक्षण के बाद अस्पतालों में अलग-अलग शिफ्टों में तैनात ये स्वास्थ्य मित्र मरीजों की सहूलियत के लिए समर्पित भाव से कार्य करते हैं। स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) से जुड़े सदस्यों या उनके परिजनों के अस्पताल में भर्ती होने की स्थिति में स्वास्थ्य मित्र निर्धारित प्रपत्र (फॉर्म) में मरीजों का पूरा विवरण दर्ज करते हैं और उनकी आवश्यकतानुसार हर संभव मदद सुनिश्चित करते हैं। अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों को परामर्श, बीमारियों की जांच, आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता, रक्त (ब्लड) एवं ऑक्सीजन का प्रबंध के साथ मरीजों के लिए भोजन की व्यवस्था कराने में जीविका दीदियां (स्वास्थ्य मित्र) सीधे तौर पर सहयोग करती हैं।

राज्य के अस्पतालों और स्वास्थ्य संस्थानों में हेल्प डेस्क जैसी व्यवस्था का सीधा लाभ हमारे गरीब और ग्रामीण इलाकों से आने वाले मरीजों को मिल रहा है। हमारी सरकार की प्राथमिकता है कि इलाज के लिए आने वाले हर व्यक्ति को त्वरित और सहज सहायता मिले, ताकि उन्हें किसी भी प्रकार की कठिनाई या बिचौलियों का सामना न करना पड़े। स्वास्थ्य सेवाओं में यह सुधार जनता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

श्रवण कुमार
(मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग तथा सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग)

बदलते तकनीकी परिवेश में अंकेक्षण व्यवस्था को भी आधुनिक एवं तकनीक-सक्षम बनाया जाना आवश्यक : राम कृपाल यादव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पटना स्थित एल.एन. मिश्रा इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक डेवलपमेंट एंड सोशल चेंज में सहकारी अंकेक्षण सेवा के अधिकारियों के लिए छह दिवसीय क्षमता निर्माण-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य अंकेक्षकों के कार्य-कौशल, तकनीकी दक्षता एवं पेशेवर क्षमताओं को सुदृढ़ करना तथा उन्हें आधुनिक अंकेक्षण पद्धतियों एवं तकनीकी नवाचारों से परिचित कराना है। प्रशिक्षणार्थियों में कुल पच्चीस जिला अंकेक्षण पदाधिकारी एवं पांच उप मुख्य अंकेक्षक सम्मिलित हैं। प्रशिक्षण के उद्देश्यों के बारे में सहकारिता मंत्री राम कृपाल यादव ने बताया कि सहकारी संस्थाओं में पारदर्शिता, वित्तीय अनुशासन एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने में गुणवत्तापूर्ण अंकेक्षण की महत्वपूर्ण भूमिका है। बदलते तकनीकी परिवेश में अंकेक्षण व्यवस्था को भी आधुनिक एवं तकनीक-सक्षम बनाया जाना आवश्यक है। अंकेक्षकों की क्षमता निर्माण के साथ-साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं डिजिटल तकनीकों का प्रभावी उपयोग सहकारी क्षेत्र में सुशासन को और मजबूत करेगा। इस अवसर पर सहकारिता सचिव धर्मेन्द्र सिंह ने कहा कि पदाधिकारियों के कार्य-कौशल एवं दक्षता में निरंतर वृद्धि के लिए विभाग द्वारा नियमित अंतराल पर क्षमता निर्माण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। सहकारिता क्षेत्र तेजी से विस्तार एवं परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। ऐसे में प्रौद्योगिकी आधारित ऑनलाइन सिस्टम ऑडिट, आधुनिक अंकेक्षण पद्धतियों तथा समवर्ती अंकेक्षण को प्रभावी ढंग से अपनाया जाना आवश्यक है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित तकनीकों एवं उनके व्यावहारिक उपयोग से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया जा रहा है। सहकारी समितियों के लेखांकन में अपेक्षित सुधार सुनिश्चित करना अंकेक्षक की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। अंकेक्षण का उद्देश्य केवल वित्तीय अभिलेखों की जांच तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से वित्तीय अनुशासन, पारदर्शिता, जवाबदेही एवं संस्थागत सुशासन को भी मजबूत किया जाना है। इस अवसर पर निबंधक, सहयोग समितियां रजनीश कुमार सिंह ने कहा कि अंकेक्षक सहकारिता विभाग की आंख और कान हैं।

सम्राट भैया की सरकार में महिलाओं का सफर सुरक्षित, पिंक बसों ने बदली तस्वीर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। 'शहर की भीड़भाड़ के बीच महिलाओं के लिए अलग बस सेवा शुरू करना सरकार का एक संवेदनशील और सराहनीय फैसला है। यह पहल महिलाओं की सुविधा, सुरक्षा और सम्मान के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।' बेली रोड से स्टेशन तक सफर कर रही पूजा बताती है। बिहार सरकार द्वारा महिलाओं के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राज्य के प्रमुख शहरों में पिंक बस सेवा संचालित की जा रही है। इन बसों में महिलाओं की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे, जीपीएस ट्रैकर और पैनिक बटन लगाए गए हैं। बसों में टिकट और परिचालन के लिए मुख्य रूप से महिला कंडक्टर तैनात की जाती है। ये बसें एसी युक्त, लो-फ्लोर और बैटरी से चलने वाली इलेक्ट्रिक बसें हैं। इनमें मोबाइल चार्जिंग पॉइंट और आरामदायक सीटों की सुविधा भी उपलब्ध है। हाल ही में रक्षाबंधन के अवसर पर प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के तहत पटना और आसपास के क्षेत्रों के लिए आधुनिक एसी इलेक्ट्रिक पिंक बसों का भी संचालन शुरू किया गया है। प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के तहत मिली इन पांच इलेक्ट्रिक बसों का संचालन पटना और आसपास के इलाकों में किया जा रहा है। सभी बसें लो-फ्लोर, बैटरी चालित और एसी युक्त हैं। बीएसआरटीसी के अनुसार दो बसें पटना-पालीगंज, दो पटना-बेली रोड कमरूट और एक बस पटना-बिहटा मार्ग पर चल रही है। इससे महिलाओं को आरामदायक और पर्यावरण अनुकूल परिवहन की सुविधा मिलेगी।

स्टार्टअप्स की फंडिंग, ग्रोथ और बाजार तक पहुंच पर स्टेकहोल्डर डायलॉग

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार के स्टार्टअप इकोसिस्टम को और मजबूत बनाने तथा स्टार्टअप्स की जरूरतों के अनुरूप सपोर्ट सिस्टम विकसित करने के उद्देश्य से उद्योग विभाग की ओर से स्टार्टअप बिहार स्टेकहोल्डर डायलॉग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बैंक प्रतिनिधियों, स्टार्टअप सेल, इनक्यूबेशन सेंटर, इन्वेस्टर्स एवं विभिन्न स्टार्टअप्स ने सक्रिय भागीदारी की। इस दौरान फंडिंग, कैपिटल मार्केट एक्सेस, एसएमई लिस्टिंग, इन्वेस्टर रेडीनेस, टेक्नोलॉजी, इनक्यूबेशन और बैंकिंग सपोर्ट सहित स्टार्टअप्स की फंडिंग, ग्रोथ और बाजार तक पहुंच से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। एमएसएमई निदेशक अमन समीर ने कहा कि स्टार्टअप और एमएसएमई इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए शुरुआती चरण से लेकर विस्तार तक जरूरी मार्गदर्शन और संस्थागत सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है, ताकि इनोवेटिव आइडियाज को सस्टेनेबल एंटरप्राइजेज में बदला जा सके। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक युवा अपने आइडियाज को सफल स्टार्टअप में परिवर्तित करें और राज्य में रोजगार एवं आर्थिक गतिविधियों के नए अवसर सृजित हों, यही विभाग का उद्देश्य है।

उद्योग निदेशक मुकुल कुमार गुप्ता ने कहा कि उद्योग विभाग बिहार में मजबूत और सक्षम स्टार्टअप इकोसिस्टम विकसित करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। स्टार्टअप्स को केवल वित्तीय सहायता ही नहीं, बल्कि बेहतर तकनीकी, संस्थागत और बाजार संबंधी सहयोग उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इवैल्यूएशन प्रोसेस को एआई आधारित बनाया जा रहा है, जिससे मानवीय हस्तक्षेप कम होगा और लगभग 15 से 20 दिनों के समय की बचत होगी। इससे स्टार्टअप्स को तेज, पारदर्शी और प्रभावी सपोर्ट उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम में बीएसई पटना रीजन के डिप्टी मैनेजर गगन कुमार सिंह, सीआईएमपी के निदेशक डॉ. राणा सिंह, एसटीपीआई के निदेशक संजय कुमार, आईसी आईआईटीपी के जनरल मैनेजर जोसेफ पॉल तथा एआईसी-बिहार विद्यापीठ फाउंडेशन के चेयरमैन-कम-सीईओ विजय प्रकाश ने कैपिटल मार्केट, इनक्यूबेशन, टेक्नोलॉजी और स्टार्टअप ग्रोथ से जुड़े विषयों पर अपने विचार साझा किए। इस दौरान स्टार्टअप बिहार ऐप पर चर्चा एवं प्रस्तुतीकरण भी दिया गया। स्टार्टअप्स से ऐप और स्टार्टअप बिहार की विभिन्न पहलों को लेकर फीडबैक एवं सुझाव लिए गए,

आपदा प्रबंधन की दिशा में पहल : लोक प्रशासन विभाग ने तैयार की आपदा किट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। आपदा के समय त्वरित एवं प्रभावी सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्नातकोत्तर लोक प्रशासन विभाग के सेमेस्टर 3 के विद्यार्थियों ने आपदा किट तैयार किया। इस आपदा किट में आपातकालीन परिस्थितियों में आवश्यक उपयोगी सामग्रियों को शामिल किया गया है, ताकि किसी भी आपदा की स्थिति में प्रभावित लोगों को तत्काल राहत एवं प्राथमिक सहायता उपलब्ध कराई जा सके। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. रत्ना अमृत ने कहा कि आपदा प्रबंधन में पूर्व तैयारी का विशेष महत्व है। आपदा किट जैसी पहल लोगों को आपातकालीन परिस्थितियों के लिए तैयार करने में सहायक होगी। उन्होंने कहा कि जागरूकता और तैयारी के माध्यम से आपदा से होने वाले नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है। लोक प्रशासन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. कविता राज ने बताया कि आपदा किट का उद्देश्य आपदा के समय आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा लोगों में आपदा के प्रति सजगता एवं आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है।

केवाइपी केंद्रों के भविष्य पर बढ़ा आक्रोश, आज धरना-प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में संचालित कुशल युवा कार्यक्रम केंद्रों के नवीनीकरण, लंबित भुगतान एवं प्रशिक्षण कार्य तत्काल शुरू करने की मांग को लेकर केवाईपी केंद्र संचालकों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। केंद्र संचालकों ने सामूहिक बैठक कर 25 अगस्त को पटना में धरना-प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है। केंद्र संचालकों के अनुसार लंबे समय से केवाईपी केंद्रों के नवीनीकरण और प्रशिक्षण कार्य को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं होने से केंद्र संचालकों के सामने गंभीर परेशानी उत्पन्न हो रही है। वहीं, प्रशिक्षण कार्य बाधित रहने से केवाईपी से जुड़ने वाले युवाओं को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

तीन मांगों को लेकर होगा आंदोलन : केंद्र संचालकों ने सरकार के समक्ष तीन प्रमुख मांगें रखने का निर्णय लिया है। इनमें सभी केवाईपी केंद्रों का तत्काल नवीनीकरण, लंबित भुगतान का अविलंब जारी किया जाना तथा केवाईपी प्रशिक्षण तत्काल प्रारंभ करना शामिल है। केंद्र संचालकों का कहना है कि केवाईपी बिहार के युवाओं को कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध कराने वाला महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। इसलिए केंद्रों के भविष्य को लेकर जल्द निर्णय लेने के साथ प्रशिक्षण प्रक्रिया भी बिना किसी और देरी के शुरू की जानी चाहिए।

25 अगस्त को गर्दनीबाग में जुटेंगे संचालक

निर्णय के अनुसार 25 अगस्त को प्रातः 10 बजे गर्दनीबाग, पटना में केवाईपी केंद्र संचालक धरना-प्रदर्शन करेंगे। इस दौरान अपनी मांगों को लेकर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया जाएगा। केंद्र संचालकों ने कहा कि वे शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांगों को उठाएंगे और केवाईपी केंद्रों के नवीनीकरण, लंबित भुगतान तथा प्रशिक्षण शुरू होने तक अपनी आवाज मजबूती से उठाते रहेंगे। केंद्र संचालकों का कहना है 'केवाईपी बचाओ, रोजगार बचाओ और बिहार के युवाओं का भविष्य बचाओ।'

पाटलिपुत्र उप डाकघर के नवीनीकृत भवन का उद्घाटन

देशभर में 14 नवीनीकृत डाकघरों का वर्चुअल लोकार्पण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। भारतीय डाक विभाग द्वारा डाक सेवाओं को आधुनिक, सुगम, प्रभावी एवं नागरिक-केंद्रित बनाने की दिशा में किए जा रहे निरंतर प्रयासों के तहत पाटलिपुत्र उप डाकघर, पटना के नवीनीकृत भवन का उद्घाटन सोमवार को किया गया। यह कार्यक्रम भारतीय डाक विभाग द्वारा देशभर में आयोजित कार्यक्रम से वर्चुअल माध्यम से जुड़ा रहा। इस अवसर पर देशभर में नवीनीकृत किए गए 14 डाकघरों के भवनों का वर्चुअल लोकार्पण संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया द्वारा किया गया। बिहार में पाटलिपुत्र उप डाकघर का

नवीनीकृत भवन भी इस राष्ट्रव्यापी पहल का हिस्सा बना। कार्यक्रम के दौरान रिवैम्प्ड डाक सेवा ऐप एवं रिवैम्प्ड डाक मित्र ऐप का भी शुभारंभ किया गया। इन दोनों डिजिटल पहलों का उद्देश्य डाक सेवाओं को अधिक आधुनिक, सुगम, प्रभावी, पारदर्शी एवं नागरिक-केंद्रित बनाना तथा नागरिकों को डिजिटल माध्यम से बेहतर सेवा अनुभव उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने भारतीय डाक को देश के सबसे व्यापक एवं भरोसेमंद जनसेवा नेटवर्क में से एक बताते हुए डाक सेवाओं के निरंतर आधुनिकीकरण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आधुनिक अवसंरचना और नई तकनीक के समुचित उपयोग के माध्यम से डाकघरों को बदलती नागरिक आवश्यकताओं के अनुरूप अधिक सक्षम, प्रभावी एवं नागरिक-केंद्रित बनाया जा रहा है। उन्होंने भारतीय डाक की डिजिटल परिवर्तन यात्रा को और गति देने तथा 'डाक सेवा, जन सेवा' की भावना को मजबूत करने पर भी बल दिया। संचार एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी ने कहा कि भारतीय डाक केवल पत्र एवं पार्सल पहुंचाने वाली संस्था नहीं, बल्कि देश के करोड़ों नागरिकों को विभिन्न सेवाओं से जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण जनसेवा नेटवर्क है। उन्होंने आधुनिक तकनीक, डिजिटल प्रणालियों और बेहतर सेवा वितरण के माध्यम से नागरिकों को तेज, पारदर्शी एवं विश्वसनीय सेवाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया। सीता साहू, महापौर, पटना नगर निगम ने पाटलिपुत्र उप डाकघर के नवीनीकरण का स्वागत करते हुए कहा कि डाक विभाग लंबे समय से आम नागरिकों के जीवन से जुड़ी महत्वपूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराता रहा है। उन्होंने कहा कि आधुनिक सुविधाओं से युक्त नवीनीकृत डाकघर नागरिकों को बेहतर सेवा अनुभव प्रदान करेगा तथा पारंपरिक और डिजिटल डाक सेवाओं के बेहतर समन्वय में सहायक होगा।

हरे परिधानों में सजी महिलाओं ने सावन मिलन समारोह में बिखेरी खुशियां

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार प्रदेश जयसवाल सर्ववर्गीय महिला महासभा के बैनर तले दिनकर गोलंबर स्थित पॉपुलर रेजीडेंसी, पटना में जयसवाल परिवार सावन मिलन समारोह का आयोजन उत्साह और उमंग के साथ किया गया। सावन के रंग में रंगी इस विशेष संध्या में जयसवाल समाज की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में महिलाएं हरे रंग के आकर्षक परिधानों में सुसज्जित होकर पहुंचीं और पूरे परिसर में सावन की हरियाली व उत्सव का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के लिए विभिन्न मनोरंजक गेम, गीत-संगीत और खान-पान की विशेष व्यवस्था की गई थी। सावन के पारंपरिक गीतों और मधुर धुनों पर महिलाओं ने जमकर नृत्य किया और एक-दूसरे के साथ खुशियां साझा कीं।

रेलवे ने पानी की टंकियों और फिल्टरों की सफाई के लिए विशेष अभियान शुरू

क्षेत्रीय रेलवे को पेयजल अवसंरचना का व्यापक निरीक्षण और सुधार करने की सलाह

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नयी दिल्ली/पटना। भारतीय रेलवे ने स्टेशनों पर यात्रियों के लिए सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पानी की टंकियों और फिल्टरों की सफाई और उन्हें कीटाणु मुक्त बनाने के लिए विशेष स्वच्छता अभियान शुरू किया है। यह पहल भारतीय रेलवे में पेयजल गुणवत्ता प्रबंधन को सुदृढ़ करने के लिए बनाई गई व्यापक कार्य योजना का हिस्सा है। इस कार्य योजना में संपूर्ण पेयजल प्रणाली के नियमित निरीक्षण और रखरखाव पर जोर दिया गया है। इसमें पाइपलाइन के अंत में जल परीक्षण के साथ स्रोत और उपभोग स्थल दोनों पर जल गुणवत्ता परीक्षण करने पर भी बल दिया गया है। क्षेत्रीय रेलवे इस अभियान के दौरान जल स्रोतों, उपचार एवं निस्पंदन संयंत्रों, भूमिगत और ओवरहेड टैंक, पीवीसी टैंक, जल बूथ, नलों और जल वितरण बिंदुओं का व्यापक निरीक्षण करेगी। सभी पानी की टंकियों को खाली करके उनकी सफाई के बाद कीटाणुरहित किया जाएगा। इसके अलावा वेंट और ओवरफ्लो बिंदुओं को पक्षियों, जानवरों और शैवाल से बचाने के लिए उचित सुरक्षा उपाय भी किए जाएंगे। इस अभियान के दौरान सुधारात्मक कार्रवाई की आवश्यकता वाली कमियों की पहचान भी की जाएगी। क्षतिग्रस्त टैंक, पाइपलाइन और फिल्टर की मरम्मत की जाएगी या आवश्यकतानुसार उन्हें बदला जाएगा। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाएगा कि पीने योग्य और गैर-पीने योग्य जल प्रणालियों के बीच कोई क्रॉस-कनेक्शन न हो। पीने के पानी की आपूर्ति में शामिल सभी पाइपों से रिसाव की जांच की जाएगी और पानी की बर्बादी को रोकने के लिए आवश्यक सुधारात्मक उपाय किए जाएंगे। उन स्थानों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा जहां पीने के पानी के लिए हैंडपंप और बोरवेल का उपयोग किया जा रहा है। क्षेत्रीय रेलवे यह सुनिश्चित करेगा कि इनसे प्राप्त जल पीने के लिए सुरक्षित हो। इस कार्य योजना में रेलवे कॉलोनियों और कार्यस्थलों में पेयजल अवसंरचना के लिए भी इसी तरह के उपायों की परिकल्पना की गई है जिससे सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल पर ध्यान यात्री क्षेत्रों से परे भी विस्तारित हो सके। भारतीय रेलवे इन समन्वित उपायों के माध्यम से पेयजल आपूर्ति प्रणाली में निवारक निरीक्षण, बुनियादी ढांचे के रखरखाव, सफाई, जल गुणवत्ता परीक्षण और सुधारात्मक कार्रवाई तंत्र को मजबूत कर रहा है।

सावन की अंतिम सोमवारी पर मनोकामना मंदिर में हुई रुद्र आरती, बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। सावन मास की अंतिम सोमवारी के पावन अवसर पर राजधानी पटना के जक्कनपुर स्थित मनोकामना मंदिर में विशेष धार्मिक आयोजन किया गया। शिववास के शुभ अवसर पर आयोजित भगवान रुद्र आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया और भगवान भोलेनाथ की विधिवत पूजा-अर्चना कर सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।इस अवसर पर बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष प्रो. रणबीर नंदन ने भगवान रुद्र की आरती में शामिल होकर उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित किया। उन्होंने सावन के अंतिम सोमवार के धार्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भगवान शिव की आराधना मनुष्य को आध्यात्मिक शक्ति, धैर्य और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करती है। उन्होंने श्रद्धालुओं से भगवान शिव के बताए मार्ग पर चलने और समाज में आपसी प्रेम, सद्भाव एवं सेवा की भावना को मजबूत करने का आह्वान किया।

ट्रांसमिशन कंपनी की तत्परता से 132/33 केवी ग्रिड उपकेंद्र डुमरांव के माध्यम से बक्सर जिले में विद्युत आपूर्ति बहाली सुनिश्चित

उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण विद्युतापूर्ति के लिए बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी प्रतिबद्ध : प्रबंध निदेशक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना/ बक्सर। बीते दिन ग्रिड उपकेंद्र डुमरांव में स्थापित 80 एमभीए पावर ट्रांसफार्मर में तकनीकी खराबी आने से बक्सर जिले के कुछ क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति प्रभावित हुई। बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक डॉ. नवल किशोर चौधरी (भा.प्र.से.) ने बताया कि ग्रिड उपकेंद्र में तकनीकी समस्या को पहचान कर तुरंत सक्रिय कदम उठाने के निर्देश दिया गया। उपलब्ध संसाधनों के माध्यम से वैकल्पिक व्यवस्था स्थापित कर बक्सर जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बहाल की जा रही है। आपात स्थिति से निपटारे के लिए बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड की टीमों को त्वरित रूप से मौके पर भेजा गया। इसके परिणामस्वरूप वैकल्पिक व्यवस्था के अनुसार ग्रिड उपकेंद्र डुमरांव (नया) से डुमरांव तक की 132केवी डबल सर्किट लाइन के माध्यम से 33 केवी पर लगभग 30 एमडब्लू विद्युत की आपूर्ति के साथ ग्रिड उपकेंद्र डुमरांव (नया) के 33 केवी फीडर से अतिरिक्त 15 मेगावाट की आपूर्ति की व्यवस्था की जा रही है। प्रबंध निदेशक ने कहा कि उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति के लिए बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड प्रतिबद्ध है। हमारी तकनीकी टीम ने त्वरित निरीक्षण और समन्वय के माध्यम से समस्या की पहचान कर ली है और वैकल्पिक आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। निर्माता कंपनी द्वारा तकनीकी मरम्मत के कार्य के साथ आवश्यक टेस्टिंग तेजी से की जा रही है। इसके साथ ही सामानांतर रूप से 80 एमवीए के एक अतिरिक्त ट्रांसफार्मर को डुमरांव ग्रिड उपकेंद्र पर अधिष्ठापित करने की भी कार्रवाई की जा रही है। स्थिति पूरी तरह स्थिर होते ही सामान्य रूटीन आपूर्ति पुनः चालू कर दी जाएगी। उपभोक्ताओं को न्यूनतम असुविधा हो, इसके लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

'बिहार के पर्यावरण स्तंभ' का विमोचन बिहार विधान परिषद सभागार में आज

पुस्तक का लोकार्पण मुख्य अतिथि विधान परिषद के सभापति डॉ अवधेश नारायण सिंह करेंगे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पर्यावरण संरक्षण, प्रकृति प्रेम एवं बिहार की पर्यावरणीय चेतना को समर्पित महत्वपूर्ण पुस्तक बिहार के पर्यावरण स्तंभ का विमोचन समारोह 25 अगस्त को बिहार विधान परिषद सभागार, पटना में आयोजित किया गया है। पुस्तक का लोकार्पण मुख्य अतिथि बिहार विधान परिषद के सभापति डॉ अवधेश नारायण सिंह करेंगे। इस पुस्तक के लेखक हैं निशांत रंजन, अदिति रॉय एवं अमित कुमार पाण्डेय। पुस्तक का प्रकाशन अनन्य प्रकाशन, नई दिल्ली द्वारा किया गया है। पुस्तक में बिहार के पर्यावरण, वन्यजीवों, नदी, जैव विविधता एवं पर्यावरण संरक्षण में जुटे लोगों के योगदान को विस्तार से रेखांकित किया गया है। मौके पर पुस्तक में शामिल बिहार के पर्यावरणविद, पर्यावरण प्रेमी, साहित्यकार, पत्रकार एवं बुद्धिजीवियों की गरिमामयी उपस्थित रहेगी।

उत्साह और उमंग के साथ मना सावन मिलन समारोह, गीत-संगीत और पारंपरिक धुनों में झूमीं महिलाएं

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। सावन की हरियाली, पारंपरिक परिधान और गीत-संगीत की मधुर धुनों के बीच एआरएल होटल में सावन मिलन समारोह का भव्य एवं रंगारंग आयोजन किया गया। समारोह में बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सावन के उल्लास को एक-दूसरे के साथ साझा किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एमएलसी अनामिका सिंह रहीं। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और उपस्थित सभी महिलाओं को सावन की शुभकामनाएं दीं। उनके आगमन से समारोह की रौनक और बढ़ गई। सावन मिलन समारोह में महिलाओं के लिए विभिन्न मनोरंजक गेम्स, डांस, गीत-संगीत, हंसी-मजाक और मस्ती के कार्यक्रम आयोजित किए गए। महिलाओं ने पूरे जोश और उत्साह के साथ इन गतिविधियों में भाग लिया। पारंपरिक सावन गीतों और संगीत ने पूरे वातावरण को और भी खुशनुमा बना दिया।

आयोजकों ने कहा कि सावन केवल एक मौसम नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, परंपरा, प्रेम और उल्लास का पर्व है। ऐसे आयोजनों का उद्देश्य महिलाओं को एक साथ जोड़ना, उन्हें मनोरंजन का अवसर प्रदान करना और हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत बनाए रखना है।

संपादकीय

चीनी पैदा करने में आगे, फिर मिठास पर पहरा क्यों?

विपक्षी दलों की ओर से ऐसे आरोप लगाए जा रहे हैं कि बीते कुछ समय से एथेनॉल बनाने को लेकर जो अतिरेकी उत्साह देखा जा रहा है, उसकी वजह से चीनी की कमी हुई है और कीमतें बढ़ी हैं।

कारोबारियों के लिए पंद्रह दिन का भंडारण तय करने का सरकारी फैसला पहली नजर में बाजार में चीनी की उपलब्धता और कीमतों को नियंत्रित करने की कोशिश दिखाई देता है। मगर सवाल यह है कि क्या इस कदम से वास्तव में चीनी सस्ती होगी या फिर इसके बावजूद उपभोक्ता को राहत नहीं मिलेगी।चीनी का बाजार केवल मिलों और व्यापारियों से नहीं चलता।

इसके पीछे किसान, परिवहन, थोक विक्रेता, किराना दुकानदार और अंततः वह आम परिवार है, जिसकी रसोई में हर महीने चीनी की जरूरत पड़ती है। जब कीमत बढ़ती है, तो उसका असर केवल चाय की मिठास तक सीमित नहीं रहता, बल्कि मिठाई, बिस्कुट, पेय पदार्थ और अन्य खाद्य वस्तुएं भी महंगी हो जाती हैं।

अगर पंद्रह दिन की भंडारण सीमा का उद्देश्य जमाखोरी रोकना है, तो यह स्वागतयोग्य है। मगर सरकार को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि छोटे कारोबारियों पर नियमों का अनावश्यक बोझ न पड़े। बड़े कारोबारी तो नियमों की पेचीदगियों से निकलने का रास्ता निकाल लेते हैं, लेकिन छोटा व्यापारी अक्सर निरीक्षण, कागजी कार्रवाई और प्रशासनिक दबाव का सबसे आसान निशाना बन जाता है। ऐसी स्थिति बाजार को स्वस्थ बनाने के बजाय असंतुलित कर सकती है। गौरतलब है कि भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा चीनी उत्पादक देश है।

यही वजह है कि यहां उत्पादन और खपत को लेकर आमतौर पर एक संतुलित स्थिति कायम रही है। ऐसे में यह सवाल लाजिमी है कि आखिर ऐसी स्थिति क्यों आई कि चीनी की उपलब्धता को लेकर चिंता पैदा हुई और इसकी कीमतों पर नियंत्रण के लिए अतिरिक्त प्रयास करने पड़ रहे हैं।

विपक्षी दलों की ओर से ऐसे आरोप लगाए जा रहे हैं कि बीते कुछ समय से एथेनॉल बनाने को लेकर जो अतिरेकी उत्साह देखा जा रहा है, उसकी वजह से चीनी की कमी हुई है और कीमतें बढ़ी हैं। अब उसकी भरपाई के लिए चीनी के आयात और भंडारण की सीमा लगाने की बात की जा रही है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि जनता को आभासी आंकड़े नहीं, राहत की जरूरत होती है। सरकार को पारदर्शी निगरानी व्यवस्था बनानी चाहिए, छोटे व्यापारियों की परेशानियां कम करनी चाहिए और बाजार में चीनी की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करनी चाहिए।

गोर का बयान इसलिए भारत के लिए एक उपलब्धि से अधिक एक संकेत है-संकेत इस बात का कि जम्मू-कश्मीर को लेकर अंतरराष्ट्रीय विमर्श धीरे-धीरे बदल रहा है। पाकिस्तान के लिए यह चेतावनी है कि केवल पुराने नारों और कूटनीतिक दबाव से वह कश्मीर को विश्व राजनीति के केंद्र में नहीं रख सकता और अमेरिका के लिए यह उसके बदलते हितों के अनुरूप संतुलन साधने की कोशिश है। अंततः कश्मीर की स्थायी शांति केवल अंतरराष्ट्रीय बयानों से नहीं, बल्कि लोकतंत्र, विकास, सुरक्षा, जनभागीदारी और सीमा-पार आतंकवाद के अंत से सुनिश्चित होगी। भारत को इस नए कूटनीतिक वातावरण का उपयोग आक्रामक प्रचार के बजाय जिम्मेदार और आत्मविश्वासी राष्ट्र की तरह करना चाहिए।

कश्मीर पर अमेरिकी सुर बदले: भारत का कद बढ़ा, पाक बेचैन

(ललित गर्ग)

अमेरिका की कश्मीर नीति में लंबे समय से एक प्रकार की सावधानी रही है। वाशिंगटन सामान्यतः भारत और पाकिस्तान के बीच संवाद तथा शांतिपूर्ण समाधान की बात करता रहा है। अमेरिकी विदेश विभाग की पूर्व घोषित नीति भी जम्मू-कश्मीर में सामान्य स्थिति और राजनीतिक-आर्थिक स्थिरता की वापसी का समर्थन करती रही है। अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर का 19 अगस्त 2026 को श्रीनगर में दिया गया यह बयान कि जम्मू-कश्मीर 'भारत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा' है, सामान्य कूटनीतिक टिप्पणी मानकर नजरअंदाज करने योग्य नहीं है। यह ऐसे समय आया है जब कश्मीर को लेकर भारत और पाकिस्तान की धारणाओं के बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार नए समीकरण बन रहे हैं। गोर ने जम्मू-कश्मीर की निरन्तर सुधर रही सुरक्षा स्थिति की बात कही और अमेरिकी यात्रा संबंधी परामर्श पर पुनर्विचार के संकेत भी दिए। पाकिस्तान ने इस बयान पर अमेरिका के शीर्ष राजनयिक को तलब कर तीखा विरोध दर्ज कराया। इस पूरे घटनाक्रम को केवल कश्मीर के संदर्भ में देखना पर्याप्त नहीं होगा। इसे भारत-अमेरिका संबंधों में आ रहे व्यापक परिवर्तन, दक्षिण एशिया की बदलती सामरिक संरचना और पाकिस्तान की घटती कूटनीतिक प्रभावशीलता के संदर्भ में समझना अधिक उचित होगा। अमेरिका की कश्मीर नीति में लंबे समय से एक प्रकार की सावधानी रही है। वाशिंगटन सामान्यतः भारत और पाकिस्तान के बीच संवाद तथा शांतिपूर्ण समाधान की बात करता रहा है। अमेरिकी विदेश विभाग की पूर्व घोषित नीति भी जम्मू-कश्मीर में सामान्य स्थिति और राजनीतिक-आर्थिक स्थिरता की वापसी का समर्थन करती रही है। इसलिए गोर का श्रीनगर में जाकर जम्मू-कश्मीर को भारत का 'महत्वपूर्ण हिस्सा' कहना निश्चित रूप से भाषा के स्तर पर एक उल्लेखनीय परिवर्तन है। लेकिन इसे अमेरिका की पूरी कश्मीर नीति में तत्काल और औपचारिक परिवर्तन मानना भी जल्दबाजी होगी। किसी राजदूत का बयान और किसी सरकार की औपचारिक नीति में अंतर होता है। फिर भी कूटनीति में शब्दों का अपना महत्व होता है। विशेष रूप से तब, जब वही शब्द उस भूभाग में बोले जाएं जिसे पाकिस्तान दशकों से अंतरराष्ट्रीय विवाद के रूप में प्रस्तुत करता रहा है। इस दृष्टि से गोर का बयान भारत के लिए मनोवैज्ञानिक और कूटनीतिक दोनों स्तरों पर महत्वपूर्ण है। इस बयान का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष जम्मू-कश्मीर की बदलती जमीन से जुड़ा है। गोर ने सुरक्षा व्यवस्था में सुधार का उल्लेख करते हुए यात्रा संबंधी अमेरिकी परामर्श में कमी लाने की संभावना जताई है। इसका अर्थ यह है कि वाशिंगटन अब कश्मीर को केवल सुरक्षा संकट या आतंकवाद की दृष्टि से देखने के बजाय पर्यटन, आर्थिक गतिविधियों और सामान्य जनजीवन की संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में भी देख रहा है। यहीं से भारत-अमेरिका संबंधों की नई रोशनी दिखाई देती है। दोनों देशों के संबंध अब केवल व्यापार या रक्षा तक सीमित नहीं हैं। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव, समुद्री सुरक्षा, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, आपूर्ति-श्रृंखला और वैश्विक शक्ति-संतुलन जैसे विषयों ने भारत को अमेरिका के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बना दिया है। हालांकि दोनों देशों के बीच व्यापार और शुल्क जैसे मुद्दों पर मतभेद भी मौजूद हैं, फिर भी व्यापक सामरिक साझेदारी अपनी उपयोगिता बनाए हुए है। हाल में अमेरिकी विदेश मंत्री की भारत यात्रा का उद्देश्य भी तनावों के बीच संबंधों को सुदृढ़ करना और व्यापार तथा ऊर्जा सहयोग को आगे बढ़ाना था। इसलिए कश्मीर पर अमेरिकी भाषा को भारत-अमेरिका संबंधों के व्यापक पुनर्संतुलन का हिस्सा मानना अधिक तार्किक होगा। अमेरिका के लिए भारत अब केवल दक्षिण एशिया का एक बड़ा देश नहीं, बल्कि एशिया में शक्ति-संतुलन का प्रमुख आधार है। भारत के लिए भी

अमेरिका महत्वपूर्ण है, लेकिन भारत ने अपनी विदेश नीति को किसी एक शक्ति के साथ पूर्ण निर्भरता के बजाय रणनीतिक स्वायत्तता पर आधारित रखा है। यही कारण है कि भारत अमेरिका के साथ साझेदारी बढ़ाते हुए रूस, यूरोप, पश्चिम एशिया और अन्य शक्तियों के साथ भी अपने संबंध बनाए रखता है। कश्मीर के संदर्भ में यह घटनाक्रम पाकिस्तान के लिए निश्चित रूप से असहज करने वाला है। इस्लामाबाद ने गोर के बयान को अस्वीकार करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर एक विवादित क्षेत्र है और उसका अंतिम निर्धारण होना बाकी है। पाकिस्तान ने इसे अमेरिका की पूर्व स्थिति से विचलन बताते हुए औपचारिक विरोध दर्ज कराया। पाकिस्तान की समस्या यह है कि वह कश्मीर को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी विदेश नीति का केंद्रीय विषय बनाए रखना चाहता है, जबकि विश्व राजनीति की प्राथमिकताएं तेजी से बदल रही हैं। आतंकवाद, आर्थिक स्थिरता, चीन का बढ़ता प्रभाव, पश्चिम एशिया का संकट, समुद्री सुरक्षा और वैश्विक आपूर्ति-श्रृंखलाएं आज बड़ी शक्तियों की चिंता के केंद्र में हैं। ऐसे वातावरण में केवल कश्मीर के प्रश्न को बार-बार अंतरराष्ट्रीयकरण करने की पाकिस्तानी कोशिशों की प्रभावशीलता सीमित होती जा रही है। भारत ने दूसरी ओर लगातार यह रेखांकित किया है कि जम्मू-कश्मीर से जुड़े विषय भारत की संप्रभुता और द्विपक्षीय संबंधों के दायरे में आते हैं। गोर का श्रीनगर दौरा स्वयं इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है कि एक प्रमुख अमेरिकी राजनयिक ने जम्मू-कश्मीर की यात्रा की, वहां के निर्वाचित नेतृत्व से मुलाकात की और क्षेत्र की सुरक्षा तथा आर्थिक संभावनाओं पर सकारात्मक टिप्पणी की। यह पाकिस्तान की उस कोशिश के विपरीत है जिसमें वह कश्मीर को केवल विवाद और अस्थिरता के चश्मे से प्रस्तुत करना चाहता है। फिर भी भारत को इस बयान से अत्यधिक उत्साहित होकर यह मान लेने से बचना चाहिए कि अमेरिका ने कश्मीर पर अपनी संपूर्ण नीति बदल दी है। अमेरिका की विदेश नीति परिस्थितियों के अनुसार बदलती रहती है और वह भारत तथा पाकिस्तान दोनों के साथ अपने हितों को संतुलित करने की कोशिश करता है। आज भी वाशिंगटन के लिए पाकिस्तान आतंकवाद-रोध, क्षेत्रीय सुरक्षा और अफगानिस्तान सहित कुछ विषयों में उपयोगी साझेदार है। अतः भारत के लिए इस बयान का वास्तविक महत्व किसी औपचारिक अमेरिकी नीति-परिवर्तन से अधिक उस कूटनीतिक वातावरण में है, जिसमें भारत की स्थिति को पहले की तुलना में अधिक गंभीरता से लिया जा रहा है। यहां एक और महत्वपूर्ण बात है। कूटनीति में किसी देश का महत्व केवल इस बात से तय नहीं होता कि कितने देश उसके पक्ष में बयान दे रहे हैं, बल्कि इससे तय होता है कि वैश्विक शक्तियों के हित उसके साथ कितने गहरे जुड़े हैं। आज भारत की आर्थिक क्षमता, विशाल बाजार, तकनीकी सामर्थ्य, लोकतांत्रिक संस्थाएं, युवा शक्ति और सामरिक स्थिति उसे विश्व व्यवस्था का महत्वपूर्ण स्तंभ बनाती हैं। इसी बदलती वास्तविकता का प्रभाव कश्मीर पर भी दिखाई देना स्वाभाविक है। गोर का बयान इसलिए भारत के लिए एक उपलब्धि से अधिक एक संकेत है-संकेत इस बात का कि जम्मू-कश्मीर को लेकर अंतरराष्ट्रीय विमर्श धीरे-धीरे बदल रहा है। पाकिस्तान के लिए यह चेतावनी है कि केवल पुराने नारों और कूटनीतिक दबाव से वह कश्मीर को विश्व राजनीति के केंद्र में नहीं रख सकता और अमेरिका के लिए यह उसके बदलते हितों के अनुरूप संतुलन साधने की कोशिश है।

अमेरिकी राजदूत सर्जियो गौर की जम्मू-कश्मीर यात्रा ने चीनी-पाकिस्तानी चालों को किया दुरुस्त!

(कमलेश पांडे)

यात्रा-परामर्श में बदलाव—छोटा दिखने वाला बड़ा संकेत है? तो जवाब होगा कि गोर ने जम्मू-कश्मीर के लिए अमेरिकी यात्रा-परामर्श की समीक्षा के संकेत दिए हैं। अगर आगे अमेरिका अपने मौजूदा डू नाट ट्रेवल स्तर को नीचे करता है, तो इसका असर केवल अमेरिकी पर्यटकों पर नहीं पड़ेगा।

जरा गौर कीजिए, जब चीन अरुणाचल प्रदेश में भारत को आंखें दिखा रहा हो, जब अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर का जम्मू-कश्मीर/लद्दाख पहुंचना और जम्मू-कश्मीर को भारत का महत्वपूर्ण हिस्सा बताना भारतीय कूटनीति की कितनी बड़ी सफलता है, क्योंकि यह परोक्ष रूप से चीन को संदेश है कि भारत का साथ मिलते ही अमेरिका अन्य एशियाई बदमाशों को रौंद डालेगा।

उधर, पाकिस्तान को संदेश है कि इस्लामिक नाटो उसकी सुरक्षा की गारंटी नहीं बनेगा, यदि अमेरिका खुलकर भारत के साथ खड़ा रहेगा। जी हां, अमेरिकी राजदूत की 19-20 अगस्त 2026 की जम्मू-कश्मीर और लद्दाख यात्रा को केवल एक राजनयिक दौरा मानना पर्याप्त नहीं होगा।

खासकर श्रीनगर में उनका यह कहना कि जम्मू-कश्मीर भारत का महत्वपूर्ण हिस्सा है और अमेरिकी यात्रा-परामर्श की समीक्षा के संकेत देना, वाशिंगटन के पुराने कश्मीर-संबंधी सार्वजनिक रुख की तुलना में महत्वपूर्ण राजनीतिक-सामरिक संकेत देता है। इससे कई सवाल उपजते हैं, जिनके निहितार्थ को समझना भी जरूरी है—

पहला सवाल है कि क्या वास्तव में अमेरिकी स्टैंड बदल गया है? तो जवाब होगा कि अपेक्षित सावधानी जरूरी है। अभी इसे अमेरिका की औपचारिक कश्मीर-नीति में पूर्ण परिवर्तन कहना जल्दबाजी होगी। लेकिन राजनयिक भाषा और व्यवहार में बदलाव का संकेत स्पष्ट है। पहले अमेरिकी नीति का सार्वजनिक ढांचा मुख्यतः यह रहा कि कश्मीर भारत-पाकिस्तान के बीच विवादित विषय है और दोनों देशों को बातचीत के माध्यम से समाधान निकालना चाहिए। 2019 के बाद भी अमेरिकी अधिकारियों ने इस मूल स्थिति को बनाए रखा था। इसके विपरीत, गोर ने भारतीय प्रशासित जम्मू-कश्मीर में जाकर उसे भारत का महत्वपूर्ण हिस्सा कहा। पाकिस्तान ने इसे अमेरिकी पारंपरिक रुख से विचलन मानते हुए अमेरिकी प्रभारी राजदूत को तलब कर औपचारिक विरोध दर्ज कराया। इसलिए फिलहाल इसे नीति परिवर्तन से अधिक नीति-संकेत में परिवर्तन कहना उचित होगा।

दूसरा सवाल है कि इस यात्रा का सबसे बड़ा संदेश क्या है? क्या कश्मीर को जमीन पर देखकर आकलन हुआ है? तो जवाब होगा कि गोर का दौरा छह साल से अधिक अंतराल के बाद किसी अमेरिकी राजदूत की कश्मीर यात्रा है। उन्होंने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से मुलाकात की और सुरक्षा व्यवस्था तथा बदलते माहौल का प्रत्यक्ष आकलन किया।

यह महत्वपूर्ण इसलिए है क्योंकि अमेरिका की कश्मीर संबंधी धारणा अब केवल इस्लामाबाद, नई दिल्ली या अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों पर निर्भर नहीं रह सकती। राजदूत का स्वयं श्रीनगर जाना और फिर सुरक्षा स्थिति पर सकारात्मक टिप्पणी करना वाशिंगटन के नीति-निर्माताओं को एक अलग जमीनी इनपुट देता है।

तीसरा सवाल यह है कि यात्रा परामर्श में बदलाव—छोटा दिखने वाला बड़ा संकेत है? तो जवाब होगा कि गोर ने जम्मू-कश्मीर के लिए अमेरिकी यात्रा-परामर्श की समीक्षा के संकेत दिए हैं। अगर आगे अमेरिका अपने मौजूदा डू नाट ट्रेवल स्तर को नीचे करता है, तो इसका असर केवल अमेरिकी पर्यटकों पर नहीं पड़ेगा। यह संदेश जाएगा कि सुरक्षा परिस्थितियों में सुधार हुआ है। सामान्य आर्थिक गतिविधियां बढ़ रही हैं। पर्यटन के लिए क्षेत्र अधिक खुल रहा है। अंतरराष्ट्रीय जोखिम-धारणा बदल रही है। यानी कश्मीर के लिए यह सुरक्षा से पर्यटन और पर्यटन से निवेश की दिशा में सकारात्मक कूटनीतिक संकेत बन सकता है। चौथा सवाल यह है कि क्या यह परिदृश्य पाकिस्तान के लिए बड़ा कूटनीतिक झटका है? तो कहना न होगा कि इस बयान की सबसे तीखी प्रतिक्रिया पाकिस्तान से आई है। इस्लामाबाद ने इसे अपनी दशकों पुरानी कश्मीर कूटनीति के प्रतिकूल माना और अमेरिकी राजनयिक को तलब किया। पाकिस्तान के लिए समस्या सिर्फ गोर का बयान नहीं है, बल्कि समस्या यह है कि यदि अमेरिका जैसा प्रभावशाली देश धीरे-धीरे कश्मीर को भारत-पाकिस्तान के विवाद की भाषा से हटाकर भारत के महत्वपूर्ण हिस्से की भाषा में संबोधित करने लगे, तो पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक रणनीति कमजोर हो सकती है। पांचवां सवाल यह है कि क्या चीन का कोण भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता? तो जवाब होगा कि गोर का कार्यक्रम केवल श्रीनगर तक सीमित नहीं रहा; वह लद्दाख भी गए। यह समय विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि लद्दाख भारत-चीन सीमा-सुरक्षा के दृष्टिकोण से अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र है। इसलिए यात्रा का एक व्यापक संदेश यह भी हो सकता है कि अमेरिका भारत के पश्चिमी और उत्तरी दोनों रणनीतिक मोर्चों को अपने इंडो पेसेफिक और साउथ सेंट्रल एशिया दृष्टिकोण से देख रहा है।

चौराहे पर बांग्लादेश- बदलाव, अनिश्चितता और नई राह की तलाश

अगस्त 2024 में शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के पतन के बाद, बांग्लादेश ने नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में एक अंतरिम सरकार की स्थापना देखी। इस बदलाव को देश की जनता, विशेषकर युवाओं ने दूसरा स्वतंत्रता आंदोलन या सच्ची मुक्ति का नाम दिया। बांग्लादेश आज अपने इतिहास के एक ऐसे संवेदनशील मोड़ पर खड़ा है, जिसे कूटनीतिक और राजनीतिक विश्लेषक चौराहे का नाम दे रहे हैं। सत्ता के तख्तापलट, व्यापक छात्र आंदोलनों और एक दीर्घकालिक शासन के अचानक अंत के बाद, यह दक्षिण एशियाई राष्ट्र वर्तमान में एक अभूतपूर्व परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है।

(अशोक भाटिया)

जब कोई देश ऐसे चौराहे पर खड़ा होता है, तो सबसे बड़ा और यक्ष प्रश्न यही उठता है कि जाए तो जाए कहां? क्या यह देश एक पूर्ण, पारदर्शी और समावेशी लोकतंत्र की ओर बढ़ेगा, या फिर यह राजनीतिक अस्थिरता, आर्थिक मंदी और आंतरिक संघर्षों के एक ऐसे चक्रव्यूह में फंस जाएगा जिससे निकलना आने वाले दशकों तक मुश्किल हो जाएगा? यह संपादकीय इसी गंभीर प्रश्न के विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण करता है, जिसमें राजनीतिक पुनर्गठन, प्रशासनिक चुनौतियां, आर्थिक संकट, सामाजिक ताना-बाना और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के जटिल समीकरण शामिल हैं।

अगस्त 2024 में शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के पतन के बाद, बांग्लादेश ने नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में एक अंतरिम सरकार की स्थापना देखी। इस बदलाव को देश की जनता, विशेषकर युवाओं ने दूसरा स्वतंत्रता आंदोलन या सच्ची मुक्ति का नाम दिया। छात्र आंदोलनों ने जिस तरह एक शक्तिशाली शासन को उखाड़ फेंका, उसने पूरी दुनिया को चौंका दिया। लेकिन सत्ता बदल देना जितना चुनौतीपूर्ण होता है, व्यवस्था को संभालना और एक नई पारदर्शी प्रणाली का निर्माण करना उससे कहीं अधिक जटिल होता है। शुरुआती दौर में जो उत्साह और उम्मीदें थीं, वे धीरे-धीरे प्रशासनिक और व्यावहारिक चुनौतियों के धरातल पर आकर थमती दिखाई दे रही हैं। अंतरिम सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह देश में सामान्य स्थिति कब और कैसे बहाल करे, और एक ऐसी लोकतांत्रिक प्रक्रिया की शुरुआत करे जो निष्पक्ष, पारदर्शी और सर्वस्वीकार्य हो।

जब एक लंबा राजनीतिक ढांचा अचानक ढह जाता है, तो देश में एक बड़ा राजनीतिक शून्य पैदा हो जाता है। बांग्लादेश वर्तमान में इसी शून्यता से जूझ रहा है। अवामी लीग के कमजोर होने के बाद, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी और जमात-ए-इस्लामी जैसी पार्टियां राजनीतिक पटल पर फिर से सक्रिय हो गई हैं। इस चौराहे पर खड़ा बांग्लादेश अगर सही दिशा में कदम बढ़ाना चाहता है, तो उसे सबसे पहले अपनी लोकतांत्रिक संस्थाओं को पुनर्जीवित करना होगा। देश में एक ऐसे स्वतंत्र और शक्तिशाली चुनाव आयोग की आवश्यकता है, जिस पर सभी राजनीतिक दलों

और आम जनता को पूरा भरोसा हो। अतीत में चुनावों की निष्पक्षता पर लगे दागों को धोना इस नए आयोग की सबसे बड़ी परीक्षा होगी।

इसके साथ ही, केवल सरकार बदल देना काफी नहीं है। जब तक पुलिस, न्यायपालिका और नौकरशाही का राजनीतिकरण बंद नहीं होगा, तब तक किसी भी नए लोकतांत्रिक ढांचे की नींव कमजोर ही रहेगी। अंतरिम सरकार ने इसके लिए विभिन्न आयोगों का गठन किया है, लेकिन इन सुधारों को जमीन पर उतारना एक लंबी और कठिन प्रक्रिया है। देश में एक ऐसा राजनीतिक माहौल तैयार करना होगा जहां हर विचारधारा को अपनी बात रखने का मौका मिले, बशर्ते वह लोकतांत्रिक मूल्यों के दायरे में हो। प्रतिशोध की राजनीति को छोड़कर समावेशी राजनीति को अपनाना ही बांग्लादेश को इस चौराहे से सुरक्षित बाहर निकाल सकता है। राजनीतिक उथल-पुथल का सबसे सीधा और गहरा असर किसी भी देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। बांग्लादेश, जो कभी विकास दर के मामले में दक्षिण एशिया का चमकता सितारा माना जाता था, आज गंभीर आर्थिक चुनौतियों से घिरा हुआ है। लंबे समय तक चले कर्फ्यू, हड़तालों, इंटरनेट शटडाउन और कारखानों के बंद रहने के कारण देश की आर्थिक रीढ़ को भारी नुकसान पहुंचा है। बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था का मुख्य स्तंभ उसका रेडीमेड गारमेंट उद्योग है। देश के कुल निर्यात का लगभग 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सा इसी क्षेत्र से आता है और यह लाखों लोगों, विशेषकर महिलाओं को रोजगार देता है। राजनीतिक अस्थिरता के कारण कई विदेशी खरीदारों ने अपने ऑर्डर वियतनाम, भारत और कंबोडिया जैसे देशों की तरफ मोड़ दिए हैं। अगर बांग्लादेश को अपनी अर्थव्यवस्था को बचाना है, तो उसे जल्द से जल्द इन कारखानों में पूर्ण सुरक्षा और निर्बाध उत्पादन सुनिश्चित करना होगा ताकि वैश्विक बाजारों में उसका खोया हुआ भरोसा वापस लौट सके। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बांग्लादेश एक बेहद महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक चौराहे पर खड़ा है। बंगाल की खाड़ी में अपनी रणनीतिक स्थिति के कारण बांग्लादेश हमेशा से वैश्विक शक्तियों के आकर्षण का केंद्र रहा है। भारत, चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका और पश्चिम के देशों के साथ संबंधों को संतुलित करना अंतरिम और आने वाली चुनी हुई सरकार के लिए एक बहुत बड़ी कूटनीतिक परीक्षा होगी। भारत और बांग्लादेश का इतिहास, संस्कृति और भूगोल एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। शेख हसीना के कार्यकाल में दोनों देशों के संबंध अपने सबसे सुनहरे दौर में थे। सत्ता परिवर्तन के बाद, भारत के लिए बांग्लादेश में एक नया कूटनीतिक परिदृश्य सामने आया है। बांग्लादेश की नई सरकार ने स्पष्ट किया है कि वह भारत के साथ पारस्परिक सम्मान और समानता के आधार पर मजबूत संबंध बनाए रखना चाहती है। दोनों देशों के बीच सीमा सुरक्षा, तीस्ता जल विवाद, व्यापार और पारगमन जैसे कई महत्वपूर्ण मुद्दे हैं, जिनका समाधान परिपक्व कूटनीति के माध्यम से ही निकाला जा सकता है। भारत के लिए भी यह जरूरी है कि वह बांग्लादेश की जनता की लोकतांत्रिक आकांक्षाओं का सम्मान करे और वहां की नई व्यवस्था के साथ रचनात्मक जुड़ाव बनाए रखे।

दूसरी तरफ, चीन बांग्लादेश के बुनियादी ढांचे के विकास में एक बड़ा साझेदार रहा है। वह इस बदलाव के दौर में भी अपने आर्थिक हितों को सुरक्षित रखने की कोशिश कर रहा है। इसके समानांतर, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय संघ ने बांग्लादेश में लोकतांत्रिक सुधारों और मानवाधिकारों की बहाली का पुरजोर समर्थन किया है। बांग्लादेश को इस बात का ध्यान रखना होगा कि वह महाशक्तियों की आपसी प्रतिस्पर्धा का अखाड़ा न बने, बल्कि अपनी विदेश नीति को देश के आर्थिक और रणनीतिक हितों के अनुरूप संचालित करे। किसी भी एक गुट की तरफ झुकाव देश की संप्रभुता और आर्थिक विकास के लिए नुकसानदेह साबित हो सकता है। चौराहे पर बांग्लादेश, जाए तो जाए कहां? इस प्रश्न का उत्तर किसी एक व्यक्ति या एक सरकार के पास नहीं है। इसका उत्तर बांग्लादेश की सामूहिक चेतना, उसके राजनीतिक दलों की परिपक्वता और उसके युवाओं के संकल्प में छिपा है। बांग्लादेश के पास इतिहास रचने और एक नए, समृद्ध व लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में उभरने का यह एक अभूतपूर्व अवसर है। लेकिन इस मार्ग पर चलते हुए उसे अति-राष्ट्रवाद, प्रतिशोध की राजनीति, धार्मिक कट्टरता और आर्थिक कुप्रबंधन के गड्ढों से बचना होगा। एक ऐसी व्यवस्था का निर्माण करना जहां कानून का शासन सर्वोपरि हो, जहां अर्थव्यवस्था का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, और जहां हर नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सुरक्षा की गारंटी मिले। दुनिया उम्मीद और कौतूहल के साथ बांग्लादेश की ओर देख रही है, और यह समय बांग्लादेश के नेतृत्व के लिए अपनी दूरदर्शिता और दृढ़ता साबित करने का है। वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार, लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

बाबा गोरखनाथ धाम में श्रावण की अंतिम सोमवारी को शिव भक्तों की उमड़ी भीड़

ढाई लाख से अधिक शिव भक्तों व कांवरियों ने किया जलाभिषेक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सालमारी (कटिहार)। सावन की अंतिम सोमवारी के अवसर पर मिनी बाबा धाम के नाम से प्रसिद्ध गोरखनाथ धाम मंदिर में शिव भक्तों का जन सैलाब उमड़ पड़ा। अंतिम सोमवारी के मौके पर ढाई लाख के करीब श्रद्धालुओं ने बाबा के दरबार में पहुंच कर अपनी मनोकामना पूरी होने के लिए आशीर्वाद प्राप्त किये। इस अवसर पर बारसोई एसडीओ राजु कुमार, एसडीपीओ अजय कुमार, सीओ अजय कुमार सिंह, सालमारी थाना अध्यक्ष जुली कुमारी दल-बल के साथ उपस्थित हो कर श्रधालुओं की सुविधा पर विशेष ध्यान दिये। यहां दुर दराज से पश्चिम बंगाल सहित पड़ोसी देश से भी शिवभक्त पहुंचते हैं। पटना से हेलीकॉप्टर लेंडिंग में देरी के कारण बाबा गोरखनाथ धाम शिव मंदिर प्रांगण में पुष्प वर्षा में देरी हुई। हेलीकॉप्टर पुष्प वर्षा 1:20 मिनट पर पहुंच कर बाबा गोरखनाथ धाम में पुष्प वर्षा की। यह ऐतिहासिक पल को यादगार बनाने को लेकर पूर्व उपमुख्यमंत्री सह सदर विधायक तारकिशोर प्रसाद, प्राणपुर विधायक निशा सिंह, बलरामपुर विधायक संगीता देवी सहित अन्य गणमान्य लोग मौके पर उपस्थित होकर इस पुष्प वर्षा में शामिल हुए।अंतिम सोमवारी पर शिव भक्तों ने भगवा वस्त्र धारण कर हर हर महादेव,जय भोले नाथ, जय श्रीराम, बोल-बम के नारों से क्षेत्र भक्तिमय हो गया। सावन के अंतिम सोमवारी के मौके पर क्षेत्र के छोटे बड़े शिवालयों में सुबह से ही मंदिरों में जल चढ़ाने के लिए भक्तों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। पूजा अर्चना को लेकर महिलाओं एवं युवतियों में खासा उत्साह देखा गया। नवविवाहिता अपने पति की लंबी आयु एवं सुख शांति एवं युवतियां सुंदर वर के लिए सोमवार को सुबह से ही विभिन्न शिवालयों में पूजा अर्चना कर अपनी मनोकामना पूर्ण होने के लिए आशीर्वाद मांगा। ओम नमः शिवाय एवं बोल बम के जयकारे के बीच भक्तों ने शिवलिंग पर जलाभिषेक कर पूजा अर्चना की। अंतिम सोमवारी को लेकर बाबा गोरखनाथ धाम में करीब ढाई लाख के करीबन शिवभक्तों ने जल अर्पित किया।सुबह से ही गोरखनाथ धाम में जल चढ़ाने को लेकर शिव भक्तों का जनसैलाब पहली सोमवारी से अंतिम सोमवारी तक जारी रहा। इस दौरान शिवभक्तों की सुविधा के लिए हर तरह की व्यवस्था की गयी थी। कमेटी के सचिव पिंटू यादव, उपाध्यक्ष अक्षय सिंह, कोषाध्यक्ष दिलीप कुमार सिंह, श्यामनाथ यादव, निताई यादव, श्याम अग्रवाल, पंचानंद यादव, प्रदीप शर्मा, नारायण बीन, चन्दन यादव, देवनारायण नुनिया, राजेश भगत, सुरेश दास, अमित अग्रवाल, पिंटू साह, विजय साह, गणेश बोसाक, बजरंग चौधरी,संजीव साह, रामविलास शर्मा, प्रवेश साह, फनी सिंह, कार्तिक साह, प्रशांत सिंह, बिट्टू सिंह, रत्न दास, प्रमोद अग्रवाल, सन्नी यादव, फनी दास, राजू घोष, राधाकांत घोष, मिथुन यादव, लालू दास,अंकित यादव, पुरूषोत्तम सिंह, राखल विश्वास सहित कमेटी के अन्य

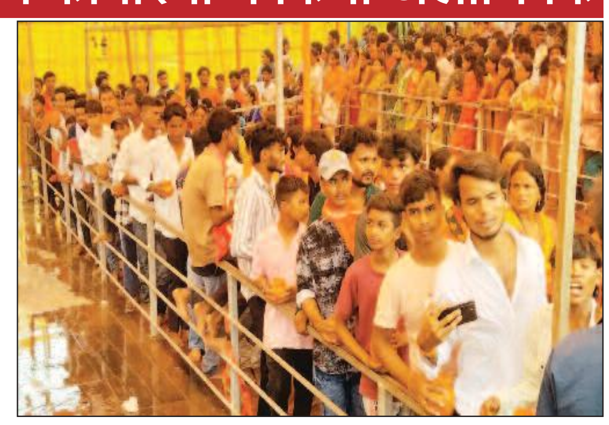

ड्रोन तकनीक से संवर रही मनसाही की खेती, किसानों में बढ़ा उत्साह

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही (कटिहार)। कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीक के बढ़ते इस्तेमाल से मनसाही प्रखंड में खेती का स्वरूप बदलने लगा है। कृषि विभाग के पौधा संरक्षण संभाग के तहत संचालित ड्रोन छिड़काव योजना अब रफ्तार पकड़ चुकी है। खेतों में कम समय में बड़े क्षेत्रफल पर दवाओं का एक समान और प्रभावी छिड़काव होने से किसानों में इस आधुनिक तकनीक को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा हैं। प्रखंड क्षेत्र में इस वर्ष बड़े पैमाने पर धान, जूट,केला और हरी सब्जियों की खेती की गई हैं। किसान पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर ड्रोन छिड़काव की सुविधा का लाभ उठा रहे हैं। वर्तमान में धान की फसल में हबीसाइड खरपतवारनाशी,जबकि जूट और हरी सब्जियों में आवश्यकतानुसार कीटनाशी दवाओं का ड्रोन से छिड़काव किया जा रहा हैं। ड्रोन तकनीक से कम समय में अधिक क्षेत्रफल को कवर करने के साथ मजदूरी और श्रम की बचत भी हो रही हैं । पूर्णिया प्रमंडल के पौधा संरक्षण उप निदेशक जावेद आलम ने किसानों की बढ़ती भागीदारी की सराहना करते हुए अधिक से अधिक किसानों से ऑनलाइन आवेदन कर योजना से जुड़ने की अपील की। उन्होंने किसानों को फसलों में आवश्यकता के अनुसार संतुलित एवं वैज्ञानिक तरीके से कृषि रसायनों का प्रयोग करने की सलाह दी। मौके पर पौधा संरक्षण विभाग के वरीय लिपिक ने कृषि क्लीनिक संचालकों एवं ड्रोन सेवा प्रदाता कर्मियों के साथ किसानों को पौधा संरक्षण से जुड़ी विभिन्न योजनाओं, ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया तथा कृषि रसायनों के सुरक्षित एवं उचित उपयोग की जानकारी दी। समय,श्रम और लागत में राहत ड्रोन से छिड़काव करा रहे किसानों का कहना हैं कि पारंपरिक तरीके की तुलना में यह तकनीक काफी सुविधाजनक हैं । कम समय में बड़े खेतों में समान रूप से छिड़काव होने से श्रम और समय दोनों की बचत हो रही हैं। किसानों ने ड्रोन तकनीक को आधुनिक खेती की दिशा में एक उपयोगी और राहत देने वाला कदम बताया। इस अवसर पर पौधा संरक्षण विभाग के वरीय लिपिक जावेद खां, कृषि क्लीनिक संचालक राहुल आनंद, महिमा कुमारी, मो. गुलजार, ड्रोन सेवा प्रदाता के कर्मी सहित किसान अंजन मंडल, विजय कुमार यादव, कुमार शेखर, गंगा मंडल, सुरेश कुमार यादव, गीता देवी, प्रमिला देवी, पूनम देवी, जानकी देवी, मधुबाला देवी, शीला देवी, ममता देवी, सुनीता देवी आदि उपस्थित थे ।

संक्षिप्त समाचार

कांवरिया यात्रा मार्ग का स्थलीय निरीक्षण

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। शहर में कांवड़िया यात्रा को लेकर यात्रा मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया गया। मनिहारी गंगा तट से पवित्र जल भरकर बड़ी संख्या में श्रद्धालु कटिहार के दुर्गास्थान परिसर में विश्राम करते हुए गोरखनाथ धाम मंदिर में जल अर्पित करने जाते हैं।कांवड़िया श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुगम यात्रा को ध्यान में रखते हुए यात्रा मार्ग की व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान मार्ग में साफ-सफाई, यातायात व्यवस्था, पेयजल सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं की स्थिति की जानकारी ली गई तथा संबंधित अधिकारियों को श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।इस दौरान महापौर उषा देवी अग्रवाल, उप महापौर मंजूर खान, नगर आयुक्त संतोष कुमार, कनीय अभियंता अजय सिंह, स्थानीय निगम पार्षद प्रमोद महतो एवं नगर निगम के अन्य पदाधिकारी व कर्मी उपस्थित रहे। नगर निगम प्रशासन ने कहा कि कांवड़िया श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सुगम यात्रा सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता है। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए नगर निगम द्वारा आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की जा रही हैं।

श्रावण मास की अंतिम सोमवारी पर शिवलिंग पर जल चढ़ाने को उमड़ी भीड़

मनसाही/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। श्रावण माह की अंतिम सोमवारी को लेकर क्षेत्र के विभिन्न शिव मंदिरों में भक्तों की भीड़ रही। जल चढ़ाने वालों में महिला भक्तों की भीड़ अधिक रही। सुबह से ही जल चढ़ाने वाले भक्त लाइन में खड़े होकर अपनी अपनी बारी का इंतजार करते हुए नजर आए। कई भक्तों ने मनिहारी अवस्थित गंगा घाट से जल भरकर अपने-अपने निकट के शिव मंदिरों में जल चढ़ाया। श्रावण माह की अंतिम सोमवारी एवं श्रावण माह के पूर्णिमा को लेकर मंदिरों को आकर्षक रंग रोगन एवं बिजली की रोशनी से सजाया गया था। मंदिर में घुसने के लिए जगह-जगह तोरण द्वार भी लगाए गए थे। भक्तों ने शिवलिंग पर जल चढ़ाते हुए परिवार और समाज कल्याण की कामना किए। स्थानीय मंदिर कमेटी के सदस्य भीड़ को नियंत्रित करने को लेकर काफी सक्रिय दिखे।

भैरव विश्वकर्मा मंदिर में किया गया आलौकिक शिव श्रृंगार

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। शहर के अमला टोला स्थित भैरव विश्वकर्मा मंदिर मे सावन मास के अंतिम सोमवारी को आलौकिक शिव श्रृंगार किया गया। मंदिर प्रबंध समिति के सदस्यों ने बताया कि प्रत्येक सोमवार किये जानेवाले शिव श्रृंगार में अभिषेक कुमार मंडल की भूमिका अत्यंत सराहनीय रहती है। उनके द्वारा किये गये आलौकिक शिव श्रृंगार अत्यंत मोहक होती है। जो देखते बनता है। महिला मंडली एक पिंकी सिंह, प्रियंका कुमारी, कल्याणी कुमारी, कल्याणी कुमारी, मौसमी ठाकुर, रिद्धि सरगम के साथ कई महिला का सहयोग रहा। मौके एक अध्यक्ष उमाशंकर गुप्ता, सचिव मनोज शर्मा, देवराज शर्मा, पुरुषोत्तम मोदी,रामदेव शर्मा, आलोक सिंहा, ललन केशरी, प्रमोद मंडल, के साथ अन्य सदस्यों का भी सहयोग बराबर मिलता रहा है। पंडितों के द्वारा भव्य आरती की गई।

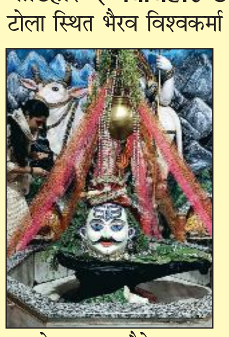

पुलिस ने जमीन के अंदर छिपाकर रखी देसी शराब बरामद की

समेली/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। जिले में मद्यनिषेध अभियान को लेकर पोठिया थाना पुलिस ने नशे के कारोबार के खिलाफ जोरदार छापेमारी अभियान चलाया। पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप मच गया। छापेमारी के दौरान ग्राम डूमर स्थित आदिवासी बस्ती में करीब 800 लीटर कच्चा मावा नष्ट किया गया। वहीं, पुलिस ने जमीन के अंदर छिपाकर रखी गई करीब 65 लीटर देशी चुलाई शराब भी बरामद की। पुलिस की कार्रवाई के दौरान अवैध शराब निर्माण में इस्तेमाल होने वाले कच्चे मावे को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। बताया जा रहा है कि शराब कारोबारियों द्वारा पुलिस से बचने के लिए चुलाई शराब को जमीन के अंदर छिपाकर रखा गया था, जिसे छापेमारी के दौरान पुलिस ने बरामद कर लिया। यह कार्रवाई पोठिया थानाध्यक्ष नवीन कुमार के नेतृत्व में की गई। छापेमारी टीम में पुअनि धर्मेंद्र कुमार, महिला पुलिस बल, सशस्त्र पुलिस बल एवं चौकीदार शामिल रहे। पुलिस के अनुसार बरामद देशी चुलाई शराब के संबंध में अग्रिम विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है। वहीं, करीब 800 लीटर कच्चा मावा नष्ट किए जाने से अवैध शराब निर्माण करने वालों के बीच हड़कंप मचा हुआ है। पोठिया पुलिस की इस कार्रवाई से साफ है कि क्षेत्र में अवैध शराब निर्माण और नशे के कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

सावन की आखिरी सोमवारी को शिवालयों में उमड़ी भीड़

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

डंडखोरा (कटिहार)। सावन मास की आखिरी सोमवारी को लेकर प्रखंड क्षेत्र के सभी शिवालयों में अन्य सोमवारी की अपेक्षा अधिक भीड़ देखी गई।सुबह से हीं शिवालयों में पूजा-अर्चना की भीड़ लगी शुरू हो गई थी।जिसमें महिला एवं कुंवारी कन्याओं की संख्या अधिक रही। व्रती गंगाजल, दूध, फूल, बेलपत्र, नैवेद्य, धूप, दीप आदि पूजन सामग्री देवाधिदेव को अर्पण कर अपने तथा अपने परिवार की सुख-समृद्धि तथा अन्य मनोकामना की सिद्धि के लिये प्रार्थना किया। बताया जाता है कि सावन मास एवं सोमवार का दिन महादेव का होता है। वहीं यह भी मान्यता है कि सावन मास में महादेव को शीतलता प्रदान करने वाला जल, दूध, बेलपत्र आदि सामग्री चढाने से वे प्रसन्न होते हैं। इस मास में लोग मांसाहार सेवन से परहेज करते हैं। मास की समाप्ति रक्षाबंधन 28 अगस्त को होगी। सोमवारी को लेकर प्रखंड क्षेत्र के सौरिया, डुमरिया, बलुआ टोला, भड्डाबाड़ी, संगत टोला आदि शिव मंदिरों में शिवभक्तों की भाड़ी जुटान देखी गई। जबकि रघेली, पटहरा, बिजैली, गोरफर आदि मंदिरों में भी लोगों ने जलाभिषेक किया। सोमवारी को लेकर मनिहारी से कांवर में गंगाजल लेकर विभिन्न मंदिरों के लिए प्रखंड क्षेत्र होकर जाने वाले कांवरियों की संख्या भी खासी देखी गई। पुलिस प्रशासन को भी मुख्य सड़क पर लगातार गश्ती करते देखा गया। मंदिरों में बजने शिव भजन से क्षेत्र का वातावरण देर शाम तक शिवभक्तिमय बना रहा।

बाबा गोरखनाथ धाम में भक्तों पर हेलीकाप्टर से पुष्प वर्षा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सालमारी (कटिहार)। बाबा गोरखनाथ धाम शिव मंदिर प्रांगण में श्रावण के अंतिम सोमवारी के अवसर पर मंदिर परिसर में कांवरियों के स्वागत के लिए हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा किये जाने पर श्रद्धालुओं झूम उठे। सोमवार को दोपहर 1.20 बजे श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा हुई। मंदिर न्यास कमेटी के सचिव पिंटू यादव ने बताया की अंतिम सोमवारी के अवसर पर श्रद्धालुओं के सम्मान में पुष्प वर्षा एक ऐतिहासिक पल था। पुष्प वर्षा का स्वागत करते हुए मंदिर कमेटी के सचिव पिंटू यादव, उपाध्यक्ष अक्षय सिंह, कोषाध्यक्ष दिलीप कुमार सिंह, श्यामानाथ यादव, निताई यादव, श्याम अग्रवाल, पंचानंद यादव, प्रदीप शर्मा, नारायण बीन, चन्दन यादव, देवनारायण नुनिया, राजेश भगत, सुरेश दास, पिंटू साह, विजय साह, गणेश बोसाक, बजरंग चौधरी, संजीव साह, रामविलास शर्मा, प्रवेश साह, फनी सिंह, राजू घोष, राधाकांत घोष, मिथुन यादव, लालू दास, अंकित यादव, पुरूषोत्तम सिंह, राखल विश्वास, सहित अन्य सदस्यों ने पर्यटन विभाग के प्रति आभार व्यक्त किये। वही प्रशासन की ओर से चुस्त-दुरुस्त व्यवस्था देखी गई।

गंगा घाट पर आस्था का सैलाब, हर-हर महादेव से गूंजा तट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी (कटिहार)। सावन के पावन महीने में रविवार को मनिहारी गंगा घाट पर आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही गंगा घाट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटने लगी। हर-हर महादेव के जयघोष के बीच लाखों श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई और पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। स्नान के बाद श्रद्धालु गंगाजल भरकर अपने-अपने गंतव्य के शिवालयों की ओर रवाना हुए। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में रहा। गंगा घाट पर सुरक्षित स्नान को लेकर व्यापक स्तर पर बैरिकेडिंग की गई थी। घाट के चप्पे-चप्पे पर प्रशासन की पैनी नजर रही। लगातार पुलिस गश्त के साथ जगह-जगह पुलिस बल की तैनाती की गई थी। श्रावणी मेले को लेकर दंडाधिकारी के नेतृत्व में प्रशासनिक टीम भी लगातार व्यवस्था का जायजा लेती रही। सुरक्षित स्नान के लिए विशेष इंतजाम किया गया।श्रद्धालुओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए घाट पर बैरिकेडिंग के साथ एसडीआरएफ की टीम को भी तैनात रखा गया। टीम लगातार गंगा घाट और स्नान क्षेत्र की मॉनिटरिंग करती रही। प्रशासनिक अधिकारियों अनुमंडल पदाधिकारी त्रिलोकी नाथ सिंह, प्रभारी एसडीपीओ आसिफ आलम, थानाध्यक्ष संतोष कुमार झा और पुलिस जवानों ने भीड़ को नियंत्रित करने के साथ श्रद्धालुओं को सुरक्षित तरीके से स्नान कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गंगा घाट पर उमड़ी भीड़ के कारण पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना रहा। चारों ओर हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारों से वातावरण गूंजता रहा। श्रद्धालुओं की आस्था और प्रशासन की मुस्तैदी से सावन का यह दिन मनिहारी गंगा घाट पर भक्ति और सुरक्षा के संदेश के साथ खास बन गया।

100 ग्राम स्मैक के साथ एक गिरफ्तार, बाइक व मोबाइल जब्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बलरामपुर (कटिहार)। बलरामपुर पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत रविवार की रात बड़ी कार्रवाई करते हुए बजर गांव चेकपोस्ट के समीप गश्ती के दौरान 100 ग्राम स्मैक बरामद किया है। पुलिस ने मौके से एक व्यक्ति को गिरफ्तार करने के साथ एक मोटरसाइकिल और मोबाइल फोन भी जब्त किया है। बरामद स्मैक की अनुमानित कीमत करीब 10 लाख रुपये बताई जा रही है। इस संबंध में बलरामपुर थानाध्यक्ष विकास कुमार ने बताया कि रविवार की रात पुलिस टीम गश्त पर थी। इसी दौरान बजर गांव चेकपोस्ट के पास संदिग्ध गतिविधि के आधार पर जांच की गई। तलाशी के दौरान 100 ग्राम स्मैक बरामद हुआ। मामले में फहीम पिता स्वर्गीय मो. सफीक निवासी चेरिया मोड़, वार्ड संख्या 9, घुसकी टोला, थाना बैसी, जिला पूर्णिया को गिरफ्तार किया गया।पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल और मोबाइल फोन भी जब्त किया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि जब्त स्मैक की बाजार में अनुमानित कीमत करीब 10 लाख रुपये है। पुलिस गिरफ्तार आरोपित से पूछताछ कर नशीले पदार्थ की आपूर्ति से जुड़े अन्य लोगों और नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटा रही है।पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में नशीले पदार्थों के कारोबार में संलिप्त लोगों में हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि नशे के कारोबार के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

श्रावण सोमवारी पर शिवालय में धार्मिक कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी (कटिहार)। श्रावण मास के पावन अवसर पर मनिहारी स्थित शिवालय में सोमवार को भव्य धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है। आयोजन का समय दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक निर्धारित किया गया है। आयोजन समिति के अनुसार कार्यक्रम में शिवसेना रामायण मंडली, मनिहारी द्वारा संगीतमय धार्मिक प्रस्तुति दी जाएगी। इस अवसर पर स्थानीय एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। कार्यक्रम में भगवान शिव की भक्ति, भजन-कीर्तन और धार्मिक प्रसंगों की प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र होगी। कार्यक्रम के प्रोप्रेराईटर स्वर्गीय भीम नारायण भीम व्यास जी, महामंत्री अभय कुमार सिंह तथा संचालक एवं गायक छविलाल बिहारी हैं। आयोजन को सफल बनाने में व्यास मोहन व्यास सहित अन्य कलाकार और सहयोगी अपनी भूमिका निभायी। भक्तिजागरण में ढोलक पर विपिन बनवारी, पैड पर शिव प्यारे, बैंजो पर गौरव केसरी तथा जोड़ी व अन्य वाद्य यंत्रों पर स्थानीय कलाकार प्रस्तुति दिया। बाल कलाकार मानस कुमार सुमन भी कार्यक्रम में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। आयोजकों ने क्षेत्र के श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर भगवान शिव की आराधना एवं संगीतमय धार्मिक कार्यक्रम का आनंद लेने की अपील की है। श्रावण सोमवारी को लेकर शिवालय परिसर में धार्मिक माहौल बने रहने की उम्मीद है।

महिला को खंभे से बांधकर पीटने वाला मुख्य आरोपी पूर्व पति गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आजमनगर (कटिहार)। थाना क्षेत्र के रामपुर कदमगाछी गांव में एक महिला को खंभे से बांधकर बेरहमी से पीटने और कपड़े फाड़कर उसके साथ अमानवीय व्यवहार किए जाने का कथित वीडियो वायरल होने का मामला प्रकाश में आने के आजमनगर थाने में मामला दर्ज कराया गया था।। इस बाबत घटना को लेकर पीड़िता ने आजमनगर थाना क्षेत्र के जलकी पंचायत अंतर्गत रामपुर गांव के मोहम्मद नाहिद समेत परिवार के अन्य लोगों पर आजमनगर थाने में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई थी। आजमनगर पुलिस द्वारा मामले को लेकर प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मामला सुर्खियां में आने के बाद आजमनगर पुलिस हरकत में आई। अंततः मुख्य आरोपी पूर्व पति मोहम्मद नाहिद को आजमनगर पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जबकि अन्य कई आरोपी अभी भी पुलिस गिरफ्त से बाहर है। पीड़िता के अनुसार रामपुर गांव के मोहम्मद नाहिद द्वारा कथित रूप से अपने परिवार के साथ मिलकर उसके साथ मारपीट किया था। मारपीट के दौरान उसके कपड़े फाड़ दिए गए थे और उसे खंभे से बांधकर काफी देर तक पीटा गया था। इस दौरान मौके पर मौजूद लोग कथित तौर पर तमाशाबीन बने रहे। किसी ने महिला को बचाने का प्रयास नहीं किया। 112 नंबर पर सूचना पाकर आजमनगर पुलिस द्वारा घटनास्थल से पीड़िता को छुड़ाकर उनके घर भेजा गया था। मामले को लेकर थाना अध्यक्ष नीरज कुमार ने बताया कि मुख्य अभियुक्त मोहम्मद नाहिद को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत भेज दिया गया है जबकि अन्य की गिरफ्तारी हेतु अग्रेत्तर कार्रवाई की जा रही है।

सितंबर के प्रथम सप्ताह तक लाभुक आवास पूरा करें : नगर आयुक्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार । प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत अधूरे आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने के उद्देश्य से कटिहार नगर निगम की ओर से सोमवार से 15 दिवसीय विशेष आवास पूर्ण महाअभियान की शुरूआत की गई। इस अभियान के तहत नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या 1 से 45 तक लाभार्थियों के साथ वार्डवार बैठक कर आवास निर्माण की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। अभियान के प्रथम दिन वार्ड संख्या 39 एवं 41 में लाभार्थियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में वार्ड 39 के पार्षद बिपीन बिहारी चौबे तथा वार्ड 41 के पार्षद प्रतिनिधि सौरभ मालाकार उपस्थित रहे।बैठक के दौरान नगर आयुक्त संतोष कुमार ने लाभार्थियों से व्यक्तिगत रूप से एक-एक कर बातचीत की तथा आवास निर्माण में आ रही समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने प्रथम अथवा द्वितीय किस्त की राशि प्राप्त कर चुके, लेकिन अब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं करने अथवा आवास को अधूरा छोड़ने वाले लाभार्थियों को शीघ्र निर्माण कार्य पूरा करने के लिए प्रेरित किया। नगर आयुक्त श्री कुमार ने स्पष्ट किया कि एचएफए 1.0 के आवासों को सितंबर 2026 तक पूर्ण कराने का विभागीय निर्देश प्राप्त हुआ है। उन्होंने लाभार्थियों से अपील की कि वे सितंबर माह के प्रथम सप्ताह तक हर हाल में अपने आवास का निर्माण पूर्ण कर लें, ताकि सरकार से मिलने वाली शेष सहायता राशि उन्हें ससमय उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने कहा कि जिन लाभार्थियों ने अभी तक निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया है, वे बिना विलंब निर्माण कार्य शुरू करें और निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवास पूर्ण करें। सितंबर के बाद आवास पूर्ण करने वाले लाभार्थियों को सरकारी सहायता राशि प्राप्त करने में कठिनाई हो सकती है, इसलिए सभी लाभार्थियों को इसे सर्वोच्च प्राथमिकता देने की अपील की गई। उन्होंने कहा कि एचएफए 1.0 के आवासों को सितंबर 2026 तक पूर्ण कराने के विभागीय निर्देश के अनुपालन में नगर निगम द्वारा यह विशेष 15 दिवसीय अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान वार्डवार बैठक आयोजित कर लाभार्थियों की समस्याओं का समाधान, निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा तथा आवास पूर्ण कराने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया जाएगा। नगर निगम का स्पष्ट संदेश है कि लाभार्थी निर्धारित समय -सीमा के भीतर अपने आवास को पूर्ण करें, ताकि उन्हें सरकार की सहायता राशि ससमय प्राप्त हो सके और ह्लसबके लिए आवासह्व के लक्ष्य को धरातल पर प्रभावी रूप से पूरा किया जा सके।

30 की उम्र से पहले हेल्थ इंश्योरेंस का स्मार्ट मूव! कम प्रीमियम पर बड़े फायदे

नई दिल्ली, एजेंसी। आज के समय में भागदौड़ भरी इस जिंदगी में खान-पान को लेकर काफी सतर्कता जरूरी हो जाती है। आजकल तो युवाओं जिनकी उम्र खासकर के 18 से 30 के बीच है, उनको भी कई सारी स्वास्थ्य संबंधित परेशानियां होती हुई दिख रही हैं। इसको देखते हुए डॉक्टर्स लोगों से अच्छे और शुद्ध भोजन खाने की सलाह देते हैं। जीवन की कुछ अहम चीजों में से आपकी अपनी हेल्थ भी है, जिसका हमेशा ख्याल रखना जरूरी होता है।

इसको लेकर कई सारी सावधानियां बरतनी होती है, लेकिन फिर भी अगर कोई बीमारी हो या फिर स्वास्थ्य संबंधित कोई दिक्कत हो तो इसके लिए लोग हेल्थ इंश्योरेंस की ओर रुख करते हैं। इसको देखते हुए वे किसी न किसी बीमा कंपनी से अपनी बीमा जरूर कराते हैं। हेल्थ इंश्योरेंस कराने से कई सारे फायदे होते हैं। हम यहां आपको कुछ ऐसे खास फायदे बताने जा रहे हैं, जो आपके स्वास्थ्य संबंधित बीमारियों के समय मदद कर सकते हैं। ये फायदे हेल्थ इंश्योरेंस के हैं, अगर आप इस बीमा को 30 साल से पहले करा लेते हैं। हमारे देश में हेल्थ इंश्योरेंस लेने पर टैक्स फायदे भी मिलते हैं। आयकर की धारा 80डी के तहत आप हेल्थ इंश्योरेंस छूट पा सकते हैं। नियमानुसार, आप अपने, प प्रतिशती, बच्चों और माता-पिता के हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम पर सालाना एक लाख रुपये (अधिकतम संभावित लाभ) तक टैक्स छूट लेने के लिए दावा कर सकते हैं। आप हेल्थ इंश्योरेंस के जरिए बीमा कंपनियों के रिवॉर्ड और फ्री हेल्थ चेकअप की भी सुविधा ले सकते हैं। फिट रखता है तो इस मामले में कुछ इंश्योरेंस कंपनियां रिवॉर्ड ऑफर भी करती हैं।

30 की उम्र से पहले हेल्थ इंश्योरेंस का स्मार्ट मूव!

वैसे तो हेल्थ इंश्योरेंस को 91 दिन से लेकर 65 वर्ष की उम्र तक लिया जा सकता है, लेकिन सस्ता प्रीमियम के मुनाफे के लिए इसे 30 वर्ष की उम्र तक को अच्छा बताया गया है। इसे एक स्मार्ट मूव भी कहा जाता है। यहां खास बात यह भी है कि बीमा नियामक आईआरडीएआई के नियमों के मुताबिक, नई बीमा खरीदने के लिए कोई अधिकतम उम्र सीमा की बाध्यता नहीं है।

कम प्रीमियम का फायदा

आप जितनी कम उम्र में हेल्थ इंश्योरेंस लेते हैं, उसके प्रीमियम भुगतान में उतना ही अच्छा फायदा होता है। मतलब कि मान लीजिए अगर आपने 30 की आयु तक या उससे पहले अपना हेल्थ इंश्योरेंस करा लिया तो, इसका प्रीमियम अधिक उम्र वालों की तुलना में कम लगता है। इसकी वजह यह मानी गई है कि कम उम्र में इंसान अधिक उम्र वालों की तुलना में ज्यादा स्वस्थ होता है। इसलिए कम प्रीमियम का भुगतान करना होता है। बाकी उम्र बढ़ती जाती है और आप 30 के बाद हेल्थ इंश्योरेंस कराते हैं तो इसके लिए आपको अधिक प्रीमियम देना पड़ सकता है।

कम पैसे में अच्छा इलाज

30 से कम की उम्र में हेल्थ इंश्योरेंस को लेकर आपका प्रीमियम सस्ता होता है। आप जिस किसी भी कंपनी से अपनी ये बीमा कराते हैं तो उनका कई बड़े-बड़े अस्पतालों से अच्छे नेटवर्क होते हैं। इस दौरान कम प्रीमियम (पैसे) में आप अच्छे और बड़े अस्पतालों में बढ़िया इलाज करा सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

चीनी के बाद अब रुला रहा प्याज, कीमत में भारी उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। चीनी के बाद अब प्याज की कीमत में उछाल आई है। पिछले एक महीने में देश के कई हिस्सों में प्याज की कीमत दोगुनी हो चुकी है। शनिवार को इसकी औसत कीमत

42 रुपये प्रति किलो हो गई, जो पिछले साल से 45 प्रतिशत और पिछले महीने से 19 प्रतिशत ज्यादा है। उपभोक्ता मामलों के विभाग के आंकड़ों के मुताबिक दिल्ली में प्याज की खुदरा कीमत 65 रुपये प्रति किलो पहुंच चुकी है जबकि एक साल पहले यह 35 रुपये थी। इसी तरह चेन्नई में प्याज 58 रुपये प्रति किलो बिक रहा था, जबकि पिछले साल यह 33 रुपये था। केरल और असम के कुछ हिस्सों में भी प्याज की कीमत ज्यादा है। मीडिया रिपोर्ट्स की मुताबिक नासिक में देश की सबसे बड़ी प्याज मंडी में कीमत में पिछले एक महीने में 76 फीसदी तेजी आई है। प्याज की कीमत बढ़ने के कई कारण बताए जा रहे हैं। मॉनसून की अनिश्चितता के कारण बुवाई में देरी, कमजोर आवक और सरकारी खरीद में गिरावट से प्याज की कीमत बढ़ी है। रही-सही कसर जमाखोरों ने पूरी कर ली। प्याज की बढ़ती कीमतों को रोकने के लिए सरकार ने बफर स्टॉक बाजार में उतारने का फैसला किया है। केंद्र सरकार आज से नासिक से दिल्ली, चेन्नई, कोच्चि और गुवाहाटी के लिए कांदा एक्सप्रेस चलाएगी। इन इलाकों में प्याज की कीमत राष्ट्रीय औसत से ज्यादा हैं। अधिकारियों का कहना है कि प्याज की कीमत को कम कीमत पर उपलब्ध कराया जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि आने वाले महीनों में प्याज की मांग को पूरा करने के लिए सरकार और किसान, दोनों के पास पर्याप्त स्टॉक है। बाजार के जानकारों का कहना है कि महाराष्ट्र में खरीफ प्याज के उत्पादन में 5-7 प्रतिशत की गिरावट की खबरों के कारण कीमतें बढ़ी हैं। महाराष्ट्र देश में प्याज का सबसे बड़ा उत्पादक है। अमूमन अगस्त-सितंबर में प्याज की कीमत में तेजी आती है। इसकी वजह यह है कि रबी की फसल का भंडार खत्म होने लगता है जबकि खरीफ की फसल आने में समय लगता है। इसी वजह से कीमतों पर दबाव पड़ता है। इस बार खराब मौसम और बुवाई में देरी ने आग में घी का काम किया है। नासिक मंडी में एक महीने पहले प्याज का भाव 2050 रुपये क्विंटल था जो अब 3,600 रुपये के पार पहुंच जाता है।

नई कार खरीदने के लिए सबसे सस्ते लोन की है तलाश

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में रक्षाबंधन के साथ कई खास पर्व और त्योहारों की शुरुआत होने जा रही है, जिनमें नवरात्रि, धनतेरस, दीपावली और अन्य शामिल हैं। इनके अलावा आने वाले समय में शादी के सीजन की भी जबरदस्त शुरुआत होने वाली है। इन खास मौकों पर भारत में कारों व अन्य वाहनों की खरीदारी की संख्या अन्य दिनों के मुकाबले बढ़ जाती है। कारों की खरीदारी के लिए कई कंपनियां बंपर छूट और अन्य सुविधाएं देती हैं। इस दौरान कई ऐसे ग्राहक होते हैं जिन्हें अपनी ड्रीम कार की खरीदारी के लिए एक सस्ते कार लोन की तलाश होती है। सस्ता लोन होने के उसकी ईएमआई (समान मासिक किस्त) आसान होती है और बिना किसी अधिक प्रेशर के हर महीने लोग कार लोन की इएमआइ को चुकाते रहे हैं। इस बीच हम आपको देश के कुछ ऐसे बैंकों की लिस्ट दे रहे हैं, जो कार लोन अपने ग्राहकों को ऑफर करते हैं। इनमें सस्ते से लेकर महंगे तक कार लोन शामिल हैं। आप अपनी सुविधा और क्षमता के हिसाब से इन बैंकों का चुनाव कर सकते हैं। देश में अलग-अलग बैंक अपने अनुसार अलग-अलग कार लोन और उसपर ब्याज दर लगाते हैं। ये सालाना ब्याज दरें आमतौर पर 8 फीसदी से लेकर 9.45 फीसदी तक होती हैं। कई बैंक इनसे भी कम और कई बार अधिक ब्याज दरों पर कार लोन देते हैं। हम यहां जून 2026 के आंकड़ों को बता रहे हैं।

भारत से तेल आयात की तैयारी में कई देश

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत अपनी उच्च तेल परिशोधन क्षमता के बूते तैयार पेट्रोलियम उत्पाद का बड़ा निर्यातक देश बन कर उभर रहा है। निर्यात गंतव्य देशों की सूची में स्पेन, फ्रांस के बाद अब मॉरीशस भी जुड़ गया है। इटली, तंजानिया, जार्डन जैसे देशों ने भी आयात बढ़ा दिया है। भू-राजनीतिक संकट और ऊर्जा आपूर्ति में उथल-पुथल के बीच भारतीय रिफाइनरियों की तकनीकी व शोधन क्षमता दुनिया भर में सराही जाती है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कहा था कि 2026 से 2030 के बीच वैश्विक रिफाइनिंग क्षमता विस्तार में भारत की प्रमुख हिस्सेदारी होगी। भारत की रणनीति है कि तमाम देशों से प्रतिस्पर्धी कीमत पर कच्चा तेल लेकर उससे पेट्रोलियम उत्पाद तैयार कर निर्यात किया जाए ताकि नए बाजारों में अपनी पकड़ बढ़ाई जा सके। हाल में भारत और मॉरीशस के बीच पांच साल का ईंधन आपूर्ति समझौता हुआ है। इसके तहत भारत मॉरीशस को पेट्रोल, हाई-स्पीड डीजल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल निर्यात करेंगी। भारत पहले से ही श्रीलंका, नेपाल और भूटान की पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति कर रहा है। भारत अमेरिकी दबाव को नजरंदाज कर रूस से कच्चा तेल खरीद रहा है, वहीं अब यूक्रेन युद्ध के चलते ऐसी स्थिति हो गई कि रूस को खुद भारत से तैयार ईंधन मंगाना पड़ रहा है। सिंगापुर, जार्डन, श्रीलंका, नीदरलैंड, यूएई, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया, तंजानिया और पूर्वी-पश्चिमी अफ्रीका के कई अन्य देश भी भारत से आयात कर रहे हैं। पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात में पिछले साल जुलाई के मुकाबले इस साल जुलाई में 67.64 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

बैंक हड़तालः सेवाएं हो सकती हैं ठप, 4 दिन तक बढ़ेंगी मुश्किलें

नई दिल्ली, एजेंसी। बैंक कर्मचारियों और अधिकारियों की संयुक्त संस्था यानी यूएफबीयू ने 11 सितंबर को देशव्यापी हड़ताल का ऐलान किया है। इस हड़ताल

की मुख्य वजह सप्ताह में पांच दिन बैंक खोलने के फैसले में लगातार हो रही देरी, पीएलआई को लेकर गहरे मतभेद और पेंशन से जुड़ी कई लंबित मांगों का अभी तक हल न होना है।

अगर यह हड़ताल होती है तो देश के कई हिस्सों में बैंकिंग सर्विसेज खासकर सरकारी बैंकों की, लगातार चार दिनों तक प्रभावित रह सकती हैं। दरअसल, 11 सितंबर शुक्रवार को पड़ रहा है और उसके बाद शनिवार-रविवार की छुट्टी है। इसके साथ ही 14 सितंबर को कई राज्यों में गणेश चतुर्थी की छुट्टी होने के कारण बैंक बंद रहेंगे।

इसके अलावा, अगर तब भी उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो 26 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू करने का भी संकेत दिया गया है। रविवार को हुई बैठक में यह फैसला इसलिए लिया गया, क्योंकि संघों के अनुसार, सरकार ने उनकी प्रमुख मांगों के प्रति नकारात्मक रवैया अपनाया हुआ है।

सप्ताह में पांच दिन बैंक खोलने का मुद्दा क्या है: संघों का कहना है कि भारतीय बैंक संघ ने 8 मार्च 2024 को 12वें द्विवार्षिक समझौते के तहत सप्ताह में पाँच दिन बैंक खोलने के प्रस्ताव को पहले ही मंजूरी दे दी थी। इसके तहत सोमवार से शुक्रवार तक काम के घंटों में 40 मिनट की बढ़ोतरी करने की बात तय हुई थी। इस प्रस्ताव को मंजूरी के लिए सरकार के पास भेज दिया था, लेकिन दो साल से ज्यादा समय बीत जाने के बावजूद यह फाइल अभी भी अटकी पड़ी है, जिससे कर्मचारियों में काफी निराशा है। दूसरा बड़ा विवाद पीएलआई को लेकर खड़ा हो गया है। सरकार ने स्केल वीआई और उससे ऊपर के बैंक अधिकारियों के लिए एक अलग पीएलआई योजना बनाई है, जिसके तहत उन्हें अपने निजी प्रदर्शन के आधार पर मूल वेतन के 365 दिनों के बराबर बड़ा इनाम मिल सकता है। जबकि, आम कर्मचारियों और स्केल तक के अधिकारियों को इस योजना के तहत अधिकतम 15 दिनों का मूल वेतन और महंगाई भत्ता ही दिया जाएगा।

आने वाले दिनों में और भी बड़ी हड़ताल की चेतावनी

यूएफबीयू ने इतना ही नहीं कहा है, बल्कि यह भी साफ कर दिया है कि अगर सरकार और बैंक प्रबंधन ने उनकी बातों पर ध्यान नहीं दिया, तो वे 28 सितंबर से तीन दिनों की लगातार हड़ताल पर चले जाएंगे। खास बात यह है कि यह तारीख छमाही लेखा-जोखा के समय पड़ रही है, जिससे बैंकों के कामकाज पर बहुत गहरा असर पड़ सकता है।

बदलाव अपनाने का रिस्क उठाना पड़ा, 10वीं पास का धमाका, पहले 30 हजार थी कमाई, अब लाखों की बरसात

नई दिल्ली, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर का डोडा जिला कभी पारंपरिक मक्के की खेती के लिए जाना जाता था। वहां के किसानों की कमाई बहुत सीमित थी। लेकिन, 10वीं पास किसान भारत भूषण के एक साहसिक प्रयोग ने इस पूरे इलाके की तस्वीर बदलकर रख डाली। साल 2010 में भारत भूषण ने लैवेंडर की खेती से इस एक्सपेरिमेंट की शुरुआत की। इसने उनकी सालाना कमाई 30,000 रुपये से बढ़ाकर 8 लाख रुपये तक पहुंचा दी। यही नहीं, क्षेत्र में बैंगनी क्रांति की नींव भी रखी। आइए, यहां भारत भूषण की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

बदलाव की तरफ पहला कदम

भारत भूषण का परिवार पीढ़ियों से अपनी 1.25 एकड़ जमीन पर मक्का उगाता था। इससे सालभर में बमुश्किल कुछ हजार रुपये की बचत हो पाती थी। आर्थिक तंगी ने घर को घेर रखा

था। इसके कारण वह जल शक्ति विभाग में 10,000 रुपये महीने की नौकरी करने लगे। साल 2010 में वैज्ञानिक संस्थान के एक वर्कशॉप से प्रेरित होकर उन्होंने जोखिम उठाया। सिर्फ 7,000 रुपये के निवेश से 0.25 एकड़ जमीन पर लैवेंडर के 1,400 पौधे लगाए। 2012 तक जब उन्होंने लैवेंडर तेल से 20,000 रुपये की कमाई की तो यह मक्के से होने वाली आय से चार गुना अधिक थी। लैवेंडर के फूलों से तेल निकालने के लिए 24 घंटे के भीतर प्रोसेसिंग जरूरी होती है। सरकारी मोबाइल यूनिट में देरी होने से जब फसल खराब होने लगी तो भारत भूषण ने 6 लाख का बैंक लोन और अपनी जमा पूंजी लगाकर 8 लाख रुपये में अपनी खुद की डिस्टिलेशन यूनिट स्थापित की। आज हो रही लाखों

पीएम से बातचीत ने बदल दी पिक्चर

पौधों की ऊंची कीमत के कारण शुरुआत में अन्य किसान लैवेंडर अपनाने से हिचकिचा रहे थे। साल 2016 में जब भारत भूषण को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बात करने का मौका मिला तो पिक्चर बदल गई। उन्होंने पीएम से किसानों के सामने आ रही पौधों की लागत की समस्या को उठाया। इस संवाद के बाद भारत सरकार ने अरोमा मिशन की शुरुआत की। इसके तहत किसानों को लैवेंडर के पौधे मुफ्त दिए जाने लगे। आगे चलकर 2021 में उन्होंने एक किसान उत्पादक संगठन का गठन किया।

फेस्टिव सीजन में मिठाई, बिस्किट, केक और पेस्ट्री हो सकते हैं महंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। चीनी की बढ़ती कीमतों ने मिठाई और बेकरी कारोबारियों की चिंता बढ़ा दी है। थोक बाजार में पिछले तीन-चार दिनों के दौरान चीनी के भाव में करीब 5 रुपये प्रति किलो की तेजी दर्ज की गई है। हालांकि, रिटेल बाजार में फिलहाल भाव लगभग स्थिर है। उधर, चीनी की बढ़ी कीमतों को देखते हुए दिल्ली के लोकल बेकरी कारोबारी ने एक सर्कुलर जारी किया है, जिसमें प्रति आइटम पर 10 से 15 रुपये प्रति किलो बढ़ाने का दावा किया है। इससे इस फेस्टिव सीजन में लोगों की जेब ढीली हो सकती है। चीनी के एक थोक कारोबारी ने बताया कि जुलाई में चीनी का थोक रेट करीब 45-48 के बीच था, लेकिन अगस्त शुरू होते ही कीमत में हर दिन 1 या 2 रुपये की बढ़ोतरी हो गई। सोमवार को चीनी का थोक रेट करीब 55 रुपये के पास था, लेकिन गुरुवार को यह रेट 60 के पास पहुंच गया। हालांकि, अब दाम स्थिर है। लेकिन रिटेल में चीनी की कीमत अभी 65 रुपये के पास बनी हुई है। रिटेल कारोबारी प्रवीण गोयल ने कहा कि चीनी के बढ़े रेट के चलते अब बिस्किट से लेकर चॉकलेट के पैकेट के वजन कम होने की आशंका है। हालांकि, अभी तक कंपनियों ने वजन नहीं घटाया है, आने वाले दिनों में यह देखने को मिल सकता है। दिल्ली मिठाई नमकीन असोसिएशन के प्रेसिडेंट वीरेंद्र जैन बताया कि चीनी के रेट दिन प्रतिदिन बढ़ रहे हैं।

रोज 8,600 से ज्यादा खर्च करने वाले ग्राहकों के मामले में चीन से आगे निकलेगा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत दुनिया में बड़ी अर्थव्यवस्थाओं से सबसे तेजी से बढ़ रही इकॉनमी है। इसके साथ ही देश में लोगों के खर्च करने की ताकत भी बढ़ रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक अमीर उपभोक्ताओं की संख्या के मामले में भारत 2036 तक चीन से आगे निकल जाएगा। 10 साल बाद भारत में रोजाना 90 डॉलर खर्च करने वाले उपभोक्ताओं की संख्या 10.8 करोड़ होगी जबकि चीन में ऐसे 10.3 करोड़ उपभोक्ता होंगे। तब केवल अमेरिका ही हमसे आगे रह जाएगा।

नीलसनआईक्यू और वर्ल्ड डेटा लैब की एक हालिया संयुक्त रिपोर्ट में यह अनुमान जताया गया है। रिपोर्ट में अमीर उपभोक्ताओं को ऐसे लोगों के तौर पर परिभाषित किया गया है जो रोजाना 90 से ज्यादा खर्च करते हैं। अनुमान है कि अभी भारत में लगभग 2.6 करोड़ अमीर उपभोक्ता हैं और 10 साल में इसमें 8.2 करोड़ और जुड़ेंगे। इस दौरान चीन में 6.2 करोड़ अमीर उपभोक्ताओं के जुड़ने का अनुमान है।

कोर कंज्यूमर्स की आबादी

रिपोर्ट में अलग से यह भी अनुमान लगाया गया है कि 2026 में भारत में 64.9 करोड़ कोर कंज्यूमर्स होंगे। ये ऐसे उपभोक्ता हैं जो रोजाना 13 से 90 के बीच खर्च करते हैं। अनुमान है कि 2036 तक अमेरिका में 23.1 करोड़ अमीर उपभोक्ता होंगे। यह आबादी भारत और चीन दोनों की कंबाइंड संख्या से ज्यादा है। उस समय दुनियाभर में अमीर उपभोक्ताओं की आबादी 102.5 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है, जो 2026 के मुकाबले 36.9 करोड़ ज्यादा है। टीओआई के मुताबिक रिपोर्ट में कहा गया है कि 2036 के अनुमान उपलब्ध डेटा, पुराने ट्रेंड और मान्यताओं पर आधारित हैं और असल नतीजे इनसे अलग हो सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक भारत वॉल्यूम ग्रोथ वाला बाजार है। इसकी वजह यहां की बढ़ती आबादी और मिडिल क्लास है।

अमीर वर्सेज कोर कंज्यूमर्स

अमीर ग्राहकों के पास खर्च करने की काफी क्षमता होती है। इस समय ऐसे ग्राहकों की आबादी 65.7 करोड़ होने का अनुमान है जबकि कोर कंज्यूमर्स की आबादी 410 करोड़ होगी। अमीर ग्राहकों के इस साल 35.9 ट्रिलियन खर्च करने का अनुमान है, जबकि कोर ग्राहकों के लिए यह आंकड़ा 31.6 ट्रिलियन है।

जल्दबाजी में नहीं, समझदारी से करें निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। म्यूचुअल फंड बाजार में हर हफ्ते एक नया फंड दस्तक दे रहा है। कभी डिफेंस, कभी बैंकिंग, तो कभी मल्टी-एसेट और स्मॉल कैप। सोशल मीडिया से लेकर डिस्ट्रीब्यूटर्स तक हर कोई नई थीम को बेहतरीन अवसर बताकर पेश कर रहा है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है, क्या बाजार में आने वाले हर नए फंड में पैसा लगाना जरूरी है

क्या हर नए फंड में पैसा लगाना है समझदारी: सुल्तानपुर में रहने वाले गिरधारी लाल तिवारी ने म्यूचुअल फंड में पहली बार कदम रखा। सोशल मीडिया और एजेंट के कहने पर उन्होंने एक नई थीम पर आए एनएफओ में 50,000 रुपये लगा दिए। सोच सीधी थी, यूनिट 10 रुपये की मिल रही है, जबकि पुराने फंडों की नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) 200 से 500 रुपये तक पहुंच चुकी है। नया फंड सस्ता है और इसके दोगुना होने की रफ्तार तेज होगी।

एक साल बाद जब गिरधारी ने पोर्टफोलियो देखा, तो उस नए एनएफओ ने महज 6 प्रतिशत का रिटर्न दिया था, जबकि उसी सेक्टर के पुराने और स्थापित फंड ने 15 प्रतिशत का मुनाफा कमाया था। गिरधारी लाल जिस भ्रम के शिकार हुए, वह देश के लाखों खुदरा निवेशकों की आम कहानी है। सच पूछा जाए तो एनएफओ में निवेश का कोई खास अतिरिक्त फायदा नहीं होता। चाहे डेट फंड हो या इक्विटी फंड, हर प्रोडक्ट अंततः बाजार से जुड़ा होता है, और इसका रिटर्न अंतर्निहित एसेट्स के प्रदर्शन पर ही निर्भर करता है।

फर्क समझना जरूरी

आपको यह बुनियादी फर्क समझना होगा कि एनएफओ म्यूचुअल फंड कंपनियों का बिजनेस मॉडल है। यदि किसी फंड हाउस के पास लार्ज कैप या फ्लेक्सी कैप फंड है, लेकिन कोई खास सेक्टोरल या थीम आधारित स्कीम नहीं है, तो वह अपनी प्रोडक्ट बास्केट को भरने के लिए नया फंड लॉन्च करता है। यह एसेट मैनेजमेंट कंपनी की व्यावसायिक जरूरत हो सकती है, आपके पोर्टफोलियो की जरूरत नहीं। पहला कदम कैटेगरी समझें। देखें कि यह डेट फंड है, इक्विटी है या हाइब्रिड फंड। हर कैटेगरी का जोखिम-रिटर्न प्रोफाइल अलग होता है। इसका असर आपके पोर्टफोलियो की समग्र एसेट एलोकेशन पर पड़ता है। स्थापित स्कीम और नए एनएफओ के बीच बुनियादी अंतर सिर्फ ट्रैक रिकॉर्ड का होता है।

फिर भी एक व्यावहारिक फायदा है, एनएफओ के दौरान फंड मैनेजर को करीब एक महीने का समय मिलता है, जिसमें वह धीरे-धीरे पोर्टफोलियो तैयार करता है।

तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण कदम

बाजार की स्थिति का आकलन करें। अगर स्कीम इक्विटी है, तो देखें कि बाजार का वैल्यूएशन स्तर निवेश के लिए उपयुक्त है या नहीं। डेट फंड में ब्याज दरों की दिशा देखनी जरूरी है, आगे दरों में कटौती की संभावना हो तो लंबी अवधि के डेट फंड फायदेमंद हो सकते हैं, जबकि दरें बढ़ने की आशंका में शॉर्ट या अल्ट्रा शॉर्ट टर्म फंड ज्यादा उपयुक्त रहते हैं। पोर्टफोलियो में उपयुक्तता जांचें कि यह स्कीम आपके पोर्टफोलियो में कैसे फिट बैठती है। पहले से बैंकिंग सेक्टर फंड हो, तो एक और बैंकिंग-थीम एनएफओ लेने से सेक्टर कंसंट्रेशन का जोखिम बढ़ जाएगा। इसके अलावा फंड हाउस का ट्रैक रिकॉर्ड, यानी उनकी पुरानी स्कीमों का कैटेगरी में प्रदर्शन देखें। फंड मैनेजर का अनुभव भी जांचें, क्योंकि नई स्कीम का कोई ट्रैक रिकॉर्ड नहीं होता, ऐसे में मैनेजर की विशेषज्ञता ही भरोसे का आधार होती है। एग्जिट लोड की शर्तें ध्यान से पढ़ें, खासकर लॉक-इन वाली क्लोज-एंडेड स्कीमों में। और स्कीम की टैक्सेशन संरचना को जरूर समझें।

जल्दबाजी में नहीं समझदारी से करें निवेश

एनएफओ कोई जादुई अवसर नहीं, बल्कि सामान्य म्यूचुअल फंड उत्पाद है, जिसका मूल्यांकन उसी अनुशासन से होना चाहिए जैसा किसी मौजूदा स्कीम का होता है। सही जानकारी, पोर्टफोलियो की जरूरत और बाजार की समझ पर आधारित फैसला ही निवेशक के लिए दीर्घकालिक रूप से फायदेमंद साबित होता है। बाजार में उस समय वोलैटिलिटी हो, तो मैनेजर इसका लाभ उठाकर अलग-अलग स्तरों पर खरीदारी कर सकता है।

क्या अल्लू अर्जुन की 'राका' में नजर आएंगे हॉलीवुड स्टार विल स्मिथ?

फिल्म 'राका' को डायरेक्टर एटली बना रहे हैं और इसमें अल्लू अर्जुन के साथ दीपिका पादुकोण भी लीड रोल में नजर आएंगी। अब फिल्म से हॉलीवुड स्टार विल स्मिथ को लेकर एक बड़ी अपडेट सामने आई है।

विदेश में होगा विल स्मिथ का शूट?

रिपोर्ट्स के मुताबिक, विल स्मिथ फिल्म में एक अहम विलेन का किरदार निभा सकते हैं। बताया जा रहा है कि फिल्म में उनके लुक और कॉस्ट्यूम को भी फाइनल कर लिया गया है। अब मेकर्स उनके शूट की तारीखों को तय करने में जुटे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, विल स्मिथ फिल्म के एक आगामी विदेशी शेड्यूल में टीम के साथ जुड़ सकते हैं। वह पिछले साल से फिल्म के मेकर्स के संपर्क में हैं। अब उनकी उपलब्धता के हिसाब से शूटिंग का प्लान तैयार किया जा रहा है। फिलहाल यह साफ नहीं है कि विल स्मिथ की शूटिंग किस देश या लोकेशन पर होगी। मेकर्स उनकी डेट्स फाइनल होने का इंतजार कर रहे हैं।

'राका' में दिखेगा अल्लू अर्जुन का नया अवतार

अल्लू अर्जुन के 44वें जन्मदिन के मौके पर फिल्म का आधिकारिक नाम 'राका' रखा गया था। इसी के साथ उनका पहला लुक भी जारी किया गया था। पोस्टर में अल्लू अर्जुन गंजे लुक में नजर आए थे। उनके चेहरे के एक हिस्से को भेड़िए जैसे जानवर का रोएंदार हाथ ढकता दिखाई दिया था, जिसके नुकीले पंजे फिल्म की कहानी को लेकर रहस्य और रोमांच बढ़ा रहे थे। फिल्म का निर्देशन एटली कर रहे हैं। इसमें अल्लू अर्जुन और दीपिका पादुकोण के अलावा रश्मिका मंदाना, जाह्नवी कपूर और मृणाल ठाकुर भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह एक बड़े बजट की साइंस-फिक्शन फिल्म है, जिसे करीब 700 करोड़ रुपये से ज्यादा के बजट में बनाया जा रहा है। फिल्म को सन पिक्चर्स प्रोड्यूस कर रहा है।

क्या पहली बार साथ नजर आएंगे कियारा और सैफ अली खान? कनिका ढिल्लों करेंगी निर्देशन

कियारा और सैफ अली खान दोनों एक्टर्स इन दिनों अपनी आने वाली फिल्मों को लेकर व्यस्त हैं। अब खबरें सामने आ रही हैं कि दोनों एक इंटेंस थ्रिलर फिल्म में स्क्रीन शेयर कर सकते हैं।

कनिका ढिल्लों करेंगी निर्देशन

खास बात यह है कि इस फिल्म से राइटर-प्रोड्यूसर कनिका ढिल्लों बतौर डायरेक्टर अपना डेब्यू करने जा रही हैं। पिंकविला की रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस अनटाइटल्ड फिल्म को एक्सेल एंटरटेनमेंट्स प्रोड्यूस कर सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म अभी डेवलपमेंट स्टेज में है। इसकी स्क्रिप्ट को खास तौर पर सैफ अली खान और कियारा आडवाणी को ध्यान में रखकर लिखा जा रहा है। मेकर्स इस फिल्म की शूटिंग इसी साल के आखिर तक शुरू करने की तैयारी में हैं।

सुपरनैचुरल थ्रिलर होगी फिल्म

प्रोजेक्ट से जुड़े एक सूत्र ने पोर्टल को बताया, 'सैफ और कियारा कनिका की अगली फिल्म के लिए साथ आ रहे हैं। यह सुपरनैचुरल एलिमेंट वाली एक इंटेंस थ्रिलर है और इसकी स्क्रिप्ट दोनों एक्टर्स को ध्यान में रखकर तैयार की जा रही है। कनिका, एक्सेल एंटरटेनमेंट्स और राइटिंग टीम काफी समय से इस कहानी पर काम कर रही है और अब मेकर्स इसे आगे बढ़ाना चाहते हैं।' फिलहाल फिल्म को लेकर ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। स्क्रिप्ट पूरी तरह तैयार होने के बाद मेकर्स फिल्म से जुड़ी और जानकारी शेयर कर सकते हैं।

कियारा आडवाणी की बात करें तो वह जल्द ही फिल्म 'टॉक्सिक' में नजर आने वाली हैं। फिल्म में यश डबल रोल में दिखाई देंगे। फिल्म में नयनतारा, हुमा कुरेशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत भी अहम भूमिकाओं में हैं। 'टॉक्सिक' दुनियाभर में 26 अगस्त 2026 को रिलीज होने वाली है।

वहीं सैफ अली खान अगली बार फिल्म 'हैवान' में नजर आएंगे। यह एक क्राइम थ्रिलर फिल्म है, जिसे प्रियदर्शन ने लिखा और डायरेक्ट किया है। 'हैवान' में सैफ अली खान के साथ अक्षय कुमार, बोमन ईरानी, श्रिया पिलगांवकर और सैयामी खेर भी नजर आएंगे। फिल्म 11 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

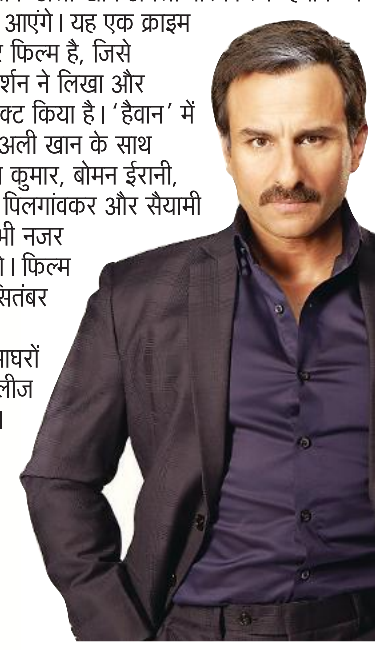

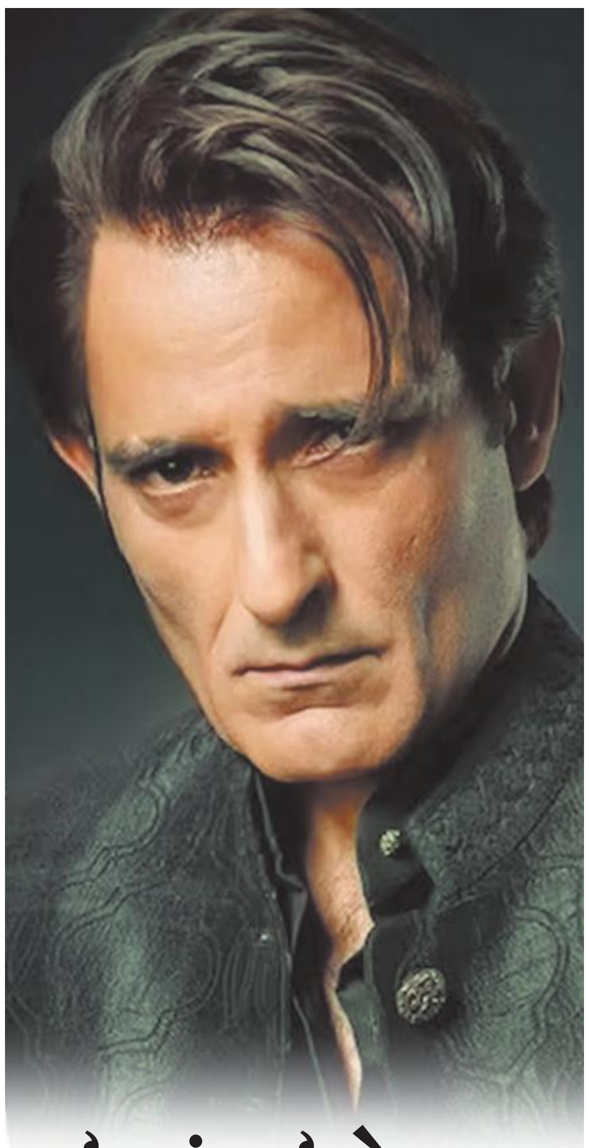

'धुरंधर' के बाद 'महाकाली' में दर्शकों को हैरान करने को तैयार अक्षय खन्ना

'हनु-मान' की जबरदस्त सफलता के बाद प्रशांत वर्मा अपने अगले अध्याय के साथ दर्शकों को एक नई दुनिया में ले जाने के लिए तैयार हैं। हाल ही में आरकेडी स्टूडियोज ने एक रहस्यमयी पोस्ट शेयर किया है। ऐसे में माना जा रहा है कि वह 'महाकाली' से अक्षय खन्ना का शुक्राचार्य के रूप में उनका दिलचस्प अवतार पेश करने वाले हैं। अपकमिंग फिल्म 'महाकाली' में अक्षय खन्ना शुक्राचार्य का किरदार निभाने वाले हैं। माना जा रहा है कि अक्षय खन्ना इस बार अपने ट्रांसफॉर्मेशन को एक नए स्तर पर ले जाएंगे। 'धुरंधर' में अपनी शानदार मौजूदगी के बाद अभिनेता इस भूमिका में लगभग पहचान में ही नहीं आ रहे हैं। वैसे शुक्राचार्य के रूप में उनका फर्स्ट लुक पहले ही काफी चर्चा में है। अब उनकी पहली झलक देखने के लिए दर्शक उत्सुक हैं।

अहम है अक्षय खन्ना का रोल पुराणों के अनुसार असुरों के गुरु के रूप में पूजनीय शुक्राचार्य एक बेहद अहम पात्र हैं। ऐसे में अक्षय खन्ना की तरफ से निभाए जा रहे इस किरदार में उनकी गंभीरता देखने को मिल सकती है। वहीं, प्रशांत वर्मा का विजुअल ट्रीटमेंट इस किरदार को उनके सिनेमाई यूनिवर्स के अनुरूप भव्य स्तर प्रदान करने की उम्मीद जगाता है।

'हनु-मान' के बाद से ही दर्शक यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि प्रशांत वर्मा अपने सिनेमाई यूनिवर्स में आगे क्या लेकर आएंगे। 'हनु-मान' ने न सिर्फ फिल्ममेकर की बड़े पैमाने पर भारतीय कहानियां प्रस्तुत करने की क्षमता को स्थापित किया, बल्कि विजुअल डिटेलिंग और वर्ल्ड-बिल्डिंग के लिए भी एक नया मानक तय किया है। ऐसे में 24 अगस्त को अक्षय खन्ना की पहली झलक के साथ दर्शकों को 'महाकाली' की दुनिया की पहली झलक मिलने वाली है। इस रिवील में अभिनेता के जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन के साथ-साथ उस विशाल स्तर और बारीक विजुअल डिटेलिंग की झलक मिलने की उम्मीद है, जो प्रशांत वर्मा की फिल्ममेकिंग की खास पहचान बन चुकी है।

तेजस्वी प्रकाश से पुराने मतभेद पर सुरभि चंदना बोलीं

टीवी की दुनिया में सुरभि चंदना और तेजस्वी प्रकाश दोनों ही जाना-पहचाना नाम हैं। दोनों अभिनेत्रियों के बीच कुछ समय पहले एक विवाद की खबरों ने खूब ध्यान खींचा था। अब सुरभि ने पहली बार इस पुराने मतभेद और तेजस्वी के साथ अपने रिश्ते को लेकर कुछ खुलकर बातें की।

अभिनेत्री ने बताया कि हमारी दोस्ती काफी पुरानी है। इंडस्ट्री में रिश्तों में उतार-चढ़ाव आना स्वाभाविक है, लेकिन जरूरी यह है कि लोग बात करके चीजों को सुलझाएं और आगे बढ़ें। इंडस्ट्री में कलाकारों के एक-दूसरे को सपोर्ट करने की जरूरत पर बात करते हुए सुरभि ने कहा, इंडस्ट्री के लोग अक्सर अच्छे माहौल, स्वस्थ कामकाज और वर्क एथिक्स की बात करते हैं। इन बातों को सिर्फ कहने तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि कलाकारों को वास्तव में एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करना चाहिए और एक-दूसरे की उपलब्धियों की सराहना भी करनी चाहिए। सुरभि ने कहा, काम के दौरान रिश्तों में कभी-कभी उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। कलाकारों के बीच किसी बात को लेकर गलतफहमी या मतभेद होना कोई बड़ी बात नहीं है, लेकिन उसे लंबे समय तक बनाए रखना सही नहीं है। सुरभि ने कहा, तेजस्वी के साथ मेरा रिश्ता अब भी बना हुआ है।

अनुपमा परमेश्वरन का खुलासा; बताया क्यों 'परधा' प्रमोशन के दौरान रो पड़ी थीं एक्ट्रेस

अनुपमा परमेश्वरन फिल्म 'परधा' के प्रमोशन के दौरान रोने लगीं थीं। उस वक्त उन्हें देखकर कई तरह की बातें कही गई थीं। कुछ लोगों ने इसे प्रमोशन का हिस्सा बताया था, तो कुछ ने कहा था कि वह सहानुभूति पाने की कोशिश कर रही हैं। बातचीत के दौरान अनुपमा ने कहा, 'सोचिए, स्टेज पर जाने से पहले आपका अपना बॉयफ्रेंड आपको शर्मिंदा करे। अपनी जिंदगी के दो वर्षों से मैं लगातार यह दिखाने की कोशिश कर रही थी कि मैं ठीक हूं।' अनुपमा ने कहा कि वह जैसी कैमरे के सामने दिखाई देती हैं, असल जिंदगी में भी वैसी ही हैं। वह किसी तरह का दिखावा नहीं करतीं। उन्होंने कहा, 'आप जिस इंसान से अभी बात कर रहे हैं, मैं हर जगह वही इंसान हूं। मैं कोई मास्क पहनकर घर से बाहर नहीं निकलती। पिछले दो वर्षों से मैं ठीक होने का दिखावा कर रही थी। लेकिन एक बार मैं ऐसा नहीं कर पाई।'

अनुपमा ने उस घटना को याद करते हुए बताया कि वह 'परधा' के एक प्रमोशनल इवेंट में लाल चूड़ीदार पहनकर बैठी थीं। इसी दौरान एक पत्रकार ने उनसे सवाल पूछा और वह अचानक रोने लगीं। एक्ट्रेस ने इस घटना पर कहा, 'मैं ऐसी नहीं हूं कि हालात कितने भी मुश्किल हों, स्टेज पर रोने लगूं। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि मुझे वो सबसे बुरी बातें कही गईं, जो कोई महिला सुनना नहीं चाहती। जिस इंसान को मेरी रक्षा करनी चाहिए थी, वही मुझे अंदर से तोड़ रहा था।' अनुपमा ने बताया कि जब वह प्रमोशनल इवेंट में रोईं तो लोगों ने उनका मजाक उड़ाया। उन्होंने कहा, 'लोगों ने मेरा मजाक उड़ाया। उन्होंने कहा कि मैं सहानुभूति पाने की कोशिश कर रही हूं या यह प्रमोशन का हिस्सा है। इसका 'परधा' से कोई लेना-देना नहीं था। यह मेरी असल जिंदगी में जो कुछ चल रहा था, उससे जुड़ा था।'

मुझे जिंदगी में किसी चीज का पछतावा नहीं मौके मिले लेकिन उसमें मुश्किलें भी खूब रहीं

देश के जाने-माने फिल्मी परिवार में जन्मीं अक्षरा हासन ने अपने पापा कमल हासन, मम्मी सारिका और बड़ी बहन श्रुति हासन के नक्शेकदम पर चलते हुए एक्टिंग को करियर चुना। हालांकि, उनका कहना है कि उन्हें सिर्फ एक्टिंग नहीं, कला के कई फॉर्म जैसे डांस, लेखन, निर्देशन आदि से प्यार है। उनके लिए यह सिर्फ एक्टिंग तक सीमित नहीं है। बीते दिनों अपनी फिल्म 'सिम्यूलाक्रा' को लेकर चर्चा में रहीं अक्षरा ने जब हमने पूछा कि क्या परिवार में पापा, मम्मी, दीदी सभी के एक्टिंग में होने के चलते उनका भी रुझान फिल्मों की ओर हुआ? इस पर उन्होंने कहा, 'बेशक मेरे कला की ओर झुकाव का श्रेय मेरे पैरेंट्स को जाता है, क्योंकि उन्होंने मुझे अलग-अलग आर्ट फॉर्म को एक्सप्लोर करने की आजादी दी, लेकिन जहां तक एक्टिंग की बात है, वह कोई एक चीज नहीं है, जिससे मुझे प्यार हुआ।'

एक्टिंग ही नहीं, कई आर्ट फॉर्म से प्यार

मुझे कई आर्ट फॉर्म से प्यार है। जैसे, सबसे पहला तो डांस है। फिर राइटिंग, उसके बाद एक्टिंग से प्यार हुआ। अभी डायरेक्शन है तो मुझे सिर्फ एक्टिंग नहीं, कला को कई रूपों से प्यार है। ऐसा नहीं है कि मम्मी-पापा एक्टर थे, तो मैं भी एक्टर बन गई। अभी तो मेरा ज्यादा फोकस डायरेक्शन की ओर है। मैं कुछ डायरेक्ट जरूर करूंगी।'

मौके मिले, पर मुश्किलें भी खूब रहीं

अक्षरा ने साल 2015 में अमिताभ बच्चन और धनुष जैसे सितारों के साथ फिल्म 'शमिताभ' से जोरशोर से अपना एक्टिंग डेब्यू किया था, लेकिन आज 11 साल बाद भी उनका करियर वो परवाज नहीं पा सका। उनके खाते में गिनती की यादगार फिल्में हैं? इसकी वजह पूछने पर वह कहती हैं, 'मुझे मौके मिले लेकिन उसमें मुश्किलें भी खूब रहीं। जो भी फिल्में मुझे मिलीं, उसमें कोई न कोई चीज वर्क नहीं की, इसलिए उसका प्रभाव भी नहीं हुआ। मेरे साथ ज्यादातर यही हुआ। इसीलिए, मैंने खुद को एक्टिंग तक सीमित नहीं रखा, लेखन-निर्देशन जैसी दूसरी विधाओं की ओर मुड़ गई।'

किसी फैसले का पछतावा नहीं

अक्षरा को उनकी पहली फिल्म जाने-माने निर्देशक मणिरत्नम ने ऑफर की थी, जिसे उन्होंने मना कर दिया था। क्या कभी अक्षरा को अपने इस फैसले पर पछतावा होता है? इस पर उनका कहना है, 'मुझे कोई पछतावा नहीं है, क्योंकि हर चीज का एक वक्त होता है। मणिरत्नम सर की फिल्म का जब ऑफर आया था, उस वक्त मेरा फोकस डांस में था और जब मैंने उन्हें अपने दिल की बात बताई तो उन्होंने उसका सम्मान किया और कभी भी मुझे अपराध बोध महसूस नहीं कराया। इसलिए, मुझे उसका कोई अफसोस नहीं है, क्योंकि शायद तब उसका सही समय नहीं था।'

यीन-ऐंग जैसा है दीदी संग रिश्ता

अक्षरा ने हमें अपने पैरेंट्स कमल हासन-सारिका और दीदी श्रुति हासन संग बॉन्डिंग के बारे में भी कई बातें बताई। उन्होंने बताया, 'पापा ने हमेशा यही सिखाया है कि विनम्रता, ईमानदारी और कड़ी मेहनत कामयाबी के तीन मूल मंत्र हैं। इसके अलावा, इंडस्ट्री में किसी चीज को लेकर बहुत जिद्दी नहीं होना चाहिए, हर चुनौती के लिए तैयार रहना चाहिए और अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहिए। ये गुण हमेशा काम करते हैं। यही खूबियां मैंने 'शमिताभ' में काम करते हुए बिग बी में भी देखी थीं।' वहीं, दीदी श्रुति हासन संग रिश्ते पर वह बताती हैं, 'हम बहनें हैं, हम एक दूसरे को लेकर बेहद प्रोटेक्टिव हैं। हम दोस्त भी हैं। हम यीन एंड ऐंग हैं, मतलब हमारा नेचर एक-दूसरे से बिल्कुल अलग है, लेकिन हम एक-दूसरे के बिना रह भी नहीं सकते। यही चीज हमारे बॉन्ड और मजबूत बनाती है।'

कोई याद मिटाना नहीं चाहूंगी

अक्षरा की फिल्म 'सिम्यूलाक्रा' यादों को सहेजने और मिटाने जैसे यूनिक विषय पर है। ऐसे में, 'असल जिंदगी में वह कौन सी यादें मिटाना चाहेंगी? और किसे रखना चाहेंगी? यह पूछने पर वह कहती हैं, 'मैं अपनी सारी यादें और अनुभव अपने पास रखूंगी, क्योंकि उसी ने मुझे वह इंसान बनाया है जो मैं आज हूं तो मैं कोई याद मिटाना नहीं चाहूंगी। हर चीज रखना चाहूंगी। कुछ भी डिलीट नहीं करना चाहूंगी क्योंकि मुझे किसी चीज का पछतावा नहीं है।'

संक्षिप्त समाचार

मोदी 1500 से ज्यादा जगहों पर युवाओं-खिलाड़ियों से करेंगे संवाद

नेशनल स्पोर्ट्स डे से पहले कार्यक्रम, पीटी उषा समेत कई प्लेयर्स भी जुड़ेंगे

नईदिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 27 अगस्त को देशभर में 1,500 से ज्यादा जगहों पर युवाओं और खिलाड़ियों से वर्चुअल संवाद करेंगे। यह कार्यक्रम खेल मंत्रालय के 'खेलो इंडिया संवाद–खेल की बात, पीएम के साथ' अभियान के तहत आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम 29 अगस्त को होने वाले नेशनल स्पोर्ट्स डे से दो दिन पहले होगा। 29 अगस्त को हॉकी के दिग्गज खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती होती है। इसी दिन देश में नेशनल स्पोर्ट्स डे मनाया जाता है।

कॉमनवेल्थ गेम्स के मेडलिस्ट से मिल चुके हैं मोदी – इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी 9 अगस्त को कॉमनवेल्थ गेम्स में मेडल जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों से मिले थे। उन्होंने खिलाड़ियों के साथ मुलाकात की रील भी इंस्टाग्राम पर शेयर की थी। इस बार खिलाड़ियों और युवाओं के साथ संवाद वर्चुअल होगा।

दिल्ली में 4–5 जगहों पर कार्यक्रम – राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कार्यक्रम 4–5 जगहों पर आयोजित किए जाएंगे। इनमें आईआईटी दिल्ली भी शामिल है। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया आईआईटी दिल्ली में होने वाले कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। उन्होंने कहा कि वह 27 अगस्त को आईआईटी दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे।

दिग्गज खिलाड़ी भी युवाओं से करेंगे बातचीत – भारतीय ओलिंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा के अलावा मौजूदा और पूर्व खिलाड़ी तथा अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता भी युवाओं से संवाद करेंगे। इनमें मनिका बत्रा, दीपा करमाकर, साइना नेहवाल, गगन नारंग, श्रीजेश, मैरी कॉम, बाइचुंग भूटिया, पुलेला गोपीचंद, अंजू बॉबी जॉर्ज, कर्णम मल्लेश्वरी और मीराबाई चानू शामिल हैं। कुछ क्रिकेटर भी कार्यक्रम में युवाओं से बातचीत करेंगे।

लद्दाख में सबसे ऊंचा क्रिकेट स्टेडियम बनाने की तैयारी

11,800 फीट की ऊंचाई पर बनेगा मैदान

नई दिल्ली (एजेंसी)। लद्दाख में दुनिया का सबसे ऊंचा क्रिकेट स्टेडियम बनने की योजना चर्चा में है। लेह के पास थिकसे क्षेत्र में करीब 11,800 फीट की ऊंचाई पर रणबीरपुर क्रिकेट स्टेडियम बनाने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। अगर इस प्रोजेक्ट को मंजूरी मिलती है और इसका निर्माण पूरा होता है, तो यह दुनिया के सबसे ऊंचे क्रिकेट स्टेडियमों में शामिल हो सकता है। फिलहाल यह परियोजना डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट के चरण में है। लेह पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट ने इसकी व्यवहार्यता का आकलन करने के लिए कंसल्टेंसी सेवाओं के लिए बोली आमंत्रित की है। हालांकि, अभी तक परियोजना को अंतिम आधिकारिक मंजूरी नहीं मिली है।

11,800 फीट की ऊंचाई पर बनेगा स्टेडियम – प्रस्तावित रणबीरपुर क्रिकेट स्टेडियम लेह शहर से करीब 19–20 किलोमीटर दूर थिकसे के पास बनाया जा सकता है। इसकी ऊंचाई करीब 11,800 फीट बताई जा रही है, जो मौजूदा कई हाई–एल्टीट्यूड क्रिकेट मैदानों से कहीं ज्यादा होगी। यहां से हिमालय की ऊंची चोटियों का शानदार नजारा भी देखने को मिल सकता है।

100 करोड़ रुपये से ज्यादा हो सकती है लागत – रिपोर्ट्स के अनुसार, इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट की लागत 100 करोड़ रुपये से ज्यादा हो सकती है। स्टेडियम में करीब 40,000 दर्शकों के बैठने की क्षमता रखने का भी अनुमान है। हालांकि, अंतिम क्षमता और बजट DPR तथा मंजूरी के बाद ही तय होगा।

खिलाड़ियों के लिए आसान नहीं होगी चुनौती – करीब 11,800 फीट की ऊंचाई पर पतली हवा खिलाड़ियों के लिए बड़ी चुनौती साबित हो सकती है। गेंदबाजों और बल्लेबाजों को सामान्य मैदानों की तुलना में अलग परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। वहीं, ऑक्सीजन की कमी और बेहद ठंडा मौसम खिलाड़ियों की फिटनेस और निर्माण कार्य दोनों को प्रभावित कर सकते हैं।

भारत ने 503/9 पर पारी घोषित की

ध्रुव जुरेल का दूसरा टेस्ट शतक, पंत-गिल ने फिफ्टी लगाई

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन भारत ने 9 विकेट पर 503 रन पर पारी घोषित कर दी थी। ध्रुव जुरेल ने शतक पूरा कर लिया है। उन्होंने 100वां रन बनाने के लिए 13 बॉल खेलीं। जुरेल ने 171 बॉल पर दूसरा टेस्ट शतक लगाया। प्रसिद्ध कृष्णा उनका साथ दे रहे हैं। मोहम्मद सिराज 29 बॉल पर 3 रन बनाकर आउट हुए। मानव सुथार ने 18 रन बनाए। भारत के लिए दूसरे सत्र की शुरुआत अच्छी नहीं रही क्योंकि पंत ने केशारा नुवांथा की गेंद पर सर्कल के बाहरी किनारे पर खड़े लाहिरू उदरा को कैच थमा दिया. पंत और जुरेल ने सातवें विकेट के लिए 112 रन की साझेदारी की।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

भारत– यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, देवदत्त पडिक्कल, शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल, सारांश जैन, मानव सुथार, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा।

श्रीलंका– लाहिरू उदारा, कामिल मिशारा, पसिंदु सोरियाबंदरा, कामिंदु मेंडिस, धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), सोनल दिनुशा, निरोशन डिकवेला (विकेटकीपर), केशरा नुवांथा, प्रभात जयसूर्या, लाहिरू कुमारा, असिथा फर्नांडो।

कोलंबो में सिर टकराने पर जायसवाल-फर्नांडो की 25 प्रतिशत फीस कटी, दोनों ने गलती मानी

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने भारतीय बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और श्रीलंका के तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो पर जुर्माना लगा दिया है. दोनों खिलाड़ी कोलंबो में जारी दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन मैदान पर ही भिड़ गए थे। आईसीसी ने सोमवार को दोनों खिलाड़ियों पर जुर्माना लगाने की पुष्टि भी कर दी है. क्रिकेट की गवर्निंग बॉडी ने जायसवाल और फर्नांडो पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया है. इस के अलावा दोनों को एक–एक डिमेरिट पॉइंट भी दिया गया। आईसीसी ने एक प्रेस रिलीज में कहा, दोनों खिलाड़ियों को आईसीसी के आचार संहिता के आर्टिकल 2.12 का उल्लंघन करते पाया गया. यह नियम किसी खिलाड़ी, खिलाड़ी सहायता कर्मी, अंपायर, मैच रेफरी या किसी अन्य व्यक्ति (जिसमें इंटरनेशनल मैच के दौरान दर्शक भी शामिल हैं) के साथ अनुचित शारीरिक संपर्क से संबंधित है।

ऋषभ पंत ने रचा इतिहास, धोनी को पीछे छोड़ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज बने

भारतीय विकेटकीपर–बल्लेबाज ऋषभ पंत ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। पंत ने विदेशी या न्यूट्रल वेन्यू पर टेस्ट मैचों में बतौर विकेटकीपर सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने चोट के बावजूद दूसरे दिन मैदान पर वापसी करते हुए यह खास उपलब्धि हासिल की। कोलंबो टेस्ट के दौरान ऋषभ पंत ने विदेशी और न्यूट्रल वेन्यू पर बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। पंत के नाम रिपोर्ट लिखे जाने तक 41.68 की औसत से 2,501 रन दर्ज हो गए थे, जबकि महेंद्र सिंह धोनी ने 2,496 रन बनाए थे। इस सूची में फारुख इंजीनियर 1,209 रनों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। सैयद किरमानी ने 1,109 रन बनाए हैं, जबकि किरण मोरे 901 रनों के साथ शीर्ष पांच में शामिल हैं।

इंडिया लड़ेगा और जवाब भी देगा..., श्रीलंकाई गेंदबाज के साथ हुई झड़प पर जायसवाल ने तोड़ी चुप्पी

भारत और श्रीलंका के बीच कोलंबो में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन काफी कुछ घटा. देवदत्त पडिक्कल ने लगातार दूसरा शतक जड़ा और 117 रन बनाकर आउट हुए. इसके अलावा यशस्वी जायसवाल और श्रीलंका के तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो के बीच तीखी बहस हुई. जिस पर जायसवाल की काफी ज्यादा आलोचना हुई। अब जायसवाल ने उन आलोचना का जवाब दिया है। उनका कहना है कि लोगों को इस झड़प के संदर्भ को जानने से पहले अपनी कोई राय नहीं कायम करनी चाहिए. जायसवाल ने ये प्रतिक्रिया मशहूर कमेंटेटर हर्षा भोगले की राय पर दी है। क्रिकबज के एक वीडियो में कमेंटेटर हर्षा भोगले इस पूरी घटना पर अपनी राय देते हुए दिखे. उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में जायसवाल के लिए सबसे अच्छा यही था कि वे वहां से चले जाते। जायसवाल ने जल्द ही उस वीडियो पर कमेंट करते हुए कहा कि घटना की पूरी जानकारी के बिना कोई राय नहीं बनानी चाहिए. उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, अगर आपको पता नहीं है कि उन्होंने क्या कहा, तो कृपया अपनी राय न बनाएं, हमें उन्हें बताना होगा, और साथ ही यह भी कहा, भारत लड़ेगा और जवाब देगा।

भारतीय महिला हॉकी टीम वर्ल्ड कप से बाहर, कोच मारिन ने कहा, 'मुझे टीम पर गर्व है'

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बिना गोल खाए मैच ड्रॉ कराने में सफल रही

नईदिल्ली (एजेंसी)। हॉकी वर्ल्ड कप में भारतीय महिला टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया. लेकिन वो बड़े मैच का दबाव नहीं झेल सकी और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बिना गोल खाए मैच ड्रॉ कराने में सफल रही. 'करो या मरो' के इस मुकाबले में दोनों टीमें कोई गोल नहीं कर सकीं. जिससे दोनों टीमों के पास 2-2 अंक रहे. लेकिन गोलों की गिनती के आधार पर भारतीय टीम सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गई।

भारत को सेमीफाइनल में जाने के लिए यह मैच हर हालत में जीतना था. पहले दौर में पूल डी में चीन से ड्रॉ का एक अंक भारत के पास था जबकि आस्ट्रेलिया भी एक अंक लेकर आई थी. इसके बाद गोल डिफ्रेंस के आधार पर होना था जिसमें दोनों के माइनस दो गोल थे. आस्ट्रेलिया ने तीन गोल

किये और पांच गंवाये थे जबकि भारत ने दो गोल किए और चार गंवाए थे. पॉइंट्स और गोल डिफरेंस बराबर रहने के बाद गोल की गिनती में आस्ट्रेलिया एक गोल आगे था, जिससे वो सेमीफाइनल में पहुंच गया. अब भारत क्लासिफिकेशन मैच खेलेगा जबकि नीदरलैंड और ऑस्ट्रेलिया पूल श्व से सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। भारतीय महिला हॉकी टीम के कोच शोर्ड मारिन ने स्वीकार किया कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ में उनकी टीम काफी नर्वस थी लेकिन इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वर्ल्ड कप में पांचवें-छठे स्थान के प्लेऑफ में पहुंचना अभी भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मारिन ने कहा, ऐसा लग रहा था कि हमारे खिलाड़ी काफी नर्वस हैं. हम उस तरह का खेल नहीं खेल पाए जैसा हम खेलना चाहते थे. हमारे खेल में निरंतरता का अभाव था, पासिंग और रिसीविंग में तालमेल नहीं था और कई अनावश्यक गलतियां हुई। उन्होंने आगे कहा, हम परिणाम तो नहीं बदल सकते, लेकिन मुझे लड़कियों पर बहुत गर्व है. हम साथ मिलकर जीतते हैं, साथ मिलकर हारते हैं और साथ मिलकर ड्रॉ भी खेलते हैं. सभी ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया. मुझे उन पर हमेशा गर्व रहेगा।

द्रोणाचार्य अवॉर्डी पर यौन शोषण का आरोप

पास्को में केस, 16 साल की पीड़ित की शिकायत– मैसेज करके जिम में बुलाया, गोद में बैठाया

मुंबई (एजेंसी)। द्रोणाचार्य अवॉर्डी कोच गणेश प्रभाकर देवरुखकर के खिलाफ प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रंस फ्रॉम सेक्शुअल ऑफेंस यानी पास्को में केस दर्ज किया गया है। 45 साल के मलखंभ कोच के खिलाफ 16 साल की छात्रा ने शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस के मुताबिक छात्रा मुंबई के एक कॉलेज में पढ़ती है और कई साल से आरोपी कोच से जिमनास्टिक की ट्रेनिंग ले रही थी। शिकायत के अनुसार, घटना शुक्रवार सुबह की है। मलखंभ फेडरेशन ऑफ इंडिया के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि मुंबई के मलखंभ फेडरेशन से घटना को लेकर जानकारी मांगी गई है। आरोपी कोच फिलहाल फरार है। मुंबई पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रिंकू सिंह ने 414.29 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए

यूपी प्रीमियर लीग में सिर्फ 7 गेंदों में 29 रन की पारी खेली, मेरठ की लगातार छठी जीत

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में सोमवार को रिंकू सिंह ने 414.29 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 7 गेंदों पर 29 रन बनाए। मेरठ मावेरिक्स के कप्तान रिंकू ने गोरखपुर लायंस के खिलाफ अपनी पारी में 2 चौके और 3 छक्के लगाए। उनकी इस पारी की मदद से मेरठ ने यूपी टी-20 लीग के 16वें मैच में गोरखपुर को 10 विकेट से हरा दिया।

8-8 ओवर का मैच खेला गया – बारिश के कारण मैच 8-8 ओवर का कर दिया गया था। गोरखपुर लायंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 ओवर में 6 विकेट पर 91 रन बनाए। जवाब में मेरठ मावेरिक्स ने 6.4 ओवर में बिना विकेट गंवाए 92 रन बनाकर मैच जीत लिया। यह मेरठ मावेरिक्स की इस सीजन में लगातार छठी जीत है। टीम 12 अंक के साथ पॉइंट्स टेबल में पहले नंबर पर है। वहीं, गोरखपुर लायंस की 6 मैचों में यह चौथी हार है।

जीशान ने 2 ओवर में 4 विकेट लिए – मेरठ ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। गोरखपुर के ओपनर अभय प्रताप सिंह ने 16 गेंदों पर 33 रन बनाए। उन्होंने 4 चौके और 2 छक्के लगाए। मेरठ के जीशान अंसारी ने 2 ओवर में सिर्फ 10 रन देकर 4 विकेट लिए। वे प्लेयर ऑफ द मैच भी रहे।

रिंकू के अलावा स्वास्तिक ने बनाए 44 रन – रिंकू सिंह के अलावा मेरठ मावेरिक्स की ओर से स्वास्तिक चिकारा ने नाबाद 44 रन बनाए। 92 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी मेरठ ने शुरुआत से ही तेज बल्लेबाजी की।

रग्बी के पूर्व स्टार ने 81 अल्ट्रा मैराथन दौड़कर बनाया रिकॉर्ड

- **100 दिन तक दौड़कर 12 करोड़ जुटा रहे डेविड जैक्सन; चोट से चली गई थी याददाश्त**

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड, वेल्स और स्कॉटलैंड के 25 स्थानों पर 10 किमी के सर्किट में दौड़ते हुए जैक्सन अब तक 4,000 किमी से ज्यादा की दूरी तय कर चुके हैं। इंग्लैंड, वेल्स और स्कॉटलैंड के 25 स्थानों पर 10 किमी के सर्किट में दौड़ते हुए जैक्सन अब तक 4,000 किमी से ज्यादा की दूरी तय कर चुके हैं। 13 साल पहले सिर की गंभीर चोट से याददाश्त खोने वाले पूर्व ब्रिटिश रग्बी खिलाड़ी डेविड जैक्सन ने लगातार 81 दिनों तक रोज 50 किमी की अल्ट्रा मैराथन पूरी कर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया है। ब्रिस्टल में रिवर एवन के किनारे 81वीं दौड़ पूरी करते ही उन्होंने पुरुष वर्ग में लगातार सबसे ज्यादा अल्ट्रा मैराथन का रिकॉर्ड अपने नाम किया। इससे पहले यह रिकॉर्ड 80 दौड़ का था। हालांकि

जैक्सन का लक्ष्य सिर्फ रिकॉर्ड बनाना नहीं, बल्कि ब्रेन इंजरी से जूझ रहे लोगों की मदद के लिए 100 दिन में 100 अल्ट्रा मैराथन पूरी करना है। 31 साल की उम्र में उनका 12 साल का पेशेवर रग्बी करियर एक हादसे के बाद खत्म हो गया था। नॉटिंघम रग्बी क्लब के लिए 316 मैचों में 102 ट्राई और 971 अंक बनाने वाले जैक्सन अभ्यास के दौरान साथी खिलाड़ी से सिर टकराने के बाद मैदान पर ही बेहोश हो गए थे।

भारत से पहले ढाका में ट्रेनिंग कर सकता है ब्राजील

कोलकाता स्टेडियम पर सवाल, 6 अक्टूबर को केप वर्डे से मैच की भी तैयारी

नईदिल्ली (एजेंसी)। ब्राजील की फुटबॉल टीम 3 अक्टूबर को भारत के खिलाफ मुकाबले से पहले बांग्लादेश के ढाका में ट्रेनिंग कैंप लगाने पर विचार कर रही है। ब्राजील फुटबॉल कन्फेडरेशन के पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने 23 अगस्त को ढाका का दौरा किया। टीम ने नेशनल स्टेडियम, बसुंधरा किंग्स एरेना और कई होटलों का निरीक्षण किया। बांग्लादेश फुटबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष तबिथ अवल ने बताया कि ब्राजील के साथ ढाका में ट्रेनिंग करने और बांग्लादेश के खिलाफ फ्रेंडली खेलने समेत सभी विकल्पों पर बात हुई है। हालांकि, अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। ब्राजील 25 सितंबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टाउन्सविले और 29 सितंबर को ब्रिस्बेन में मुकाबला खेलेगा। इसके

बाद टीम भारत आएगी। कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में भारत और ब्राजील के बीच फ्रेंडली मैच खेला जाना है।

ढाका की पिच ब्राजील को ठीक लगी – बांग्लादेश फुटबॉल फेडरेशन के मुताबिक, ब्राजील के प्रतिनिधिमंडल ने नेशनल स्टेडियम और बसुंधरा किंग्स एरेना की पिच को टीम के लिए सही बताया। हालांकि, ड्रेसिंग रूम, तकनीकी स्टाफ के लिए जगह और एंट्री-एग्जिट पर सुरक्षा व्यवस्था में सुधार की जरूरत बताई गई है। ढाका में ब्राजील और बांग्लादेश के बीच 5 या 6 अक्टूबर को फ्रेंडली मैच की भी चर्चा हुई है। हालांकि, बांग्लादेश की टीम 24 सितंबर से 4 अक्टूबर तक इंडोनेशिया में स्त्रद्धस्न एशियन कप में खेलेगी।

ब्राजील के मैच पर भूटिया ने खर्च को लेकर सवाल उठाए

भारत–ब्राजील मुकाबले को लेकर पूर्व भारतीय कप्तान बाइचुंग भूटिया ने भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने ब्राजील को कोलकाता बुलाने पर करीब 50 से 70 करोड़ रुपए खर्च होने की रिपोर्ट पर आपत्ति जताई। उनका कहना है कि इतनी रकम बंगाल के घरेलू फुटबॉल और ग्रासरूट डेवलपमेंट पर खर्च की जा सकती थी। भूटिया ने भारत के एफआईएफए एशियन कप 2026 से हटने के विरोध में फैंस से ब्राजील के खिलाफ होने वाले मैच के बहिष्कार की अपील भी की है।

सितंबर में पनामा से भी मुकाबला

भारत सितंबर में पनामा के खिलाफ भी फीफा इंटरनेशनल फ्रेंडली खेलने की तैयारी में है। एआईएफएफ ने पनामा के साथ लेटर ऑफ इंटेंट साइन किया है। यह मैच 26 या 27 सितंबर को होने की संभावना है। हालांकि, इसका वेन्यू अभी तय नहीं हुआ है।

- **साल्ट लेक की पिच पर ब्राजील ने जताई चिंता –** भारत-ब्राजील मुकाबला 3 अक्टूबर को कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में होगा। यह ब्राजील का भारत में पहला मुकाबला होगा। ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन ने 30 जुलाई को इसकी घोषणा की थी। मैच से पहले सीबीएफ के पांच सदस्यीय दल ने कोलकाता का भी निरीक्षण किया। प्रतिनिधिमंडल ने स्टेडियम, ट्रेनिंग ग्राउंड, पिच, ड्रेसिंग रूम, होटल और सुरक्षा व्यवस्था देखी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मैदान की घास की स्थिति और कुछ जगहों पर टर्फ को लेकर चिंता जताई गई है। ब्राजील ने पिच और ट्रेनिंग ग्राउंड की घास में सुधार की जरूरत बताई है।

कांवरियों की सेवा को मिला सम्मान, पथ प्रदर्शक परिवार को किया गया सम्मानित

देवघर, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। औरंगाबाद की चर्चित स्वयंसेवी संस्था पथ प्रदर्शक द्वारा बाबा बैद्यनाथ धाम में लगातार की जा रही कांवरियों की सेवा के लिए संस्था के सदस्यों को सम्मानित किया गया। देवघर की समाजसेविका अंजली सिंह एवं उनके पति एचडीएफसी बैंक के प्रबंधक कमलेश कुमार सिंह ने पथ प्रदर्शक परिवार के सदस्यों को अंगवस्त्र, मोमेंटो एवं भोले बाबा की तस्वीर देकर सम्मानित किया। समाजसेविका अंजली सिंह ने कहा कि पथ प्रदर्शक की टीम जिस समर्पण और सेवाभाव से कांवरियों की सेवा कर रही है, वह प्रेरणादायक है। इसी सेवा भावना को प्रोत्साहित करने के लिए टीम को सम्मानित किया गया है। उन्होंने कहा कि कांवरिया पथ पर जितने भी सेवा शिविर लगाए जाएं, वे शिवभक्तों की सुविधा के लिए कम ही हैं।

पथ प्रदर्शक के संस्थापक सह सचिव बमेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि संस्था लगातार 26वें दिन भी शिवभक्तों की सेवा में जुटी हुई है। जख्म, दर्द और फोड़े से परेशान कांवरियों की सेवा कर उन्हें काफी आत्मसंतुष्टि मिलती है। उन्होंने बताया कि पूरे देश में रक्तदान जागरूकता, रक्तदान शिविर आयोजन एवं जरूरतमंदों को रक्त उपलब्ध कराने के लिए कार्यरत संस्था पथ प्रदर्शक ने इस वर्ष पहली बार बाबा बैद्यनाथ धाम में एक माह के लिए निःशुल्क कांवरिया सेवा शिविर लगाया है।

शिविर में पैदल यात्रा के दौरान घायल कांवरियों को बैंडेज-पट्टी की सुविधा, थके हुए श्रद्धालुओं को मालिश एवं पैरों की मसाज, साथ ही श्रद्धालुओं को शुद्ध पेयजल और नींबू शरबत उपलब्ध कराया जा रहा है।

शिवभक्तों की सेवा में उत्कृष्ट योगदान के लिए पथ प्रदर्शक के संस्थापक सह सचिव बमेंद्र कुमार सिंह सहित सत्यम कुमार सिंह उर्फ चुन्नू,साबिया परवीन, पूजा कुमारी एवं पूनम देवी को सम्मानित किया गया।

अवंतिका सिंधु मौत की गुत्थी सुलझाने में जुटी पुलिस

बीएमपी आईजी ने किया घटनास्थल का निरीक्षण

जमालपुर (मुंगेर), नवबिहार टाइम्स संवाददाता। बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस बीएनपी-9 जमालपुर में बेसिक ट्रेनिंग कर रही ट्रांसजेंडर महिला सिपाही अवंतिका सिंधु की मौत के मामले में सोमवार को जांच तेज हो गई। मौत आत्महत्या है या इसके पीछे कोई अन्य वजह, इसे लेकर पुलिस और विभागीय अधिकारी अलग-अलग पहलुओं की जांच में जुटे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए बीएमपी की ट्रेनिंग आईजी एस. प्रेमलता बीएनपी-9 जमालपुर पहुंचीं। उन्होंने सबसे पहले घटनास्थल और संबंधित बैरक का निरीक्षण किया। इसके बाद बैरक में रहने वाले प्रशिक्षु सिपाहियों और प्रशिक्षकों से घटना के संबंध में पूछताछ की।आईजी ने बीएनपी-9 के समादेष्टा मिथिलेश प्रसाद से भी काफी देर तक घटना की जानकारी ली। अधिकारियों ने घटनास्थल की परिस्थितियों, प्रशिक्षण के दौरान की गतिविधियों और महिला सिपाही से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।इधर पोस्टमार्टम के बाद अवंतिका सिंधु का शव बीएनपी-9 परिसर लाया गया। यहां पिता उमाशंकर पासवान, माता इंदु देवी, भाई अरविंद कुमार, अरुण कुमार, अभिषेक कुमार और चाचा अजय पासवान के अलावा समादेष्टा, पुलिस पदाधिकारियों, बिहार पुलिस मेंस एसोसिएशन के अध्यक्ष रूपेश कुमार समेत जवानों ने श्रद्धांजलि दी। इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

बीएनपी-9 के समादेष्टा मिथिलेश प्रसाद ने कहा कि महिला सिपाही की बैरक में हुई मौत आत्महत्या है या मौत के पीछे कोई अन्य कारण है इसका स्पष्ट खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही होगा। फिलहाल घटना प्रथम दृष्टया आत्महत्या जैसी प्रतीत हो रही है, लेकिन पुलिस हर पहलू की जांच कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

रसल वायपर के दंश से बुजुर्ग की मौत, केरेडारी में सांपों का कहर जारी

केरेडारी (हजारीबाग), नवबिहार टाइम्स संवाददाता। प्रखंड क्षेत्र के सलगा पंचायत अंतर्गत बड़कीटांड़ टोला में रविवार शाम सांप के डंसने से एक बुजुर्ग की मौत हो गई। मृतक की पहचान दुखी साव (60 वर्ष) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, दुखी साव शाम करीब 7:15 बजे अपने घर के सामने बने मचान के पास किसी काम से गए थे। इसी दौरान करीब 8 बजे उन्हें सांप ने डंस लिया। सांप के डंसने के बाद परिजन और ग्रामीण उन्हें तत्काल इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, केरेडारी लेकर पहुंचे। अस्पताल में चिकित्सक डॉ. सुधांशु कुमार ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। ग्रामीणों के अनुसार, सांप की पहचान रसल वायपर के रूप में की गई है। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है। चिकित्सकों के अनुसार, सांप के डंसने की स्थिति में घबराने के बजाय पीड़ित को तुरंत नजदीकी अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र ले जाना चाहिए। पीड़ित को कम से कम हिलाना-डुलाना चाहिए और काटे गए अंग को स्थिर रखना चाहिए। झाड़-फूंक, जहर चूसने, चीरा लगाने या घरेलू उपचार में समय बर्बाद नहीं करना चाहिए। चिकित्सकों ने कहा कि सर्पदंश के मामलों में समय पर अस्पताल पहुंचना बेहद जरूरी है, जहां जरूरत के अनुसार एंटी-स्नेक वेनम (अरश) सहित आवश्यक उपचार दिया जा सकता है।

एलबी सिंह की पत्नी को ईडी का दूसरा समन, 27 अगस्त को रांची में पूछताछ

रांची, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। चर्चित कोयला कारोबारी एलबी सिंह से जुड़े अवैध कोयला खनन और तस्करी मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई तेज हो गई है। ईडी ने एलबी सिंह की पत्नी आरती सिंह को दूसरा समन जारी कर 27 अगस्त को रांची स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में पूछताछ के लिए उपस्थित होने का निर्देश दिया है। इससे पहले आरती सिंह को 20 अगस्त को पेश होने का समन दिया गया था। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के बजाय ईडी से 10 दिन का अतिरिक्त समय मांगा था। इसके बाद एजेंसी ने नई तारीख 27 अगस्त तय की है।दरअसल, 28 जुलाई 2026 को ईडी ने धनबाद में एलबी सिंह समेत अन्य से जुड़े 31 ठिकानों पर छापेमारी की थी। कार्रवाई के दौरान एलबी सिंह के करीब 160 करोड़ रुपये के म्यूचुअल फंड निवेश को फ्रीज किया गया, जबकि 1.02 करोड़ रुपये की बेहिसाबी नकदी जब्त की गई थी। इसके अलावा 200 से अधिक अचल संपत्तियों से जुड़े दस्तावेज और डिजिटल उपकरण भी मिले थे।

ईडी की जांच कथित अवैध कोयला खनन, तस्करी और अपराध से अर्जित आय को वैध बनाने से जुड़े मामलों पर केंद्रित है। अब 27 अगस्त को आरती सिंह से होने वाली पूछताछ को एलबी सिंह से जुड़े मामले में अहम कड़ी माना जा रहा है।

कई ट्रेनें घंटों विलंबित यात्रियों की बढ़ी परेशानी

जमालपुर (मुंगेर), नवबिहार टाइम्स संवाददाता। भागलपुर-जमालपुर-किऊल रेलखंड पर सोमवार को कई महत्वपूर्ण ट्रेनें निर्धारित समय से विलंब से चलीं। ट्रेनों के लगातार लेट होने के कारण यात्रियों को स्टेशनों पर लंबा इंतजार करना पड़ा। खासकर लंबी दूरी की ट्रेनों के विलंब से यात्रियों की परेशानी और बढ़ गई।जानकारी के अनुसार विक्रमशिला एक्सप्रेस करीब 20 मिनट, भागलपुर-दानापुर इंटरसिटी 20 मिनट तथा पटना-दुमका एक्सप्रेस 10 मिनट विलंब से चली। वहीं दानापुर-साहिबगंज इंटरसिटी करीब 10 मिनट और मालदा-किऊल पैसेंजर 30 मिनट देर से पहुंची।इसके अलावा बांका-राजेंद्र नगर एक्सप्रेस करीब 30 मिनट, विक्रमशिला एक्सप्रेस 15 मिनट, जबकि अंग एक्सप्रेस लगभग दो घंटे विलंब से चली। फरक्का एक्सप्रेस 30 मिनट, हावड़ा-जयनगर ट्रेन 40 मिनट और मालदा-पटना एक्सप्रेस करीब 50 मिनट देर से पहुंची।वहीं जयनगर-हावड़ा ट्रेन 30 मिनट तथा ब्रह्मपुत्र मेल करीब डेढ़ घंटे विलंब से चली।

रेलवे, बायपास की बहुप्रतीक्षित मांग पर क्रियान्वयन का आदेश

साकार होगा सांस्कृतिक राजधानी का सपना

खूंटी, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। झारखंड की धरती अपनी प्राकृतिक संपदा के साथ-साथ समृद्ध जनजातीय संस्कृति, लोककला, लोकगीत, लोकनृत्य और परंपराओं के लिए देश-दुनिया में विशिष्ट पहचान रखती है। इस सांस्कृतिक विरासत के केंद्र में खूंटी का नाम विशेष रूप से लिया जाता है। ऐसे में खूंटी में एक आधुनिक और सर्वसुविधायुक्त रवीन्द्र भवन के निर्माण की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही है। यदि यहां रवीन्द्र भवन का निर्माण होता है तो यह केवल एक भवन नहीं, बल्कि जिले की कला-संस्कृति को नई दिशा देने वाला महत्वपूर्ण सांस्कृतिक केंद्र साबित हो सकता है।

इस आशय पर खूंटी के डॉ दीपक कुमार घोष ने 2006में झारखंड के तत्कालीन मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा को पत्र लिखकर मांग किया, जिसपर उपायुक्त द्वारा स्थल निरीक्षण कर नगर भवन नाम से एक भवन का निर्माण हुआ।जिसकी उपयोगिता विभिन्न सरकारी -सामाजिक कार्यों में किया जाता है। इसके साथ ही एक स्वतंत्र प्रेस भवन के लिए मुख्यमंत्री चंपई सोरेन को 22-6-24को पत्र द्वारा मांग किया गया,जिसकी स्वीकृति हो गई है। जिले में रेलवे के मांग के लिए डॉ दीपक कुमार घोष ने केंद्र सरकार को कई पत्र भेजा। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव को 5 फरवरी 2025 को पत्र लिखकर मांग को जारी रखा। डॉ घोष का प्रयास रंग लाया इसके क्रियान्वयन की प्रक्रिया शुरू होने वाली है।

मुरहू के कलाप्रेमी साहित्यकार कवि डॉ धर्मेंद्र नाथ तिवारी ने डॉ दीपक घोष के कार्यों की सराहना की, तथा रेलवे, बायपास एवं प्रेस भवन के लिए खुशी जाहिर किया डॉ तिवारी ने कहां कि सरकार सकारात्मकता के साथ हमारे जिले पर ध्यान देती है तो खूंटी झारखंड की सांस्कृतिक राजधानी अवश्य बनेगा। यहां के पत्ते पत्ते में संगीत है, बच्चे बच्चे में प्रतिभा।अखिल भारतीय सांस्कृतिक विकास महासंघ के अध्यक्ष तपन घोष ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि रेलवे, बायपास अनिवार्य पहल है। युवा ध्रुवेन्द्र भास्कर ने विकास की योजनाओं पर प्रसन्नता जाहिर किया। उन्होंने कहा कि सर्वांगीण विकास के लिए आवागमन की उचित व्यवस्था और कला संस्कृति के उत्थान के लिए रवीन्द्र भवन आदि की अनिवार्यता है।

भूमिहीन परिवारों ने डीएम से लगाई गुहार

जमालपुर (मुंगेर), नवबिहार टाइम्स सं.। रेलवे की जमीन पर चार दशकों से रह रहे भूमिहीन एवं गरीब परिवारों को हटाने की कार्रवाई के विरोध में इंडियन इंक्लूसिव पार्टी के जिलाध्यक्ष नरेंद्र तांती ने पीड़ित परिवारों के साथ जिलाधिकारी मुंगेर को आवेदन देकर तत्काल निष्कासन की कार्रवाई रोकने और प्रभावित परिवारों को स्थायी भूमि व आवास उपलब्ध कराने की मांग की है। मौके पर राजद नेता मंटू यादव सहित महगठबंधन के सदस्यगण भी मौजूद थे। नरेंद्र तांती ने कहा कि मुंगेर जिले के जमालपुर रामपुर सहित अन्य रेलवे की जमीन पर कई वर्षों से अत्यंत गरीब, निर्धन एवं भूमिहीन परिवार रहकर जीवन-यापन कर रहे हैं। हाल में रेलवे विभाग द्वारा अतिक्रमण हटाने के नाम पर इन परिवारों को स्थान खाली करने की सूचना दी गई है। इससे परिवारों के सामने बेघर होने और जीवन-यापन का गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है।

खूंटी पुलिस को 14 बोलेरो-112 आवंटित

खूंटी, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग द्वारा जिला पुलिस को 14 नए पेट्रोलिंग डायल 112 ,वाहनों को आवंटित किया गया।पुलिस अधीक्षक ने कार्यालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर नये वाहनों को रवाना किया गया।

उक्त वाहनों को जिले के विभिन्न थाना, ओ.पी. को सुपुर्द किया गया है जिससे पुलिस की गश्ती व्यवस्था एवं त्वरित पुलिस प्रतिक्रिया को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके । इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक खूँटी द्वारा उपास्थित सभी संबंधित पुलिस पदाधिकारियों एवं वाहन चालकों को निर्देशित किया गया कि आवंटित पेट्रोलिंग वाहनों का उपयोग नियमित गश्ती,अपराध नियंत्रण,विधि-व्यवस्था संधारण तथा आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित कार्रवाई के लिए प्रभावी ढंग से किया जाए । वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किए जाने के उपरांत सभी 14 पेट्रोलिंग वाहनों द्वारा फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च के माध्यम से जिले में पुलिस की सक्रिय उपस्थिति का संदेश देते हुए आम नागरिकों में सुरक्षा एवं विश्वास की भावना को और मजबूत करने का प्रयास किया गया।

घर में चोरी मामले का 24 घंटे के भीतर खुलासा

दो आरोपी गिरफ्तार; सभी चोरी का सामान बरामद

हजारीबाग, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। हजारीबाग पुलिस ने पेलावल ओपी क्षेत्र में घर का ताला तोड़कर चोरी करने के मामले का त्वरित उद्भेदन करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से चोरी गए सोने-चांदी के जेवरात, नगद राशि, मोबाइल फोन, घड़ियां समेत सभी सामान बरामद कर लिए हैं।

चोरी की घटना में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है।

जानकारी के अनुसार, 23 अगस्त को कटकमसांडी थाना क्षेत्र के छड़वा पंचायत अंतर्गत रोमी गांव निवासी प्रदीप राणा ने लिखित शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके घर का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया है। मामले में कटकमसांडी (पेलावल ओपी) थाना कांड संख्या 131/26 के तहत बीएनएस-2023 की सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई।

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर मामले के त्वरित उद्भेदन के लिए पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) ज्ञान रंजन के नेतृत्व में विशेष छापेमारी टीम का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी एवं परिस्थिति जन्य साक्ष्यों के आधार पर संभावित ठिकानों पर छापेमारी करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मंडई कला, थाना लोहसिघना निवासी मोहम्मद महताब (30 वर्ष), पिता मोहम्मद क्यूम तथा मोहम्मद शमीर कुरैशी (25 वर्ष), पिता मोहम्मद शमीम के रूप में की गई है। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक जोड़ी सोने का टॉप, एक जोड़ी चांदी की पायल, एक सोने की अंगूठी, एक सोने का मंगलसूत्र, पांच घड़ियां, पांच मोबाइल फोन तथा 55,750 रुपये नगद बरामद किए हैं। इसके अलावा चोरी की घटना में प्रयुक्त ळश्र मोटरसाइकिल (संख्या खल्02इत्रॄ7117) भी जब्त की गई है।

छापेमारी दल में पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) ज्ञान रंजन, पेलावल अंचल के पुलिस निरीक्षक सपन महथा, पेलावल ओपी प्रभारी बिट्टू रजक, पुलिस अवर निरीक्षक संजय खलखो, सहायक अवर निरीक्षक रविंद्र कुमार, तकनीकी शाखा हजारीबाग एवं थाना सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज 24 घंटे के भीतर चोरी के मामले का सफल उद्भेदन कर सभी चोरी गए सामानों की बरामदगी कर ली।

नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय में फिर प्रशासनिक हलचल

रजिस्ट्रार नफीस अहमद ने दिया इस्तीफा

मेदिनीनगर, पलामू, नवबिहार टाइम्स संवाद दाता।नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय में एक बार फिर प्रशासनिक बदलाव की आहट से हलचल तेज हो गई है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव (रजिस्ट्रार) नफीस अहमद ने अपने पद से हटने की इच्छा जताते हुए इस्तीफे की पेशकश की है। उन्होंने निजी कारणों का हवाला देते हुए कुलपति और उच्च शिक्षा विभाग को पत्र भेजा है। कुलपति प्रो. डॉ. दिनेश कुमार सिंह ने भी पत्र मिलने की पुष्टि की है।

जानकारी के अनुसार, नफीस अहमद को वर्ष 2025 में विश्वविद्यालय का कुलसचिव नियुक्त किया गया था। उन्होंने तत्काल पद छोड़ने के बजाय करीब एक माह बाद जिम्मेदारी से मुक्त किए जाने की इच्छा जताई है। अब उनके इस्तीफे पर अंतिम निर्णय उच्च शिक्षा विभाग की प्रक्रिया पूरी होने के बाद होगा।कुलसचिव का पद विश्वविद्यालय की प्रशासनिक व्यवस्था में बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। ऐसे में संभावित बदलाव का असर परीक्षा, नामांकन, रिजल्ट और अन्य प्रशासनिक कार्यों पर पड़ने की आशंका है। खासकर विश्वविद्यालय के कई शैक्षणिक सत्र पहले से ही निर्धारित समय से पीछे चल रहे हैं। ऐसे में रजिस्ट्रार के इस्तीफे की खबर ने विद्यार्थियों की चिंता बढ़ा दी है।

नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय से पलामू, गढ़वा और लातेहार के हजारों विद्यार्थी जुड़े हैं। शैक्षणिक सत्र में देरी को लेकर छात्र संगठन पहले भी आवाज उठा चुके हैं। अब प्रशासनिक बदलाव की संभावित स्थिति ने लंबित कार्यों को लेकर नई चिंता पैदा कर दी है।वर्ष 2009 में स्थापित विश्वविद्यालय में समय-समय पर प्रशासनिक बदलाव होते रहे हैं। वर्ष 2025 में लंबे इंतजार के बाद कुलपति और कुलसचिव की नियुक्ति हुई थी। अब रजिस्ट्रार की इस्तीफे की पेशकश के बाद एक बार फिर विश्वविद्यालय की प्रशासनिक व्यवस्था चर्चा के केंद्र में है।

सतर्कता जागरूकता अभियान के तहत जमालपुर स्टेशन पर ग्रिवांस कैंप

जमालपुर (मुंगेर), नवबिहार टाइम्स संवाददाता। सतर्कता जागरूकता अभियान के तहत सोमवार को जमालपुर रेलवे स्टेशन परिसर में गिरवंश कैंप का आयोजन किया गया। कैंप का उद्देश्य रेल कर्मचारियों के बीच सतर्कता, पारदर्शिता और कार्यों के त्वरित निष्पादन के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। अभियान में रेल कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी समस्याओं एवं सुझावों को अधिकारियों के समक्ष रखा।कैंप के दौरान कर्मचारियों की ओर से रखे गए मामलों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों ने आवश्यक कार्रवाई की। कई मामलों का मौके पर ही त्वरित समाधान किया गया। अधिकारियों ने कर्मचारियों से कार्यस्थल पर किसी भी प्रकार की अनियमितता सामने आने पर इसकी जानकारी संबंधित अधिकारियों को देने की अपील की।

एकमा-मांझी मार्ग पर बाइक सवार युवक ने मारी टक्कर

छपरा (सारण)। जिले के एकमा थाना क्षेत्र में स्थित मांझी-बरौली स्टेट हाईवे-96 पर एकमा और मांझी के बीच मार्ग के गंजपर गांव के समीप एक गैस गोदाम के समीप सोमवार को हुई सड़क दुर्घटना में बाइक की टक्कर से सोमवार के सुबह टहल रहे गंजपर गांव निवासी पान मोहम्मद नामक लगभग 70 वर्षीय वृद्ध किसान गंभीर रूप से घायल हो गए।

कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर उपायुक्त ने दिए आवश्यक निर्देश

हजारीबाग, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। उपायुक्त श्री हेमन्त सती ने सोमवार को समाहरणालय सभाकक्ष में कल्याण विभाग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित कर विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान बिरहोर टांडा में निर्मित आवास, सरना-मसना योजना, कब्रिस्तान घेराबंदी, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, पशुपालन, छात्रावास सहित अन्य योजनाओं की प्रगति की जानकारी लेते हुए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उपायुक्त ने जिला कल्याण पदाधिकारी को कल्याण शाखा के पदाधिकारियों के बीच सुस्पष्ट कार्य विभाजन करने का निर्देश दिया। उन्होंने सरना-मसना योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 एवं 2026-27 की अपूर्ण योजनाओं की जानकारी लेते हुए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया। वहीं, कब्रिस्तान घेराबंदी से संबंधित कार्यों को शीघ्र प्रारंभ कराने को कहा। मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने प्राप्त सभी पात्र आवेदनों को स्वीकृत कर नियमानुसार राज्य सरकार को अग्रसारित करने का निर्देश दिया।

पशुपालन योजना की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने प्रखंड कल्याण पदाधिकारियों के बीच पशु वितरण का लक्ष्य निर्धारित करने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी प्रखंड कल्याण पदाधिकारियों को 15 अक्टूबर तक पात्र लाभुकों का चयन सुनिश्चित करने को कहा। लाभुकों के चयन के उपरांत जिला स्तर से आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कर उन्हें ससमय योजना का लाभ उपलब्ध कराई जाएगी।

बैठक में जिले के सभी अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति छात्रावासों की स्थिति की भी विस्तृत समीक्षा की गई। उपायुक्त ने खिरगांव एवं दीपुगढ़ा छात्रावास के संबंध में आवश्यक विभागीय पत्राचार करने का निर्देश दिया। साथ ही संचालित एवं असंचालित छात्रावासों में आवश्यक बुनियादी सुविधाओं का अवलोकन कर आवश्यकताओं का आकलन करने को कहा। उन्होंने कहा कि छात्रावासों में बेड, कुर्सी, पंखा, बिजली, पेयजल, गेट, गेटकीपर, बोरिंग एवं शौचालय सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी ताकि आवश्यकताओं को ससमय पूरा कर छात्रावासों का सुचारु संचालन सुनिश्चित किया जा सके।

बैठक में उपायुक्त हेमन्त सती के अलावे उपविकास आयुक्त श्रीमती रिया सिंह, जिला योजना पदाधिकारी पंकज तिवारी, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी, कल्याण विभाग के पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

कानून की जानकारी से अपराध पर लगेगी लगाम

हुसैनाबाद, पलामू/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पुलिस अधीक्षक, पलामू के निर्देश पर सोमवार, 24 अगस्त को महिला थाना प्रभारी मुन्नी कुमारी ने राजकीयकृत उर्दू मध्य विद्यालय, हुसैनाबाद में छात्र-छात्राओं के बीच जागरूकता अभियान चलाया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को नए आपराधिक कानूनों, साइबर अपराध और महिला एवं बाल सुरक्षा से जुड़े कानूनी प्रावधानों की जानकारी देना था।

इस दौरान महिला थाना प्रभारी ने नए आपराधिक कानून में हुए बदलाव और महत्वपूर्ण कानूनी प्रावधानों की जानकारी देते हुए सोशल मीडिया के सही और गलत इस्तेमाल के प्रति बच्चों को सचेत किया। उन्होंने गुड टच-बैड टच, छेड़खानी, घरेलू हिंसा और साइबर फ्रॉड से बचाव के उपाय भी बताए।

उन्होंने कहा कि किसी भी घटना या संदिग्ध गतिविधि को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, बल्कि तत्काल पुलिस को इसकी सूचना देनी चाहिए। बच्चों को यह भी बताया गया कि किसी अपराध की स्थिति में कानूनी कार्रवाई किस प्रकार की जाती है।

कार्यक्रम के दौरान प्रश्नोत्तरी के माध्यम से भी छात्र-छात्राओं की भागीदारी सुनिश्चित की गई। महिला थाना प्रभारी ने बच्चों को सोशल मीडिया का जिम्मेदारीपूर्वक इस्तेमाल करने और अनजान लिंक, कॉल व ऑनलाइन लालच से सावधान रहने की सलाह दी।उन्होंने कहा कि कानून की जानकारी और जागरूकता अपराध से बचाव का सबसे मजबूत हथियार है। जागरूक बच्चे न सिर्फ खुद को सुरक्षित रख सकते हैं, बल्कि अपने परिवार और समाज को भी साइबर अपराध एवं अन्य आपराधिक गतिविधियों से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

नशे के खिलाफ अभियान को प्रभावी बनाने के लिए बनेगा विस्तृत एक्शन प्लान: उपायुक्त

स्कूलों के आसपास विशेष निगरानी, हॉट स्पॉट पर नियमित छापेमारी के निर्देश

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सोमवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने कार्यालय कक्ष से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एनकोर्ड कमेटी की बैठक की। बैठक में जिले में नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार एवं सेवन की रोकथाम, नशा मुक्ति, जागरूकता अभियान, छापेमारी, जब्ती एवं विभागीय कार्रवाई की विस्तृत समीक्षा की गई। उपायुक्त ने कहा कि नशे की समस्या राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की गंभीर चुनौती है। राज्य एवं उच्च स्तर से इसकी नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है। ऐसे में जिले में नशीले पदार्थों से संबंधित गतिविधियों को न्यूनतम स्तर तक लाने एवं प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित विभागों को समन्वित एवं परिणामपरक तरीके से कार्य करना होगा। उन्होंने जिला स्तरीय एनकोर्ड कमेटी की बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुपालन की नियमित समीक्षा हो। शिक्षा, स्वास्थ्य, पुलिस, उत्पाद, समाज कल्याण एवं अन्य संबंधित विभागों द्वारा नशा विरोधी अभियान के तहत की जाने वाली प्रत्येक गतिविधि एवं सकारात्मक कार्रवाई को एनकोर्ड पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड किया जाए। उन्होंने कहा कि केवल कार्यक्रम आयोजित करना पर्याप्त नहीं है, उसकी जानकारी पोर्टल पर दर्ज होने से ही जिले की प्रगति का सही आकलन संभव होगा।

स्कूलों के आसपास विशेष निगरानी

उपायुक्त ने विद्यालयों के आसपास नशीले पदार्थों की बिक्री एवं सेवन की संभावित गतिविधियों पर विशेष निगरानी का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि स्कूल जाने एवं स्कूल से छुट्टी के समय, विशेषकर सुबह एवं शाम के समय संवेदनशील विद्यालयों के आसपास नियमित अभियान चलाया जाए। चिन्हित संभावित हॉट स्पॉट में अलग-अलग दिनों पर पुलिस, ड्रग इंस्पेक्टर, स्वास्थ्य विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों की टीमें पहुंचकर निगरानी करें।

स्रोत और पूरे नेटवर्क पर कार्रवाई

उपायुक्त ने स्पष्ट कहा कि नशीले पदार्थों के विरुद्ध कार्रवाई केवल बरामदगी एवं गिरफ्तारी तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। नशे के स्रोत, सप्लाई चैन, स्थानीय नेटवर्क एवं कारोबार से जुड़े अन्य लोगों को चिह्नित करते हुए कार्रवाई की जाए। सीमावर्ती क्षेत्रों से नशीले पदार्थों की संभावित आपूर्ति की सूचनाओं को गंभीरता से लेते हुए पेट्रोलिंग एवं सूचना तंत्र को मजबूत करने का निर्देश दिया गया।

विद्यालयों में संयुक्त जागरूकता अभियान

उपायुक्त ने विद्यालयों में चल रहे नशा विरोधी जागरूकता कार्यक्रमों को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया। उन्होंने शिक्षा विभाग के साथ पुलिस, स्वास्थ्य एवं समाज कल्याण विभाग को जोड़कर संयुक्त कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश दिया। विद्यार्थियों के बीच जागरूकता, संवाद, नुक्कड़ नाटक एवं अन्य गतिविधियों के माध्यम से नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी देने को कहा गया। उन्होंने निर्देश दिया कि बैठक की कार्यवाही के साथ एक विस्तृत गतिविधि चार्ट तैयार किया जाए, जिसमें किस क्षेत्र में, किस विभाग द्वारा, किस तिथि को और किस प्रकार का कार्यक्रम आयोजित किया जाना है, इसका स्पष्ट उल्लेख हो। इससे कार्यक्रमों के समयबद्ध आयोजन के साथ उनकी रिपोर्टिंग एवं पोर्टल पर अपलोडिंग भी सुनिश्चित की जा सकेगी।

एमडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की समीक्षा

बैठक में नशीले पदार्थों के विरुद्ध की गई कार्रवाई की जानकारी देते हुए बताया गया कि इस माह एमडीपीएस एक्ट के तहत लगभग दो ग्राम ब्राउन शुगर की बरामदगी के साथ एक व्यक्ति की गिरफ्तारी तथा लगभग एक किलोग्राम गांजा की बरामदगी के साथ एक अन्य व्यक्ति की गिरफ्तारी की गई है। उपायुक्त ने दोनों अनुमंडल पदाधिकारियों एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों के स्तर पर संबंधित विभागों के अधिकारियों की संयुक्त टीम के माध्यम से नियमित छापेमारी अभियान चलाने का निर्देश दिया।

स्नेह मिलन सह सावन महोत्सव में दिखी सामाजिक एकता और महिला सशक्तीकरण की झलक

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जायसवाल समाज (सर्ववर्गीय), बोकारो के तत्वावधान में जायसवाल महिला समिति की ओर से बुद्ध विहार सभागार में स्नेह मिलन सह सावन महोत्सव समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक सह विरोधी दल के मुख्य सचेतक नवीन जायसवाल, विशिष्ट अतिथि निवर्तमान विधायक बिरंची नारायण और बोकारो इस्पात संयंत्र के मुख्य महाप्रबंधक पीताम्बर चौधरी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज के अध्यक्ष राजकुमार जायसवाल ने की। उन्होंने कहा कि सावन हरियाली, उमंग और खुशहाली का प्रतीक है। यह पर्व सामाजिक एकता और आपसी स्नेह को मजबूत करने का अवसर भी प्रदान करता है। मुख्य अतिथि नवीन जायसवाल ने कहा कि सावन का पर्व महिलाओं के लिए विशेष महत्व रखता है। उन्होंने समाज के सभी उपवर्गों को एकजुट होकर मजबूत संगठन बनाने और महिलाओं की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि शिक्षित और सशक्त महिलाएं समाज को नई दिशा दे सकती हैं। बिरंची नारायण ने सामाजिक एकता पर जोर देते हुए सभी उपजातियों को संगठित कर सशक्त समाज के निर्माण का आह्वान किया। मजदूर नेता बीके चौधरी ने सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में समाज की सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता बताई। जायसवाल महिला समिति की संयोजक डॉ. क्षमा भारती और छाया जायसवाल ने महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता को प्राथमिकता देने की बात कही। समारोह में गीत-संगीत, नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सावन की छटा बिखेरी। मौके पर भवानी शंकर जायसवाल, जगदीश चौधरी, मुनिलाल चौधरी, ईश्वर चंद्र गुप्ता, तारकेश्वर प्रसाद, पंकज जायसवाल समेत बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

छात्रों पर कार्रवाई राज्य को कर रही लहूलुहान : अर्जुन मुंडा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता अर्जुन मुंडा ने छात्रा के मुद्दे को लेकर झारखंड सरकार पर जोरदार हमला बोला है। अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान बोकारो पहुंचे अर्जुन मुंडा ने छात्रों पर हुए लाठीचार्ज और उनके खिलाफ की जा रही कार्रवाई को लेकर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि छात्रों की आवाज को दबाने के लिए बल प्रयोग करना राज्य को लहूलुहान करने वाला कदम है। अर्जुन मुंडा ने कहा कि सरकार के ऐसे कदम से झारखंड पीछे धकेला जा रहा है। उन्होंने कहा कि हीरा भी एक पत्थर होता है, लेकिन तराशने के बाद ही उसकी कीमत बढ़ती है। इसी तरह छात्रों के भविष्य को संवारने की जरूरत है, उनकी आवाज दबाने की नहीं। उन्होंने कहा कि राज्य के लोग पूरे मामले की सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं। सरकार को जनभावना का सम्मान करते हुए सीबीआई जांच की अनुशंसा करनी चाहिए। मुंडा ने कहा कि कोई भी केंद्रीय एजेंसी संवैधानिक एजेंसी के खिलाफ अपने स्तर से कार्रवाई नहीं कर सकती। ऐसे मामलों में संवैधानिक प्रक्रिया का पालन जरूरी है। उन्होंने सरकार से छात्रों के साथ संवेदनशीलता से पेश आने और उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार करने की अपील की।

मुगलसराय की दो लड़कियां पहुंचीं बोकारो, पुलिस ने किया रेस्क्यू

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पारिवारिक विवाद के कारण उत्तर प्रदेश के मुगलसराय इलाके से ट्रेन में बैठकर बोकारो पहुंची दो लड़कियों को बोकारो पुलिस ने सुरक्षित रेस्क्यू किया है। दोनों लड़कियां मुगलसराय के पास एक गांव की रहने वाली बताई जा रही हैं। बताया गया कि दोनों बीती रात ट्रेन में सवार हुई थीं और सुबह बोकारो रेलवे स्टेशन पहुंचने के बाद स्टेशन के बाहर घूम रही थीं। स्टेशन के बाहर दो लड़कियों के घूमने की सूचना मुख्यालय डीएसपी पवन कुमार को मिली। सूचना मिलते ही बालीडीह थाना पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दोनों लड़कियों को सुरक्षित रेस्क्यू कर थाने लाया। इसके बाद उनके परिजनों और स्थानीय पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। डीएसपी पवन कुमार के मुताबिक, दोनों बच्चियां पारिवारिक विवाद के कारण घर से निकल गई थीं और ट्रेन में बैठकर बोकारो पहुंच गईं। सुबह नींद खुलने पर उन्हें पता चला कि वे बोकारो स्टेशन पर हैं। इसके बाद स्टेशन के बाहर घूमते समय पुलिस की नजर उन पर पड़ी और दोनों को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया। पुलिस ने मामले की जानकारी उनके परिवार को दे दी है। डीएसपी ने कहा कि बोकारो पुलिस मिसिंग केस को लेकर गंभीर है और ऐसे मामलों का शत-प्रतिशत निष्पादन करने का प्रयास किया जा रहा है। लापरवाही बरतने वाले थाना प्रभारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश एसपी की ओर से दिए गए हैं।

दुष्कर्म कांड के आरोपित को भेजा गया जेल

तेनुघाट/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जरीडीह पुलिस ने कांड संख्या 142/26 में त्वरित कार्रवाई करते हुए प्राथमिकी अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। थाना प्रभारी बिपिन महतो ने बताया कि जरीडीह थाना में 23 अगस्त को एक कांड दर्ज किया गया था। मामला दुषकर्म से जुड़ा हुआ है। कांड दर्ज होने के बाद पुलिस अधीक्षक, बोकारो के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन किया गया। गठित टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए कांड के अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्त को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

जैनामोड़-फुसरो पथ के गड्ढों की मरम्मत कर यातायात योग्य बनाया गया

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बेरमो अनुमंडल अंतर्गत जैनामोड़-फुसरो पथ पर बने गड्ढों को लेकर पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल द्वारा त्वरित कार्रवाई की गई है। आरसीडी के कार्यपालक अभियंता अमित कुमार ने सोमवार को बताया कि पथ का भौतिक निरीक्षण कर विभिन्न पथांशों में बने गड्ढों की मरम्मत कर पथ को यातायात योग्य बना दिया गया है। उन्होंने बताया कि जैनामोड़ (बिलका मांझी चौक) से फुसरो (निर्मल महतो चौक) तक एमडीआर-077 पथ की कुल लंबाई 15.900 किलोमीटर है। पथ के दो लेन का पेव्ड शोल्डर सहित चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण किया जाना है। परियोजना में पुल निर्माण, आरएंडआर, पौधरोपण तथा विद्युत एवं जलापूर्ति से संबंधित उपयोगिता सेवाओं का स्थानांतरण भी शामिल है। उक्त पथ के पुनर्निर्माण कार्य के लिए झारखंड राज्य राजमार्ग प्राधिकार (एसएचएजे), रांची द्वारा निविदा प्रक्रिया पूरी कर न्यूनतम दरदाता (एल-1) संवेदक का चयन कर लिया गया है तथा आशय पत्र (एलओए) निर्गत किया जा चुका है। शीघ्र ही पुनर्निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा। वर्तमान में मानसून की स्थिति को देखते हुए पथ को यातायात योग्य बनाए रखने के लिए एसएचएजे के सदस्य (तकनीकी) द्वारा संवेदक को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। पथ की स्थिति पर लगातार निगरानी रखते हुए आवश्यकतानुसार तात्कालिक मरम्मत कार्य भी कराया जा रहा है। कार्यपालक अभियंता अमित कुमार ने बताया कि पथ के स्थायी पुनर्निर्माण की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है तथा शीघ्र कार्य प्रारंभ होगा। मानसून के दौरान आमजनों को आवागमन में परेशानी न हो, इसके लिए पथ को यातायात योग्य बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

ब्लैक स्पॉट बनने से पहले ही करें निवारक कार्रवाई : उपायुक्त

दुर्घटना संभावित स्थलों पर रंबल स्ट्रिप एवं अंधेरे वाले क्षेत्रों में स्ट्रीट लाइट लगाने का एनएचआइ को दिया निर्देश

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सोमवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने कार्यालय कक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक की। बैठक में जिले में सड़क दुर्घटनाओं की स्थिति, ब्लैक स्पॉट, सड़क किनारे वाहनों की पार्किंग, ओवरस्पीडिंग, रैश ड्राइविंग, नशे में वाहन चलाने, हेलमेट के उपयोग, स्ट्रीट लाइट एवं दुर्घटना पीड़ितों तथा उनके आश्रितों को मिलने वाली मुआवजा की विस्तृत समीक्षा की गई। उपायुक्त ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सामूहिक जिम्मेदारी है। सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान को सोशल इवेंट एवं जनकल्याण अभियान के रूप में संचालित करें। आमजनों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने का निर्देश दिया।

ब्लैक स्पॉट बनने से पहले हो कार्रवाई

उपायुक्त ने कहा कि किसी स्थान को ब्लैक स्पॉट घोषित किए जाने का इंतजार नहीं किया जाए। जहां दो-बार दुर्घटना हो रही है अथवा दुर्घटना की संभावना दिखाई दे रही है, वहां पहले से ही निवारक उपाय किए जाएं। परिवहन विभाग के संबंधित अभियंता, थाना प्रभारी, जिला परिवहन पदाधिकारी एवं राष्ट्रीय राजमार्ग के पदाधिकारी संयुक्त रूप से ऐसे स्थलों का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। बार-बार दुर्घटना वाले स्थलों पर रंबल स्ट्रिप, चेतावनी संकेत, गति नियंत्रण के उपाय एवं अन्य आवश्यक तकनीकी सुधार प्राथमिकता के आधार पर करने का निर्देश दिया। किसी स्थान पर दुर्घटना की पुनरावृत्ति होने पर तत्काल स्थल निरीक्षण कर एक सप्ताह के भीतर आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने को कहा। बारी-कोऑपरेटिव एवं सिवनडीह मार्ग के जंक्शन समेत अन्य दुर्घटना संभावित स्थलों पर दृश्यता बाधित करने वाले अतिक्रमण एवं अव्यवस्थित पार्किंग की समस्या का संयुक्त स्थल निरीक्षण कर तकनीकी समाधान निकालने का निर्देश दिया।

अंधेरे वाले क्षेत्रों में स्ट्रीट लाइट लगाने का निर्देश

उपायुक्त ने कहा कि शाम से रात तक जिन क्षेत्रों में पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था नहीं है, वहां दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे क्षेत्रों में स्ट्रीट लाइट लगाने को प्राथमिकता दी जाए। सिवनडीह से आईटीआई मोड़, तिलमच्चो ब्रिज तथा पिंडराजोरा-चंदनकियारी क्षेत्र के संवेदनशील हिस्सों में प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। संबंधित विभाग को एक माह के भीतर स्वीकृति की प्रक्रिया पूरी करने तथा आगामी दो से तीन माह में लाइटिंग का कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया।

रैश ड्राइविंग एवं नशे में वाहन चलाने वालों पर बढ़ेगा प्रवर्तन

उपायुक्त ने शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष यातायात प्रवर्तन अभियान चलाने का निर्देश दिया। पेट्रोलिंग के दौरान रैश ड्राइविंग, ओवरस्पीडिंग एवं बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए। उन्होंने विशेष रूप से बुलेट एवं अन्य दोपहिया वाहनों से तेज गति एवं खतरनाक तरीके से वाहन चलाने वालों पर निगरानी बढ़ाने तथा सड़क किनारे पार्किंग एवं नशे की हालत में वाहन चलाने के मामलों में कार्रवाई तेज करने का निर्देश दिया।

दुर्घटना पीड़ितों को मुआवजा दिलाने में संवेदनशीलता जरूरी

बैठक में दुर्घटना पीड़ितों एवं उनके आश्रितों को मिलने वाली मुआवजा की भी समीक्षा की गई। बताया गया कि कुल 192 मामलों में मुआवजा की प्रक्रिया चल रही है, जबकि 51 मामले अंतिम भुगतान के लिए जीआइसी स्तर पर लंबित हैं। उपायुक्त ने जिला परिवहन पदाधिकारी को निर्देश दिया कि लाभार्थियों को दस्तावेजों के लिए अनावश्यक कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ें। पुराने एवं लंबे समय से लंबित मामलों की अलग से समीक्षा कर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। वहीं, सड़क दुर्घटना के दौरान लोगों की मदद करने वाले गुड सेमेरिटन की पहचान कर उन्हें प्रशस्ति-पत्र एवं बैज देकर सम्मानित करने की व्यवस्था करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने ड्राइविंग लाइसेंस बनाने के लिए विशेष कैंप आयोजित करने तथा महिलाओं एवं युवाओं को लाइसेंस बनवाने के लिए प्रोत्साहित करने पर भी जोर दिया। उपलब्ध लाइसेंस संबंधी सुविधाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने का निर्देश दिया।

विधायक बोकारो एवं चंदनकियारी ने दिए महत्वपूर्ण सुझाव

बैठक के दौरान विधायक चंदनकियारी उमाकांत रजक एवं बोकारो श्वेता सिंह ने भी सड़क सुरक्षा को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में आवश्यक सुरक्षा उपायों को प्राथमिकता के साथ लागू करने, यातायात नियमों के अनुपालन के लिए प्रभावी प्रवर्तन तथा आम लोगों के बीच सड़क सुरक्षा को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाने पर जोर दिया।

एसएसपी कार्यालय को मिला नया स्वरूप, धनबाद थाना में हरित वाटिका का उद्घाटन

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। समाहरणालय परिसर स्थित वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय के जीर्णोद्धार के बाद सोमवार को इसे आधुनिक और आकर्षक स्वरूप दिया गया। बोकारो प्रक्षेत्र के आईजी शैलेन्द्र कुमार सिन्हा ने वैदिक रीति-रिवाज से नवनिर्मित एसएसपी कार्यालय का उद्घाटन किया। मौके पर एसएसपी प्रभात कुमार, सिटी एसपी रित्विक श्रीवास्तव, ग्रामीण एसपी एस. मोहम्मद याकूब सहित जिले के सभी डीएसपी और एसडीपीओ मौजूद रहे। जीर्णोद्धार के बाद कार्यालय में फ्रंट ऑफिस, टेलीफोन और कंप्यूटर सेक्शन की व्यवस्था की गई है। कार्यालय आने वाले लोगों को टोकन दिया जाएगा। मुलाकातियों की शिकायतों और संबंधित जानकारी का ऑनलाइन रिकॉर्ड रखा जाएगा तथा शिकायतों की मॉनिटरिंग कर निष्पादन की जानकारी संबंधित व्यक्ति को दी जाएगी। आईजी शैलेन्द्र कुमार सिन्हा ने एसएसपी कार्यालय के नए स्वरूप की सराहना करते हुए इसे आधुनिक पुलिसिंग की मिसाल बताया। उन्होंने एसएसपी प्रभात कुमार की कार्यप्रणाली की प्रशंसा करते हुए कहा कि धनबाद पुलिस ने कानून-व्यवस्था और अपराध नियंत्रण के साथ जनोन्मुख पुलिसिंग का बेहतर मॉडल प्रस्तुत किया है। इसके बाद आईजी ने धनबाद थाना परिसर में नवनिर्मित हरित वाटिका का उद्घाटन किया। उन्होंने स्वच्छता और हरियाली की पहल की सराहना की। एसएसपी प्रभात कुमार ने कहा कि हरित वाटिका का उद्देश्य थाना परिसर में सकारात्मक वातावरण तैयार करना है। उन्होंने बताया कि जिले के अन्य थानों और पुलिस कार्यालयों को भी व्यवस्थित और आधुनिक बनाने का काम जारी है।

झारखंड राज्य गतका चैंपियनशिप सम्पन्न: बालक वर्ग में धनबाद एवं बालिका में बोकारो चैंपियन

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। संत जेवियर्स इंटरनेशनल स्कूल, धनबाद में 22 वा 23 अगस्त को दो दिवसीय गतका चैंपियनशिप का शानदार आयोजन गतका एसोसिएशन झारखंड के तत्वावधान में किया गया। इसकी जानकारी देते हुए राज्य कॉर्डिनेटर पप्पू कुमार सिंह ने बताया कि 15 जिला के 400 से ज्यादा गतकाबाज लड़के/ लड़कियों ने भाग लिया। लड़कों के वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए धनबाद जिला चैंपियन बना। वहीं लड़कियों में बोकारो ने शानदार प्रदर्शन कर चैंपियनशिप पर कब्जा किया। समापन समारोह में पुलिस अधिकारी अमरेंद्र कुमार सिंह, सेन जेवियर्स इंटरनेशनल स्कूल के प्राचार्य, राज्य गतका संघ की सचिव विद्या, कोषाध्यक्ष दिनेश मंडल, धनबाद गतका संघ के सचिव रोहित प्रसाद, तोराब खान ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। समारोह में 15 जिला के सचिवों, निर्णायकों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। राज्य गतका चैंपियनशिप में सफल खिलाड़ी सीनियर नेशनल गतका चैंपियनशिप हेतु श्रीनगर एवं सब जुनियर हेतु हरियाणा में झारखंड का नेतृत्व करेंगे। सभी विजेताओं को गतका एसोसिएशन झारखंड के अध्यक्ष केशव हारोदिया, धनबाद गतका संघ के अध्यक्ष बसंत हेलीवाल ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

धर्मगुरुओं के साथ सहयोगिनी ने शुरू किया बाल विवाह मुक्त बोकारो अभियान

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने के उद्देश्य से सहयोगिनी संस्था ने 'जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन नेटवर्क' के सहयोग से विशेष जन-जागरूकता अभियान शुरू किया है। अभियान के तहत समाज में प्रभाव रखने वाले विभिन्न धर्मगुरुओं और धार्मिक नेताओं को बाल विवाह के खिलाफ मुहिम से जोड़ा जा रहा है। सहयोगिनी के निदेशक गौतम सागर ने बताया कि संस्था के कार्यकर्ता जरीडीह, कसमार, पेटरवार, गोमिया, चंद्रपुरा और बेरमो प्रखंडों में अभियान चला रहे हैं। इसके तहत मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा और गिरजाघरों में पहुंचकर पुजारियों, इमामों, ग्रंथियों और पादरियों से संवाद किया जा रहा है। धर्मगुरुओं को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के कानूनी प्रावधानों, सजा तथा बाल विवाह के कारण बच्चों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी दी जा रही है। संस्था की ओर से धर्मगुरुओं से अपील की जा रही है कि वे नाबालिगों के विवाह से जुड़े किसी भी धार्मिक अनुष्ठान या रीति-रिवाज का हिस्सा न बनें। अभियान के दौरान कई धार्मिक नेताओं ने बाल विवाह नहीं कराने और समाज को इसके खिलाफ जागरूक करने का संकल्प लिया है। गौतम सागर ने कहा कि धर्मगुरुओं की भागीदारी से ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। लोग भी अब इस सामाजिक कुरीति के खिलाफ आवाज उठाने लगे हैं। अभियान को सफल बनाने में रवि कुमार राय, सूरजमानी देवी, सोनी कुमारी, विकास कुमार, सुनीता देवी, विनोद कुमार यादव, अनिल कुमार हेम्ब्रम और अजय कुमार सहित संस्था के कार्यकर्ता सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

बीएसएल में सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए 'संगच्छध्वम 2026' का शुभारंभ

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील प्लांट में यूटिलिटीज विभाग के अंतर्गत सिविल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट (सीईडी), वाटर मैनेजमेंट डिपार्टमेंट (डब्ल्यूएमडी), गैस यूटिलिटी (जीयू) एवं एयर कंडीशनिंग वेंटिलेशन सिस्टम (एसीवीएस) विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'संगच्छध्वम 2026 - यूनाइटेड यूटिलिटीज, अनकम्प्रोमाइज्ड सेफ्टी' नामक 'यूटिलिटीज सेफ्टी पखवाड़ा' का शुभारंभ किया गया। इस पहल का उद्देश्य यूटिलिटीज के अंतर्गत विभिन्न विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं संविदा कर्मियों के बीच सुरक्षा के प्रति जागरूकता, एकजुटता और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को और सुदृढ़ करना है। यूटिलिटीज सेफ्टी पखवाड़ा कार्यक्रम का शुभारंभ अधिशासी निदेशक (संकार्य) द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (यूटिलिटीज), मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) सहित अन्य वरीय अधिकारी तथा बड़ी संख्या में कर्मचारी एवं संविदा कर्मी उपस्थित थे। 'यूटिलिटीज सेफ्टी पखवाड़ा' के तहत आयोजित प्रथम कार्यक्रम के रूप में संयंत्र के प्लांट-प्लाजा रोड पर सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मानव श्रृंखला बनाई गई। इसका उद्देश्य संयंत्र के कार्मिकों एवं श्रमिकों के दैनिक जीवन में सड़क सुरक्षा के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाना तथा सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए जागरूकता को सुदृढ़ करना था। इस अभियान में बड़ी संख्या में अधिकारियों, कर्मचारियों एवं संविदा कर्मियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने सुरक्षा संदेशों से युक्त बैनर एवं नारों के माध्यम से सड़क सुरक्षा नियमों के पालन का आह्वान किया। हाथों में हाथ मिलाकर बनाई गई इस मानव श्रृंखला ने एकजुटता, सामूहिक जिम्मेदारी और सुरक्षित कार्य संस्कृति का प्रभावी संदेश दिया। इस अवसर पर अधिशासी निदेशक (संकार्य) ने सुरक्षा को प्रत्येक व्यक्ति की सामूहिक जिम्मेदारी बताते हुए सभी कर्मचारियों से कार्यस्थल पर निर्धारित सुरक्षा मानकों का पूर्णतः पालन करने तथा 'जीरो हार्म' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निरंतर सजग, सतर्क एवं प्रतिबद्ध रहने का आह्वान किया। उल्लेखनीय है कि 'यूटिलिटीज सेफ्टी पखवाड़ा' के दौरान 'संगच्छध्वम', जिसका भाव है 'साथ-साथ चलें, साथ-साथ आगे बढ़ें', के माध्यम से सुरक्षा जागरूकता को और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इनमें सेफ्टी क्विज, नुक्कड़ नाटक, सेफ्टी वॉल आर्ट एवं ड्रॉइंग, टूल बॉक्स टॉक तथा लाइन ऑफ फायर चैलेंज प्रमुख हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से कर्मचारियों को सुरक्षित कार्यप्रणाली अपनाने, संभावित जोखिमों की समय रहते पहचान करने तथा दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए आवश्यक सावधानियां बरतने हेतु जागरूक किया जा रहा है। इन पहलों का उद्देश्य सुरक्षा को केवल नियमों के पालन तक सीमित न रखते हुए इसे दैनिक कार्यसंस्कृति और सामूहिक व्यवहार का अभिन्न हिस्सा बनाना है।

वन विभाग की कथित मनमानी के खिलाफ आदिवासियों का विरोध, वनरोपण टीम को लौटना पड़ा

तेनुघाट/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पेटरवार प्रखंड अंतर्गत वन विभाग की कथित मनमानी के खिलाफ आदिवासी ग्रामीणों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। पेटरवार वन क्षेत्र के पतकी पंचायत स्थित मिजार्पुर रेवेन्यू विलेज के वन क्षेत्र में वनरोपण करने पहुंची वन विभाग की टीम को ग्रामीणों के विरोध के बाद वापस लौटना पड़ा। बताया गया कि वन विभाग की टीम जैसे ही वनरोपण का कार्य शुरू करने पहुंची, बड़ी संख्या में महिला-पुरुष ग्रामीण मौके पर जुट गए। ग्रामीण तीर-धनुष समेत पारंपरिक हथियारों के साथ पहुंचे और वनरोपण का विरोध किया। ग्रामीणों का कहना है कि जिस क्षेत्र में पौधरोपण किया जा रहा है, वहां से होकर स्थानीय लोग अपने खेतों तक आते-जाते हैं। यह रास्ता खेती, चरागाह और ग्रामीणों के आवागमन के लिए महत्वपूर्ण है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि वन विभाग द्वारा कंटीले बांस के पौधे लगाए जा रहे हैं, जिससे रास्ता बंद होने की आशंका है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा नवबिहार टाइम्स प्रिंटिंग प्रेस बियाडा परिसर, जसोइया, औरंगाबाद से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर- 31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145865 7295863300
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com